@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 13 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 338 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

असम ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले की जांच करेगी सीबीआई: सीएम सरमा

गुवाहाटी, 12 अक्टूबर। असम ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में अब एक नया मोड़ आया है। केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर सीबीआई को करोड़ो रुपये के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले से जुड़े 41 मामलों की जांच जिम्मेदारी सौंप दी है। असम के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी की। इसके साथ ही असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने इस बात का आश्वासन दिया है कि वे इस मामले की त्वरित जांच के लिए सीबीआई को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान के सदस्यों की शक्तियों और अधिकार क्षेत्र को आईपीसी/बीएनएस और अन्य अधिनियमों की संबंधित धाराओं के तहत अपराधों की जांच के लिए पूरे असम राज्य में विस्तारित किया गया है। वहीं इस मामले में दर्ज 41 अपराधिक मामलों की जांच सीबीआई को सौंपी गई है। इसके साथ ही सीएमओ ने सोशल मीडिया पोस्ट कर कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने इन मामलों की त्वरित जांच के लिए सीबीआई को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार घोटाला अगस्त के अंतिम सप्ताह में तब सामने आया जब दीपांकर बर्मन नामक एक व्यक्ति की कंपनी में बड़ी रकम निवेश करने वाले लोगों ने शिकायत की कि वह उन्हें वादा किए गए रिटर्न का भुगतान करने में विफल रहा है और उसका कार्यालय 21 अगस्त से बंद है। सितंबर में, असम मंत्रिमंडल ने मामलों को सीबीआई को हस्तांतरित करने का फैसला किया। वहीं इस मामले में आगे मुख्य सचिव रवि कोटा ने भी सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के साथ इस मामले पर चर्चा करते हुए आश्वासन दिया कि मामलों को अपने हाथ में लेने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। ज़्यादातर 20 साल से ज़्यादा उम्र के लोगों द्वारा प्रवर्तित फ़र्मों ने कथित तौर पर शेयर बाज़ार में निवेश से महत्वपूर्ण रिटर्न का वादा करके जनता से सैकड़ों करोड़ रुपये जुटाए। बता दें कि ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में अभी तक 65 से ज़्यादा लोगों को गिरफ़्तार किया जा चुका है और अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम, 2019 के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज मामलों की जाँच के लिए 14 विशेष जांच दल (स्क्वॉड्स) स्थापित किए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी-राष्ट्रपति मुर्मू ने रावण दहन समारोह में भाग लिया

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। आज देशभर में दशहरे का त्योहार मनाया जा रहा है। इस मौके पर दिल्ली के रामलीला मैदान में रावण दहन हो रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मौजूद हैं। दोनों ने पहले राम और लक्ष्मण को तिलक लगाया और फिर आरती उतारी। इसके बाद राम-रावण का युद्ध देखा। राम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसका अंत किया। इसके बाद रावण, मेघनाथ और कुम्भकरण के पुतलों का दहन किया गया। लालकिला मैदान में श्री धार्मिक लीला कमेटी के यहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और देश के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। सभी ने रामलीला का मंचन देखा और रावण दहन समारोह में भाग लिया। वहीं नवश्री धार्मिक लीला कमेटी के पंडाल में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी व राहुल गांधी पहुंचें और समारोह में भाग लिया। भगवान हनुमान की भूमिका निभाने वाले अभिनेता विंदू दारा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है सबका साथ सबका विकास। भारत एकजुट है और सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसे और बेहतर बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

प्रदेश से मानसून की विदाई पूरी तरह से हो गई है। इसकी घोषणा मौसम विभाग ने शुक्रवार को कर दी। मानसून के जाने के साथ ही आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ ने प्रदेश में सर्दियों को लेकर आकलन शुरू कर दिया है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि बादल छाए रहेंगे, धूप भी खिलेगी। भोर की शुरुआत हल्की सी सिहरन के साथ होगी। उन्होंने बताया कि पहाड़ों पर बर्फबारी का अभी असर नहीं दिखेगा। अभी हवा पछुआ चल रही है और इसमें तेजी भी नहीं है। इस कारण से मौसम सामान्य है। दिन और रात का पारा अभी सामान्य से अधिक बना हुआ है, यह स्थिति अक्तूबर तक रहेगी। शुक्रवार को प्रदेश में दिन का अधिकतम तापमान वाराणसी में 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राजधानी के मौसम में इस वक्त मिला-जुला असर दिख रहा है। सुबह की शुरुआत बादल-बदली के साथ हुई। दिन चढ़ने के साथ धूप खिली तो, लोगों ने तल्खी महसूस की। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि पहाड़ों पर बर्फबारी को लेकर लोग अक्सर सोचते हैं कि अब मैदान में ठंड बढ़ जाएगी। हमेशा ऐसा नहीं होता है। अभी हवा पछुआ चल रही है और इसमें तेजी भी नहीं है। इस कारण से मौसम सामान्य है। दूसरे दिन और रात का पारा अभी सामान्य से अधिक बना हुआ है, यह स्थिति अक्तूबर तक रहेगी। शुक्रवार को प्रदेश में दिन का अधिकतम तापमान वाराणसी में 35.9 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि मुजफ्फरनगर व बरेली में दिन का पारा 20 डिग्री से कम रहा। सबसे अधिक न्यूनतम पारा लखीमपुर खीरी में 26 डिग्री रहा। राजधानी के मौसम में इस वक्त मिला-जुला असर दिख रहा है। सुबह की शुरुआत बादल-बदली के साथ हुई।

उमर अब्दुल्ला 16 अक्तूबर को लेंगे सीएम पद की शपथ

नरेश मल्होत्रा

श्रीनगर, 12 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार का गठन होने जा रहा है। उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उमर अब्दुल्ला 16 अक्तूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उमर अब्दुल्ला ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 1998 में लोकसभा के सदस्य के रूप में की थी। इसके बाद, उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया, जिनमें केंद्रीय मंत्री और विपक्ष के नेता के पद शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला की यह दूसरी पारी होगी। इससे पहले, उन्होंने 2009 से 2014 तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। उमर अब्दुल्ला की शपथ ग्रहण समारोह में कई महत्वपूर्ण नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का दावा पेश किया। मुख्यमंत्री पद के लिए मनोनीत उमर अब्दुल्ला ने राजभवन में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। कांग्रेस की ओर से नेकां उपाध्यक्ष को समर्थन देने के कुछ घंटों बाद सिन्हा के साथ अपनी मुलाकात के दौरान अब्दुल्ला ने गठबंधन सहयोगियों की ओर से समर्थन पत्र प्रस्तुत किए। उमर को वीरवार को सर्वसम्मति से नेकां विधायक दल का नेता चुना गया था। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल 2009 से 2014 तक नेकां-कांग्रेस गठबंधन सरकार के प्रमुख के रूप में भी था। यह पूछे जाने पर कि क्या इंडिया गठबंधन के किसी नेता को शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया जाएगा, अब्दुल्ला ने कहा कि नेकां अध्यक्ष

फारूक अब्दुल्ला यह देखेंगे। उन्होंने कहा, फारूक अब्दुल्ला इंडिया गठबंधन के नेता हैं और अगर कोई निमंत्रण होगा तो उनके नाम पर भेजा जाएगा। उमर ने कहा, जिन लोगों को मुझे आमंत्रित करना है मैं उन्हें कल निमंत्रण भेजूंगा। गठबंधन सहयोगी द्वारा मंत्री पद की मांग के बारे में पूछे जाने पर नेकां नेता ने कहा कि इस तरह की चर्चाएं होती रहती हैं, क्योंकि पार्टियां मिलकर सरकार बना रही हैं। हमें उनका समर्थन पत्र मिला है। हमने आंतरिक चर्चा की है। सरकार गठन के लिए निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा नेकां को समर्थन देने के बारे में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार ने कहा कि केवल वे लोग ही उनका समर्थन कर रहे हैं, जो पहले पार्टी का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, कुछ को छोड़कर ये वही लोग हैं जिन्हें गठबंधन के कारण टिकट नहीं मिल सका और उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा। हम उनके समर्थन का स्वागत करते हैं। उन्हें लोगों के वोट मिले हैं, क्योंकि लोग उनसे अपना काम करने की उम्मीद रखते हैं और अब उनका हाथ थामना मेरा कर्तव्य है। जम्मू की अनदेखी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। इस बार के चुनाव में नेकां ने 90 में से 42 सीटें जीतीं हैं, जबकि गठबंधन सहयोगी कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं। हालांकि दोनों दलों के पास 90 सदस्यीय सदन में बहुमत है, लेकिन चार निर्दलीय और एकमात्र आप विधायक ने भी नेकां को अपना समर्थन दिया है। राजभवन से लौटने के बाद अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए नेकां उपाध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने एलजी से नई सरकार के शपथ ग्रहण की तिथि जल्द तय करने का अनुरोध किया।

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या

मुंबई, 12 अक्टूबर। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इससे पहले गोली लगने के बाद उन्हें बेहद गंभीर हालत में लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि बाबा सिद्दीकी को उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के दफ्तर बांद्रा खेरवाड़ी सिग्नल के पास गोली मारी गई थी। इस वारदात के बाद बेहद गंभीर हालत में बाबा सिद्दीकी को लीलावती अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जानकारी के मुताबिक, इस वारदात के दौरान बाबा सिद्दीकी के पेट में दो गोलियां और एक गोली सीने में लगी थी। उनपर कुल तीन गोलियां चलाई गईं थी। वहीं इस मामले में मुंबई पुलिस ने दो लोगों को मौके से गिरफ्तार भी किया है। इस वारदात के बाद मुंबई पुलिस ने आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी है और सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। बाबा सिद्दीकी मुंबई में अल्पसंख्यक वर्ग के बड़े नेताओं में शुमार थे। लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने महाराष्ट्र कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि बाद में वे अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल हो गए थे। बाबा सिद्दीकी

के बेटे जीशान सिद्दीकी भी राजनीति में सक्रिय हैं। बाबा सिद्दीकी बांद्रा पश्चिम सीट से 1999, 2004 और 2009 में तीन बार विधायक रह थे और महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकार में मंत्री भी रहे। बाबा सिद्दीकी महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलेपमेंट अथॉरिटी के मुंबई डिवीजन का अध्यक्ष पद भी संभाल चुके थे। 2014 के विधानसभा चुनाव में बाबा सिद्दीकी को भाजपा नेता आशीष शेलार ने हराया था। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा, अगर हमारे शहर मुंबई में पूर्व विधायक सुरक्षित नहीं हैं, अगर सरकार के नेता सुरक्षित नहीं हैं, तो यह सरकार आम लोगों की सुरक्षा कैसे करेगी? अगर वे अपने विधायकों और पूर्व मंत्रियों को सुरक्षित नहीं रख सकते हैं, तो गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्हें गृह मंत्री के रूप में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। एकनाथ शिंदे को राज्य के सीएम के रूप में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। मुंबई की सड़कों पर दिनदहाड़े गोलीबारी हो रही है। तीन राउंड फायरिंग की जा रही है और लोगों को गोली मारी जा रही है... क्या यही कानून व्यवस्था है?...अपराधियों को कोई डर नहीं है... महायुति और भाजपा की नीतियों ने राजनीति को बदनाम कर दिया है।

टैक्स ट्रांसफर में कर्नाटक के साथ हुआ अन्याय: डीके शिवकुमार

कौमी संवाददाता

बंगलूरू, 12 अक्टूबर। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने शनिवार को धनराशि आवंटन मामले में केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कर हस्तांतरण में कर्नाटक को कम धनराशि आवंटित करके अन्याय किया है। हम इसके खिलाफ लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने इस मुद्दे पर चुप रहने के लिए राज्य के भाजपा सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों पर हमला किया और इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि कर्नाटक के साथ अन्याय हुआ है, केंद्र ने उत्तर प्रदेश और बिहार की सरकारों को अधिक दिया है। हमें आंध्र प्रदेश से भी कम दिया गया, जो कर में ज्यादा योगदान नहीं करता है। हम आने वाले दिनों में इसके खिलाफ लड़ेंगे और विरोध करेंगे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि हम अपने कर, अपने अधिकार के लिए

लड़ने के लिए एक कार्यक्रम तैयार करेंगे। उन्होंने भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों ने अपनी आवाज क्यों नहीं उठाई? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत राज्य से पांच केंद्रीय मंत्री होने के बावजूद, वे चुप हैं, जबकि राज्य के साथ अन्याय हो रहा है। यह शर्मनाक है। इसके साथ ही जनसंख्या को करों के बंटवारे के लिए मानदंड के बारे में पूछने पर शिवकुमार ने कहा आइए विधानसभा में उन सभी पर चर्चा करें, अभी उन्हें हमारे साथ विरोध में शामिल होने दें। बता दें कि केंद्र सरकार ने गुरुवार को राज्य सरकारों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण जारी किया, जिसमें अक्टूबर 2024 के लिए देय नियमित किस्त के अलावा 89,086.50 करोड़ रुपये की एक अग्रिम किस्त भी शामिल है। वहीं अक्टूबर 2024 के लिए केंद्रीय करों और शुल्कों की शुद्ध आय के राज्यवार वितरण में कर्नाटक को 6,498 करोड़ रुपये मिले। इसके साथ ही दशहरा पर अखबार में छपे विज्ञापन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में डिप्टी सीएम ने कहा, हमने जो देखा है और जो जानकारी हमारे पास है, उसके आधार पर हमने लोगों के सामने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की कोशिश की है। मैं अभी इतना ही कह सकता हूं कि आइए बाकी बातों पर विधानसभा में चर्चा करें। बता दें कि शुक्रवार को अखबारों में छपे दशहरे के विज्ञापन में कर्नाटक सरकार ने कहा कि देवी चामुंडेश्वरी हमें कर्नाटक के लोगों के लिए शांति और समृद्धि लाने की शक्ति प्रदान करें और उन दुष्ट ताकतों का वध करने का साहस प्रदान करें जो छल और धोखे से राज्य को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। कर्नाटक सरकार के इस विज्ञापन को भाजपा और जेडी(एस) पर हमले के रूप में देखा जा रहा है।

सीएम ने देश विरोधी अपराधों को लेकर अंधेरे में रखा: राज्यपाल खान

तिरुवनंतपुरम, 12 अक्टूबर। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सत्तारूढ़ वामपंथी सरकार पर अपने हमले तेज करते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य में हो रहे देश विरोधी अपराधों को लेकर उन्हें अंधेरे में रखा। राज्यपाल ने यह भी कहा कि अब

तक मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक मुख्यमंत्री की इजाजत के बिना नियमित रूप से राजभवन आते रहे हैं और अब उनका और स्वागत नहीं किया जाएगा। खान ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक बयान में कई देश-विरोधी गतिविधियों और राज्य-विरोधी गतिविधियों जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री मानते हैं कि राज्य में देश विरोधी अपराध हो रहे हैं। राज्यपाल ने हाल ही में विजयन से उन्हें मिले जवाबी पत्र का हवाला देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जब देश के खिलाफ ऐसे अपराध किए जाते हैं तो उन्हें राष्ट्रपति व केंद्र सरकार को सूचित करना पड़ता है। इसके लिए जानकारी होना जरूरी है। खान ने कहा, इसलिए, मैंने जानकारी मांगने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार भी नहीं किया। उन्होंने 27 दिन बाद इसका जवाब दिया, जब मैंने मुख्य सचिव और डीजीपी को बुलाया, लेकिन मुख्यमंत्री ने कोई जानकारी नहीं दी। सीपीआई(एम) के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने खान के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि खान का कार्यकाल 5 सितंबर को समाप्त हो गया और अब वे केवल कार्यकारी राज्यपाल हैं।

भाजपा को बता दिया आतंकियों की पार्टी: मल्लिकार्जुन खरगे

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक विवादित बयान दिया है। दरअसल अपने बयान में खरगे ने भाजपा को आतंकियों की पार्टी बता दिया है। खरगे का यह बयान पीएम मोदी की उस टिप्पणी के विरोध में आया है, जिसमें पीएम मोदी ने दावा किया था कि कांग्रेस पार्टी को अर्बन नक्सली चला रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी की टिप्पणी के जवाब में कहा कि मोदी हमेशा कांग्रेस को अर्बन नक्सली पार्टी बताते हैं। यह उनकी आदत है, लेकिन उनकी अपनी पार्टी में बारे में क्या? भाजपा आतंकियों की पार्टी है, जो लोगों की लिंचिंग में शामिल है। मोदी को ऐसे आरोप लगाने का कोई अधिकार नहीं है। दरअसल पीएम मोदी ने हाल ही में महाराष्ट्र में एक रैली के दौरान कहा था कि कांग्रेस को अर्बन नक्सलियों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि अगर हम एक रहे तो उनका देश को बांटने का एजेंडा असफल हो जाएगा। हर कोई देख सकता है कि

कांग्रेस कैसे उन लोगों के साथ खड़ी है, जो भारत के लिए अच्छी नीयत नहीं रखते। कांग्रेस दलितों को दलित और गरीबों को और गरीब रखना चाहती है। ऐसे में कांग्रेस से सावधान रहने की जरूर है। कांग्रेस को अर्बन नक्सली चला रहे हैं। पार्टी देश को बांटना चाहती है और हमें बांटने की भी कोशिश कर रही है। ऐसे में कांग्रेस की साजिश को असफल करने के लिए एकजुट रहें। ये साथ रहने का समय है। शनिवार को नागपुर में विजयदशमी के कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी बिना किसी पार्टी का नाम लिए देश को बांटने की साजिश रचने का आरोप लगाया। मल्लिकार्जुन खरगे ने आरएसएस प्रमुख के बयान पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आप (भागवत) खुद उस पार्टी का समर्थन कर रहे हैं, जो देश को बांटना चाहती है। ये संविधान को बदलना चाहती है और आरक्षण खत्म करना चाहती है और फिर मुस्लिमों के खिलाफ बोलती है। हरियाणा चुनाव के नतीजों पर खरगे ने कहा कि हरियाणा में जो भी हुआ, हम उसे लेकर बैठक कर रहे हैं। एक बार रिपोर्ट जब आ जाएगी तो साफ हो पाएगा कि ऐसा क्यों हुआ। पूरा देश, यहां तक कि भाजपा भी कह रही थी कि कांग्रेस जीतेगी, लेकिन वो क्या चीजें रहीं, जिससे कांग्रेस हारी इसकी समीक्षा की जाएगी।

शिंदे और उद्धव का विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में शक्ति प्रदर्शन

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 12 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले मुंबई में आज शिवसेना के दोनों धड़ आमने-सामने होंगे। इन दलों के नेता, कार्यकर्ता अपनी-अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना भी आज दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में रैली करने जा रही है। शिंदे के गुट की दशहरा रैली में लगभग दो लाख लोगों की उपस्थिति की उम्मीद है। वहीं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना दादर के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में आज दशहरा रैली करेगी। इन्ही रैलियों को लेकर राज्य की सियासत गरमाई गई है। दोनों ही कार्यक्रम घंटों तक चलेंगे। यहां कार्यक्रम से पहले उत्सव और खाने-पीने के स्टॉल लगेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे और मुख्यमंत्री शिंदे अपने-अपने मैदानों में भाषण देंगे। जानकारी के अनुसार, शहर में हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण दोनों पक्षों को परेशानी हो सकती है। उद्धव ठाकरे जिस शिवाजी पार्क में रैली करेंगे वहां पर बीती रात बारिश हुई। इसकी वजह से वहां पर

कीचड़ हो गया था। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि रैली तय समय पर होगी। उम्मीद की जा रही है कि उद्धव ठाकरे इस मंच का उपयोग भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधने के लिए करेंगे और उस पर 2022 में पार्टी के विभाजन के बाद से शिवसेना की एकता को कमजोर करने का आरोप लगा सकते हैं। शिवसेना दशहरा रैली साल 1960 से ही कर रही है। पार्टी के संस्थापक बाल ठाकरे ने पहली बार दशहरा रैली की थी। दशहरा रैली शिवसेना की राजनीतिक रणनीति की आधारशिला रही हैं। शिवसेना की दशहरा रैली हर साल दशहरा के दिन आयोजित की जाती है। बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। चुनाव से पहले ये रैलियां महत्वपूर्ण महत्व रखती हैं क्योंकि दोनों गुट चुनाव से पहले अपना समर्थन मजबूत करना चाहते हैं। दोनों गुटों ने रैली के लिए टीजर जारी किए हैं। शिंदे की प्रचार सामग्री में शिव सेना का प्रतीक बाघ दिखाया गया है और इसमें पार्टी को कांग्रेस से नाता तोड़ते हुए दिखाया गया है। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र के गौरव की रक्षा के विषयों पर ध्यान केंद्रित करती है और विद्रोही विधायकों के संदर्भ में तथाकथित गद्दारों की निंदा करती है। शिवसेना नेता मनीषा कायंदे ने कहा, लाखों की संख्या में लोग आएंगे। रैली आजाद मैदान में होगी। बालासाहेब ठाकरे के विचारों को सुनने के लिए देशभर से शिवसैनिक यहां आते थे। जिन हिंदुत्व के विचारों को लेकर एकनाथ शिंदे ने पहल की है। शिवसेना जिस रास्ते से भटक गई थी, उसे वापस लाने का काम शिंदे ने किया है। हम सब उनके समर्थक हैं, हिंदुत्व के समर्थक हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा, आज मुंबई में दो दशहरा रैलियां हो रही हैं। एक असली शिवसेना की और दूसरी नकली शिवसेना की। असली शिवसेना की रैली हर साल की तरह इस साल भी शिवतीर्थ में हो रही है। उद्धव बालासाहेब ठाकरे की तुलना किसी अन्य शिवसेना या किसी अन्य नकली शिवसेना से नहीं की जा सकती। उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने महाराष्ट्र के सम्मान और चरित्र के लिए काम किया है। दूसरों ने महाराष्ट्र की पीठ में छुरा घोंपा है और दिल्ली के सेवक रहे हैं। एक-दो महीने में नकली शिवसेना कहीं नजर नहीं आएगी। सिर्फ एक शिवसेना होगी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा, वह (एकनाथ शिंदे) जो कुछ भी करते हैं या कहते हैं, वह दिखाता है कि उन्हें अपने परिवार में क्या संस्कार मिले हैं। उनका व्यवहार तीसरी प्रति की तरह है, लेकिन सच सच होता है। अगर उनमें यह साहस है तो उन्हें बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर, शिवसेना के नाम और धनुष-तीर के प्रतीक का इस्तेमाल किए बिना अपनी खुद की छवि के साथ जनता के बीच जाना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, लोकतंत्र में संविधान ने सभी को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार दिया है।

रूसी – पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने की बातचीत

एजेंसी

अश्गाबात। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के साथ संक्षिप्त बातचीत की और उन्होंने एक-दूसरे के देशों की आधिकारिक यात्रा करने के लिए आपसी निमंत्रण का आदान-प्रदान किया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमिरती पेसकोव ने कहा कि श्री पुतिन तुर्कमेनिस्तान की कार्य यात्रा पर हैं।उन्होंने मीडिया से कहा श्री पुतिन ने पाकिस्तानी राष्ट्रपति के साथ संक्षिप्त बातचीत की। सबसे पहले उन्होंने रूस और पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा करने के लिए आपसी निमंत्रण का आदान-प्रदान किया। उन्होंने सभी क्षेत्रों राजनीतिक हितों में द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने के लिए दोनों देशों के इरादे की पुष्टि की।

बंगलादेश ने मछुआरे की हत्या पर म्यांमार का किया विरोध

ढाका। बंगलादेश ने अपने मछुआरे की हत्या को लेकर म्यांमार के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि बंगलादेश के विदेश मंत्रालय की ओर से म्यांमार दूतावास को भेजे गए एक पत्र में विरोध व्यक्त किया गया था। गौरतलब है कि 09 अक्टूबर को म्यांमार नौसेना की गोलीबारी में बंगलादेशी मछुआरे उस्मान (60) की मौत हो गई थी। प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक का घर कॉक्स बाजार के टेकनाफ उपजिला में शाहपारी द्वीप के कोनापारा में है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार विदेश मंत्रालय ने बंगलादेशी मछुआरे की हत्या के संबंध में म्यांमार सरकार से कड़ा विरोध जताया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बंगलादेश ने म्यांमार सरकार से ऐसे अनुचित कृत्यों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया।

अमेरिका ने इजरायल पर मिसाइल हमला करने के लिए ईरान पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने एक अक्टूबर को इजरायल पर ईरान द्वारा किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के मद्देनजर ईरान के ऊर्जा व्यापार को लक्षित करते हुए प्रतिबंधों की घोषणा की। विदेश विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार,विभाग ईरानी पेट्रोलियम व्यापार से संबद्ध छह संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा रहा है और छह जहाजों की पहचान ब्लॉक की गई संपत्ति के रूप में कर रहा है।बयान में कहा गया कि इस बीच, ट्रेजरी विभाग एक दृढ़ संकल्प जारी कर रहा है जो ईरान में पेट्रोलियम या पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में काम करने के लिए दृढ़ संकल्पित किसी भी व्यक्ति के खिलाफ प्रतिबंध लगाएगा। बयान में यह भी कहा गया कि इसके अलावा, ट्रेजरी दस संस्थाओं को प्रतिबंधित कर रही है और यूएस-नामित संस्थाओं नेशनल ईरानी ऑयल कंपनी या ट्रिलियंस पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड के समर्थन में ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के नौवहन में शामिल 17 जहाजों की पहचान ब्लॉक की गई संपत्ति के रूप में कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने एक बयान में कहा कि उपरोक्त प्रतिबंध ईरान को उसके मिसाइल कार्यक्रमों का समर्थन करने और अमेरिका, उसके सहयोगियों और भागीदारों को धमकी देने वाले आतंकवादी समूहों को समर्थन प्रदान करने के लिए उपयोग किए जाने वाले वित्तीय संसाधनों से वंचित करने में मदद करेंगे।

हिजबुल्लाह ने पिछले दिन इजरायल पर लगभग 230 गोले दागे

तेल अवीव। इजरायल सैन्य बल (आईडीएफ) ने कहा कि लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्लाह ने पिछले दिन इजरायल पर लगभग 230 गोले दागे। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि रात 23:00 बजे तक, हिज्बुल्लाह आतंकवादी संगठन द्वारा दागे गए लगभग 230 गोले लेबनान से इज़रायल में प्रवेश कर चुके हैं। इजरायल 01 अक्टूबर से दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहा है और साथ ही हवाई हमले भी कर रहा है। नुकसान के बावजूद, हिजबुल्लाह जमीनी स्तर पर इजरायली सैनिकों से लड़ रहा है और सीमा पार रॉकेट दाग रहा है। इज़रायल का कहना है कि उसका मुख्य उद्देश्य उत्तर में गोलाबारी से पलायन कर चुके 60,000 निवासियों की वापसी के लिए परिस्थितिया बनाना है।

जापान पर परमाणु हमले में जीवित बचे लोगों के संगठन 'निहोन हिडांक्यो' को नोबेल शांति पुरस्कार

एजेंसी

स्टॉकहोम। नोबेल पुरस्कार देने वाली नार्वे की संस्था ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम हमलों में जीवित बचे लोगों के संगठन निहोन हिडांक्यो को इस वर्ष के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना है।

नोबेल समित ने यह पुरस्कार दुनिया में रुस-यूक्रेन युद्ध तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर परमाणु हथियारों के निषेध की सहमित टूटने के खतरों के प्रति दुनिया को सजग करने के लिए निहोन हिडांक्यो संगठन को शांति पुरस्कार के लिए चुना है। नॉर्वे नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वात्ने फ्रिदनेस ने इस पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के निषेध को लेकर विश्व में जो सहमति बनी थी आज वह दबाव में है, इसी कारण जापान के इस संगठन को पुरस्कार के लिए चुना गया है।निहोन हिडांक्यो का गठन वर्ष 1956 में किया गया था। यह जापान पर अमेरिका की ओर से छह और नौ अगस्त 1945 के परमाणु बम हमलों में बचे लोगों का सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली संगठन है। इसका मिशन परमाणु हथियारों के विनाशकारी मानवीय परिणामों के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना रहा है। हिबाकुशा - हिरोशिमा और नागासाकी के बचे

लोगों ने उन परमाणु हमलों से अपने इलाकों में हुई तबाही के अपने व्यक्तिगत अनुभवों और कहानियों को साझा करके, अंतरराष्ट्रीय 'परमाणु निषेध' पर एक सहमति को आकार देने में महत्वपूर्ण भमिका निभाई है। यह सहमति परमाणु हथियारों के उपयोग को नैतिक रूप से अस्वीकार्य बताते हुए परमाणु निषेध के शक्तिशाली मानदंड के रूप में काम कर रही है। लेकिन पहले परमाणु हमले के इतने वर्ष बाद भी परमाणु-हथियार निषेध के भंग होने का खतरा है। नोबेल समिति ने परमाणु हथियारों के खिलाफ वैश्विक विरोध को उत्पन्न करने और बनाए रखने के उनके अथक प्रयासों के लिए निहोन हिडांक्यो की प्रशंसा की, इसी के मद्देनजर उनकी गवाही ने ऐसे हथियारों के कारण होने वाले अकल्पनीय दर्द और पीड़ा की एक अनूठी, प्रत्यक्ष समझ प्रदान की है। समिति ने अपनी घोषणा में कहा, हिबाकुशा हमें अवर्णनीय का वर्णन करने, अकल्पनीय के बारे में सोचने में मदद करता है।नोबेल समिति ने कहा है कि बमबारी के लगभग 80 साल बीत जाने के बावजूद परमाणु हथियार वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। यह पुरस्कार वैश्विक शांति के लिए बढ़ते खतरों की भी याद दिलाता है। समिति ने कहा कि परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, और नए खतरों के सामने आने के कारण उनके उपयोग के खिलाफ मानदंड दबाव में हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में भी जारी है, जिसमें बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है। गाजा में पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुआ संघर्ष पहले ही 42,000 से अधिक लोगों की जान ले चुका है, और पूरे क्षेत्र में हिंसा बढ़ रही है। सूडान भी 17 महीने से चल रहे घातक युद्ध से जूझ रहा है, जिसमें लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।गौरतलब है कि अगले साल हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए जाने के 80 साल पूरे हो जाएँगे, जिसमें लगभग 120,000 लोगों की मौत हो गयी थी और उसके बाद के हज़ारों लोग घायल हो गए और विकिरण के संपर्क में आये लोगों को दर्द आज भी छलकता है। समिति ने कहा, इस साल का नोबेल शांति पुरस्कार निहोन हिडांक्यो को देकर, नार्वे की नोबेल समिति उन सभी बचे लोगों को सम्मानित करना चाहती है, जिन्होंने शारीरिक पीड़ा और दर्दनाक यादों के बावजूद, शांति के लिए आशा और जुड़ाव पैदा करने के लिए अपने महंगे अनुभव का उपयोग करना चुना है।

पाकिस्तान में दो आतंकवादियों को किया ढेर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में सुबह आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) पर हुए आतंकवादी हमले में दो आतंकवादी मारे गए। सीटीडी की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया है कि यह घटना साहीवाल जिले में उस समय हुई जब सीटीडी पर हमले की चेतावनी मिलने के बाद पांच आतंकवादियों को स्थानांतरित किया जा रहा था। आतंकवादियों को स्थानांतरित करने के दौरान कुछ अज्ञात आतंकवादियों ने अपने साथियों को छुड़ाने के प्रयास में सीटीडी के काफिले पर हमला किया और इसके बाद हुई गोलीबारी में गिरफ्तार किए गए दो आतंकवादी भागने की कोशिश करते हुए मारे गए। सीटीडी ने बयान में कहा गया है कि गोलीबारी के दौरान सीटीडी और जिला पुलिस कर्मी बाल-बाल बच गए। बाकी तीन आतंकवादियों को जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। मारे गए आतंकवादी पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए हमले में शामिल थे, जिसमें 13 लोग मारे गए और 20 से अधिक अन्य घायल हो गए।हमलावरों को गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

पुराने ढाका के तांतीबाजार पूजा मंडप पर पेट्रोल बम से हमला, 3 गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। पुराने ढाका के तांतीबाजार पूजा मंडप पर पेट्रोल बम फेंका गया, साथ ही 4 लोगों को चाकू मार दिया गया। माना जा रहा है कि घायलों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं कर पा रही है। उपस्थित श्रद्धालुओं ने तीन आरोपितों को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार नवमी की रात करीब आठ बजे पुराने ढाका के तांतीबाजार पूजा मंडप में लगे सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि श्रद्धालु-दर्शनार्थियों की भीड़ में उपद्रवी दुर्गापूजा मंडप में घुसे और देवी प्रतिमा के सामने पेट्रोल बम फेंक कर भाग गए। कोतवाली थाना ओसी मोहम्मद इनामुल हसन ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि शुरुआत में श्रद्धालुओं ने तीन लोगों को पकड़ा था जिनसे पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पूरे मंडप में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। चार लोगों को मेडफोर्ड मेडिकल में भर्ती कराया गया। बाकियों को दूसरे अस्पतालों में ले जाया गया। पुलिस अधिकारी ने सीसीटीवी फुटेज और पकड़े गए लोगों से पूछताछ के आधार पर बाकी आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तांतीबाजार पूजा मंडप पर

पेट्रोल बम फेंका गया लेकिन वह फटा नहीं। उससे पहले पूजा मंडप के पीछे तीन लुटेरों ने एक महिला से सोने की चेन लूटने की कोशिश की। जब आगंतुकों ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, तो उन्होंने चारों को चाकू मार दिया और भाग गए। चाकूबाजी में चार लोग घायल हो गये। उनकी पहचान झंटू (45), मोहम्मद सागर (38), मोहम्मद खोकोन (35) और जनैक व्रत (26) के रूप में हुई है। दूसरे व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। इसी बीच लुटेरों ने भागते समय मंडप में स्थित दुर्गा प्रतिमा के सामने पेट्रोल बम फेंक दिया लेकिन वह फटा नहीं। पुलिस ने घटनास्थल से पेट्रोल बम बरामद कर उसे कोतवाली थाने ले गयी। ओसी मोहम्मद इनामुल हसन ने बताया कि गिरफ्तार तीनों की पहचान आकाश (23), मोहम्मद हृदय (23) और मोहम्मद जिबान (19) के रूप में हुई है।

इस्राइल में योम किप्पुर उत्सव के दौरान हिजबुल्ला ने दागे रॉकेट, रिहायशी इलाके में गिरा ड्रोन

एजेंसी

तेल अवीव। इस्राइली सेना ने शनिवार को बताया कि लेबनान की तरफ से रॉकेट हमला किया गया है। यह हमले ऐसे वक्त किए जा रहे हैं, जब इस्राइली में योम किप्पुर उत्सव की शुरुआत हुई है। इस्राइली सेना ने बताया कि लेबनान से छोड़े गए दो यूएवी ने मध्य इस्राइल को निशाना बनाया। हालांकि एक यूएवी को हवा में ही तबाह कर दिया गया और एक यूएवी एक रिहायशी इलाके में गिरा। इस यूएवी से हुए नुकसान की इस्राइल की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

यहूदियों का पवित्र पर्व है योम किप्पुर

योम किप्पुर, यहूदी धर्म के सबसे पवित्र उत्सवों में से एक है। इसे प्रायश्चित का दिन भी कहा जाता है। इसमें यहूदी धर्म के अनुयायी अपने पापों का प्रायश्चित करते हैं और ईश्वर का ध्यान करते हैं। ये उत्सव 10 दिनों तक चलता है और इसमें यहूदी लोग उपवास रखते हैं। योम किप्पुर को यहूदी एकता का दिन भी माना जाता है।

हाई अलर्ट पर इस्राइल

इस्राइली सेना इस समय कई मोर्चों पर लड़ाई लड़ रही है। यही वजह है कि इस्राइल पर गाजा, लेबनान और सीरिया की तरफ से हमले हो रहे हैं। ऐसे में इस्राइल हाई अलर्ट पर है। इस्राइली सेना ने शनिवार को बताया कि लेबनान की तरफ से करीब 120 रॉकेट हमले हुए। हालांकि अधिकतर को इंटरसेप्ट कर हवा में ही तबाह कर दिया गया। वहीं इस्राइली सेना के लेबनान में यूएन शांति सैनिकों पर कथित हमले की कई देश आलोचना कर चुके हैं। अब आयरलैंड के पीएम ने भी इस पर चिंता जाहिर की। लेबनान में तैनात 10 हजार शांति सैनिकों में से 347 आयरलैंड के हैं।

अमेरिकी दूत ने की इस्राइली हमले की आलोचना

लेबनान में अमेरिका के विशेष दूत अमोस होचस्टीन ने कहा है कि लेबनान पर इस्राइली बमबारी बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका लगातार युद्धविराम की कोशिशों में लगा हुआ है। अमेरिकी दूत ने ये भी कहा कि गुरुवार को मध्य बेरूत में इस्राइली हमले में 22 लोगों की मौत पूरी तरह से अस्वीकार्य है। होचस्टीन ने रिहायशी इलाकों में इस्राइली बमबारी की तीखी आलोचना की।

'अमेरिका लेबनान में समाधान चाहता है, न कि संघर्ष', इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध पर बोले अमेरिकी विदेश मंत्री

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने लेबनान में राजनयिक समाधान और व्यापक संघर्ष को रोकने की उम्मीद जताई। उन्होंने एक फिर कहा कि इस्राइल को हिजबुल्ला के खिलाफ कुध की रक्षा करने का अधिकार है, लेकिन इस्राइल द्वारा लेबनान पर लगातार हमलों से वह चिंतित भी हैं। उन्होंने लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती और संसद अध्यक्ष नबीह बेरी से फोन पर बात भी की। ब्लिंकन ने कहा, हम क्षेत्र में व्यापक संघर्ष को रोकने के लिए कोशिश जारी रखेंगे। हम सभी एक ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं, जहां लोग अपने घरों में वापस जा सकें। उनकी सुरक्षा हो सकें और बच्चे वापस से स्कूल जा सकें। लेबनान के लोग भी यही चाहते हैं। हमारा मानना है कि ऐसा कूटनीतिक समझ के माध्यम से ही होगा। इस पर हं कुछ समय से काम कर रहे हैं। हमारा ध्यान भी इसपर पूरी तरह से केंद्रित है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि लेबनान ईरान या हिजबुल्ला को देश की सुरक्षा और स्थिरता के रास्ते में आने की इजाजत नहीं दे सकता है। ब्लिंकन के बयान में इस्राइल और ईरान के बीच संभावित युद्ध विराम पर कोई चर्चा का उल्लेख नहीं किया गया।

बोइंग ने लगभग 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की

वाशिंगटन। बोइंग एयरलाइन के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी केली ऑर्टबर्ग ने वर्षों से कठिनाईयों का सामना कर रही कंपनी के करीब 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। श्री ऑर्टबर्ग ने कहा, हमें अपनी वित्तीय वास्तविकता और प्राथमिकताओं को और अधिक बढ़ाने के लिए अपने कामों में बदलाव करना है। उन्होंने कहा, आने वाले महीनों में, हम लगभग 10 प्रतिशत तक कर्मचारियों की संख्या को कम करने की योजना बना रहे हैं। इन कटौती में अधिकारी, प्रबंधक और कर्मचारी शामिल होंगे।गौरतलब है कि 10 प्रतिशत की कटौती लगभग 17 हजार नौकरियों के बराबर है। इसके अलावा, कंपनी ने साझा किया कि उसका नया 777 एक्स विमान की प्रारंभिक डिलीवरी निर्धारित तिथि के एक साल बाद 2026 में की जाएगी।

बांग्लादेश में दुर्गापूजा समारोह के मंच पर जबरन चढ़े कट्टरपंथी, गाया इस्लामी गाना

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय लगातार कट्टरपंथियों के निशाने पर है। ताजा मामला दुर्गा पूजा समारोह को लेकर है। दुर्गापूजा समारोहों के दौरान ऐसे तत्वों के खिलाफ दर्जन भर से ज्यादा मुकदमें दर्ज किए गए और 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक चटगांव में एक दुर्गापूजा पंडाल में कुछ कट्टरपंथियों ने मंच पर जबरन चढ़ कर इस्लामिक गीत गाना शुरू कर दिया जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना का वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे आक्रोश बढ़ गया। चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस (सीएमपी) के एडीसी (पीआर) काजी एमडी तारेक अजीज ने बताया कि जेएम सेन हॉल में शारदीय दुर्गा पूजा कार्यक्रम में गाने के प्रदर्शन के संबंध में एक मामला

दर्ज किया गया है, जिससे धार्मिक अपराध और अशांति हुई बांग्लादेश पूजा उद्जापोन परिषद के अध्यक्ष बासुदेव धर और महासचिव संतोष शर्मा ने बयान जारी कर कहा कि इस अप्रत्याशित घटना से हिंदू समुदाय के लोगों को गहरा आघात पहुंचा है। परिषद ने घटना की न्यायिक जांच और कठोर सजा की मांग की। बांग्लादेश की आबादी में हिंदुओं की संख्या लगभग 8 प्रतिशत है जिन्हें 5 अगस्त को शेख हसीना के निष्कासन के बाद भड़की हिंसा के दौरान लगातार निशाना बनाया जा रहा है। पुलिस महानिरीक्षक एमडी मोइनुल इस्लाम के अनुसार, 1 अक्टूबर से देशभर में चल रहे दुर्गा पूजा समारोह के दौरान 35 अप्रिय घटनाएं हुई हैं, जिसके कारण 11 मामले दर्ज किए गए हैं और 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले बांग्लादेश के सतीखिरा स्थित जेशोरेश्वरी मंदिर से दुर्गा पूजा समारोह के दौरान मां काली का मुकुट चोरी हो गया था। यह मुकुट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मार्च 2021 में अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान मंदिर को उपहार स्वरूप भेंट किया था।

इजराइल से तनाव के बीच ईरान के राष्ट्रपति की रूसी समकक्ष पुतिन से मुलाकात

एजेंसी

अश्गाबात (तुर्कमेनिस्तान)। इजराइल से तनाव से बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने आज यहां रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात की। दोनों राष्ट्राध्यक्ष तुर्कमेनिस्तान में 18वीं सदी के कवि मखतुमघोली फरागी की 300वीं जयंती पर आयोजित समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। ईरान की सरकारी संवाद समिति इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी के अनुसार राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस सांस्कृतिक मंच से कहा कि एकता का आह्वान मुस्लिम समुदाय तक ही सीमित नहीं है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तत्काल एकजुट होना चाहिए, क्योंकि वैश्विक एकपक्षवाद के घटक विश्व समुदाय के बीच सह अस्तित्व के लिए खतरा बने हुए हैं। उन्होंने ईरान और तुर्कमेनिस्तान के बीच लंबी सीमाओं का जिक्र किया। पेजेशकियन ने दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण और भाईचारे वाले संबंधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ईरानी इतिहास, साहित्य और

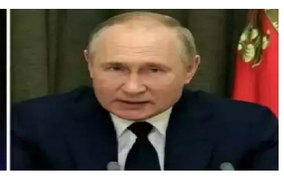

संस्कृति के महत्वपूर्ण हिस्से मध्य एशियाई सभ्यता से अत्यधिक जुड़े हुए हैं। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान और मध्य एशिया में इस्लाम की उपस्थिति और इस्लामी प्रथाओं के प्रसार के साथ-साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मध्य एशिया में ईरानी लोगों और जातीय समूहों के बीच भाषाई समानता ने हमारी साझा सभ्यता को समृद्ध किया है। रूस की सरकारी समाजार एजेंसी तास ने कहा है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तुर्कमेनिस्तान के चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में फरागी की जयंती पर आयोजित समारोह में हिस्सा लेंगे। वह इस मौके पर शांति और विकास का आधार पर व्याख्यान देंगे। पुतिन अपनी ऑरस कार से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उनकी अगवानी तुर्कमेनिस्तान समकक्ष सर्दार बर्दिमुहामेदोव ने की। पुतिन जयंती समारोह के समापन सत्र को संबोधित करेंगे। समारोह में आर्मेनिया, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, मंगोलिया, पाकिस्तान, रूस, उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति और तुर्किये संसद के अध्यक्ष भी संबोधित करेंगे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'असभ्य और जानवर लोगों का कब्जा', डोनाल्ड ट्रंप ने 80 मिनट के भ्रामक भाषण में प्रवासियों पर बोला हमला

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को अब एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन उम्मीदवार लगातार अपने अपने मुद्दों को आगे रख रहे है। जहां उपराष्ट्रपति कमला हैरिस प्रवासियों का बचाव करती नजर आती हैं। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप लगातार इन लोगों के खिलाफ हैं। अब पूर्व राष्ट्रपति ने एक बार फिर प्रवासियों के लिए बड़ी बात कह दी। उन्होंने भाषण में एक ऐसे देश की भयावह तस्वीर पेश की, जिस पर बड़ी संख्या में अपराधी विदेशियों का कब्जा है। ट्रंप पांच नवंबर को होने वाले चुनाव को प्रवासियों के अपराध से जोड़ने की लगातार कोशिश कर रहे हैं, जबकि ऐसा कुछ है नहीं।

श्वेत समर्थकों को भड़का रहे ट्रंप

व्हाइट हाउस की दौड़ के अंतिम चरण में कड़ी टक्कर देने के लिए रिपब्लिकन पूर्व राष्ट्रपति अपने भाषण में संरक्षणवादी आर्थिक संदेश और अप्रवासियों को अपराधी बताकर अपने अधिकांश श्वेत, श्रमिक वर्ग के समर्थकों को भड़का रहे हैं। जबकि उनकी डेमोक्रेटिक चुनावी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस ने एकजुट सरकार को बढ़ावा देने के लिए रिपब्लिकन के साथ मिलकर काम करने का वादा किया है। वहीं, ट्रंप ने अब तक का सबसे भड़काऊ भाषण दिया, जिसमें उन्होंने स्थानीय तनावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। साथ ही आव्रजन आंकड़ों और नीति के बारे में अपने दर्शकों को गुमराह किया।

80 मिनट का दिया भाषण

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलोराडो के अरोरा में करीब 80 मिनट का भाषण दिया। उन्होंने अधिकतर समय आव्रजन पर बात की। उन्होंने गरजते हुए कहा, अमेरिका को पूरी दुनिया में कब्जे वाले अमेरिका के रूप में जाना जाता है। वे इसे कब्जा किया हुआ कहते हैं। हम पर आपराधिक ताकत ने कब्जा किया हुआ है। उन्होंने आगे कहा, कोलोराडो और पूरे देश में सभी लोगों से मैं यह प्रतिज्ञा और शपथ लेता हूं कि इस साल पांच नवंबर को अमेरिका में मुक्ति दिवस होगा।

अमेरिकियों का दुष्कर्म और हत्या करेंगे...

बता दें, भाषण के दौरान ट्रंप के हाथों में संदिग्ध विदेशी अपराधियों के पोस्टर थे। वह लगातार इन्हें हवा में दिखा रहे थे। जबकि अमेरिकी सरकार मैक्सिको के साथ अपनी दक्षिणी सीमा का प्रबंधन करने के लिए वर्षों से संघर्ष कर रही है, ऐसे में पूर्व राष्ट्रपति ने यह दावा करके चिंताओं को और बढ़ा दिया है कि प्रवासियों द्वारा कब्जा किया जा रहा है, जो अमेरिकियों का दुष्कर्म और हत्या करेंगे। अरोरा में एक वायरल वीडियो देखा गया था, जिसे दक्षिणपंथी मीडिया में बार-बार चलाया गया था, जिसमें हथियारबंद लैटिनो लोगों को एक अपार्टमेंट इमारत में उत्पात मचाते हुए दिखाया गया था।

इस घटना ने डेनवर के उपनगरीय क्षेत्र में स्थित शहर के बारे में व्यापक, झूठ बातों को बढ़ावा दिया, जिसमें कहा गया कि शहर में लैटिन अमेरिकी प्रवासियों द्वारा आतंक फैलाया जा रहा है, जिससे ट्रंप के चुनावी संदेश को बल मिला कि संयुक्त राज्य अमेरिका में असभ्य और जानवर लोगों का कब्जा है। हैरिस को एक अपराधी बताते हुए ट्रंप ने झूठा आरोप लगाया कि कोलोराडो में वेनेजुएला के गिरोहों को पुलिस को गोली मारने की अनुमति दी गई थी और एक आंतरिक दुश्मन के बारे में नकारात्मक बातें कहीं गई थी, जिसकी परिभाषा उन्होंने हमारे देश से नफरत करने वाले सभी बदमाशों के रूप में दी। ट्रंप ने कहा, अगर हैरिस को चार साल का कार्यकाल मिलता है तो 20 करोड़ लोग आएंगे। देश खत्म हो जाएगा।

कांग्रेस ने मांगा मप्र के उप मुख्यमंत्री का इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि मध्यप्रदेश में नशा का कारोबार तेजी से फैल रहा है और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के एक खास सहयोगी के नशा माफियाओं से कथित संबंध होने का गुजरात पुलिस तथा नारकोटिक कंट्रोल बोर्ड ने खुलासा किया है,इसलिए उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और मामले की व्यापक जांच कराई जानी चाहिए। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी तथा कांग्रेस मीडिया समन्वयक अभय दुबे ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नशे के बढ़ते कारोबार ने युवा पीढ़ी को बर्बाद करके देश को घायल कर दिया है इसलिए इस संकट को रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

भारतीय राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण ने वैक्सीन के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों को पूरा किया

नयी दिल्ली। भारत में वैक्सीन निर्माण प्रक्रिया में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों को पूरा कर लिया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यहां बताया कि केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), भारतीय राष्ट्रीय विनियामक प्राधिकरण (एनआरए) और संबद्ध संस्थानों के साथ मिलकर वैक्सीन विनिर्माण प्रणाली के लिए डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा किया गया है। सितंबर में जिनेवा में डब्ल्यूएचओ मुख्यालय में विभिन्न देशों के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का एक दल ने भारत की वैक्सीन विनियामक प्रणाली की व्यापक और गहन वैज्ञानिक समीक्षा के बाद इसे स्वीकार किया है। वैक्सीन के मूल्यांकन के लिए सुरक्षा, प्रभावकारिता और गुणवत्ता तीन बुनियादी मापदंड हैं।

तोप का गोला फटने से दो अग्निवीरों की मौत, सेना ने दिये जांच के आदेश

नयी दिल्ली। सेना के दो अग्निवीरों की फायरिंग अभ्यास के दौरान तोप का गोला फटने के कारण मौत हो गयी , सेना ने इस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिये हैं। यह दुर्घटना उस समय हुई जब अग्निवीर महाराष्ट्र में नासिक के निकट देवलाली फील्ड फायरिंग रेंज में अभ्यास कर रहे थे। अभ्यास के दौरान दुर्भाग्य से तोप का एक गोला दुर्घटनावश फट गया जिससे दो अग्निवीर बुरी तरह घायल हो गये। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी मौत हो गयी। सेना की दक्षिणी कमान ने दुर्घटना में दो अग्निवीरों गोहिल विश्वराज सिंह और सैकत की मौत की पुष्टि की है। ये दोनों गनर थे। दक्षिणी कमान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा है कि समूची सेना दोनों बहादुर अग्निवीरों की त्रासद मौत पर गहरा दुख व्यक्त करती है और दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। सेना के अनुसार ये दोनों हैदराबाद स्थित आर्टिलरी सेंटर से देवलाली प्रशिक्षण के लिए आये थे। कमान ने कहा है कि इस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिये गये हैं।

यूथ आइडियाथॉन 2024' में नवाचार के लिए छह टीमों को पुरस्कार

नयी दिल्ली। स्कूली छात्रों के लिए देश की प्रमुख उद्यमिता प्रतियोगिता 'यूथ आइडियाथॉन' के चौथे संस्करण में छह टीमों को उनके नवाचार के लिए एक-एक लाख रुपये प्रति आइडिया इनक्यूबेशन अनुदान के लिए चुना गया। आयोजकों की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 5,000 से अधिक स्कूलों के 1.8 लाख से अधिक युवा प्रतिभाओं ने नवाचार के अपने कार्य-विचार के साथ भाग लिया। पुरस्कार के शीर्ष छह टीमों को एक-एक लाख रुपये प्रति आइडिया इनक्यूबेशन अनुदान के लिए चुना गया। इनमें विद्याशिल्प अकादमी, नेशनल इनोवेटर रिलेशन्स इंस्टिट्यूट (एनआईआरआई) को जल संरक्षण व्यवसाय के क्षेत्र में नवाचार के लिए, संस्कृति स्कूल, पढाएआई को किफायती एआई पर आधारित बहुभाषी किफायती शिक्षण मंच के लिए, लीलावती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नई दिल्ली के सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए एक किफायती स्वच्छ वायु चिमनी समाधान के लिए, ओडीएम पब्लिक स्कूल, भुवनेश्वर, प्रोजेक्ट स्काईमिस्ट को पेल्टियर प्रभाव की अवधारणा पर वायुमंडल से पानी उत्पन्न करने वाली तकनीक के लिए, आर्मी पब्लिक स्कूल, कोलकाता को एआई आधारित होमवर्क जाँच और मूल्यांकन समाधान के लिए, आदित्य विद्याश्रम आवासीय विद्यालय, पुडुचेरी को कृषि के लिए एक सौर ऊर्जा से चलने वाली कार इस कार्यक्रम में अभिनव सामाजिक प्रयोग के लिए पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में चयनित शीर्ष 100 टीमें अपने नवाचार को बेचकर और द किड कंपनी प्लेटफ़ॉर्म पर कुल 40 लाख रुपये की क्राउड फंडिंग हासिल कर वास्तविक उद्यमिता में शामिल हुई हैं।

प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन : महाराष्ट्र को मिलेंगे अत्याधुनिक शिक्षा केंद्र, एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और महाराष्ट्र सरकार के बीच महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड, मुंबई के माध्यम से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एनआईईएलआईटी और महाराष्ट्र सरकार के बीच सहयोग यह सुनिश्चित करेगा कि छात्रों को उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त हो। महाराष्ट्र से शुरू होने वाले इस प्रयास का अन्य राज्यों में भी विस्तार किया जाएगा, जिसमें विशेष रूप से

पॉलिटेक्निक संस्थानों, आईटीआई और राज्य में नव स्थापित विश्वविद्यालय पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत (दादा) पाटिल, डॉ. विनोद मोहितकर, तकनीकी शिक्षा निदेशक, एमएस, डॉ. प्रमोद नाइक, महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड के निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में अपर सचिव अभिषेक सिंह और एमईआईटीवाई के विभिन्न अधिकारी भी हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित थे।

इस समझौता ज्ञापन में कार्य का प्रसार महाराष्ट्र में सरकारी पॉलिटेक्निक और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में क्षमता प्रशिक्षण और अनुसंधान एवं विकास केंद्रों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), उद्योग 4.0, थ्री डी प्रिंटिंग और संबद्ध प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना और संयुक्त परियोजना प्रस्तावों के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) और अन्य सरकारी संगठनों से वित्तीय सहायता प्राप्त करना है।

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने विशेष अभियान 4.0 की प्रगति की समीक्षा की

जेंसी

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ सतीश कुमार ने विशेष अभियान 4.0 की प्रगति की समीक्षा की।

रेलवे बोर्ड के कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय रेलवे के महाप्रबंधक, उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक, आरडीएसओ और प्रशिक्षण संस्थानों के महानिदेशक के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के एमडी और सीएमडी और रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक के दौरान विशेष अभियान 4.0 के मुख्य लक्ष्य प्रतिभागियों के साथ साझा किए गए, जिसमें डिजिटलीकरण प्रयासों को आगे बढ़ाना, अभियान स्थलों पर सफाई में सुधार करना, जगह खाली करना, स्क्रैप के निपटान के माध्यम से राजस्व अर्जित करना और विशेष रूप से रेल मदद और सीपीजीआरएएमएस जैसे प्लेटफार्मों के जरिए सार्वजनिक शिकायतों का त्वरित समाधान करना शामिल था। चेयरमैन ने इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में महाप्रबंधकों को इस अभियान की गतिविधियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया।

दिल्ली सरकार ने 93 करोड़ की 100 नई योजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के गांवों में विकास को और गति देने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने 93 करोड़ रुपये की 100 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में ग्राम विकास बोर्ड की बैठक के दौरान इन परियोजनाओं की मंजूरी दी गयी। इसके तहत दिल्ली के गांवों में सड़कों, नालियों, जल निकाय, सामुदायिक केंद्र, पार्क, श्मशान, खेल मैदान आदि से जुड़े विकास कार्य किए जाएंगे। बैठक के दौरान सभी अधिकारियों को ग्राम विकास की परियोजनाओं को तय समय सीमा के अंदर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री राय ने बताया कि सरकार शहरी क्षेत्रों में रहने वाले दिल्ली के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बोर्ड ने बड़े गांवों में बैठने के लिए 100 बेंच लगाने की मंजूरी दी है। छोटे गांवों में 20 बेंच लगाए जाएंगे। विकास विभाग से जुड़े इन विकास कार्यों को सिंचाई एवं बाढ़

नियंत्रण विभाग और एमसीडी माध्यम से किया जा रहा है।

इन परियोजनाओं को मिली मंजूरी-

-दिल्ली के गांवों में संपर्क सड़कों और ग्रामीण सड़कों का निर्माण का विकास

-तालाबों/जलाशयों का विकास

-गावो में सामुदायिक केंद्र, पार्क, श्मशान, खेल मैदान, व्यायामशाला का विकास

-जल निकासी संरचनाओं का निर्माण

-चौपालों, बारात घर, सामुदायिक केंद्र आदि का निर्माण और मरम्मत का कार्य जैसे अन्य आवश्यकता आधारित कार्य आदि।

एबीवीपी ने डीयू छात्रसंघ चुनाव परिणाम घोषित करने को लेकर कुलपति को ज्ञापन सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपकर उच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव की मतगणना पर रोक लगाने के निर्णय पर विशेष अनुमति याचिका अथवा अन्य कानूनी विकल्प के माध्यम से लंबित मतगणना को शुरू करने एवं शीघ्र परिणाम जारी करने की मांग की।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 27 सितंबर को संपन्न हुआ था, लेकिन उच्च न्यायालय ने मतगणना पर फिलहाल रोक लगा दी। छात्रसंघ चुनाव में बेतहाशा धन व्यय किए जाने और व्यापक स्तर पर चुनाव प्रचार के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाए जाने पर नाराजगी जताते हुए हाई कोर्ट ने कहा था कि रिजल्ट तब तक घोषित न किए जाएं जब तक यूनिवर्सिटी, कोर्ट को संतुष्ट नहीं कर देती कि कॉलेजों से सभी पोस्टर, होर्डिंग्स, प्ले कार्ड को हटा दिया गया है। चुनाव

नोटिफिकेशन के मुताबिक, रिजल्ट 28 सितंबर को घोषित किए जाने थे।

एबीवीपी इस संदर्भ में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलकर उच्च न्यायालय के निर्णय के संबंध में पुनर्विचार याचिका दायर करने हेतु ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी दिल्ली के प्रांत मंत्री हर्ष अत्री ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव की मतगणना पर रोक लगाने के उच्च न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार करने हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया है। एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव की मतगणना पर रोक लगने से छात्रों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मुनिरका–वसंत कुंज सर्कुलर मार्ग पर मोहल्ला बस का ट्रायल शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने विधायक परमिला टोकस के साथ आज मुनिरका-वसंत कुंज सर्कुलर रूट पर मोहल्ला बसों के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाई। 10.8 किमी लंबा मार्ग वसंत विहार डिपो से शुरू होकर एंबिएंस मॉल, नेल्सन मंडेला रोड पर डीएलएफ, वसंत कुंज इंस्टीट्यूशनल एरिया, वसंत कुंज के विभिन्न क्षेत्रों, अरुणा आसफ अली रोड पर आईआईएमसी, आईआईटी, बेर सराय विलेज, स्पाइनल इंजरी अस्पताल और फोर्टिस अस्पताल जैसे प्रमुख स्थानों को कवर करेगा। इस मार्ग से आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले यात्रियों, विशेषकर छात्रों को काफी लाभ होने की उम्मीद है। इस नए सर्कुलर रूट पर ट्रायल एक सप्ताह तक चलेगी। एक बयान में दिल्ली के कैलाश गहलोत ने कहा कि मोहल्ला बस को विशेष रूप

से उन क्षेत्रों के लिए जो मौजूदा परिवहन नेटवर्क से वंचित हैं, वहां आरामदायक और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन सेवा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मुनिरका-वसंत कुंज मार्ग शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और वाणिज्यिक केंद्रों तक लोगों की कनेक्टिविटी आसान करेगा, जिससे स्थानीय निवासियों और छात्रों के लिए यात्रा आसान हो जाएगी। लास्ट माईल कनेक्टिविटी में सुधार करके, हम न केवल दिल्लीवासियों के लिए यात्रा को अधिक कुशल और सुविधाजनक बना रहे हैं, बल्कि निजी वाहनों पर निर्भरता भी कम कर रहे हैं, जो एक स्वच्छ, हरित शहर के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों तक मोहल्ला बस सेवा की पहुंच बढ़ाने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इससे पहले दिल्ली सरकार ने कई मार्गों पर मोहल्ला बसों का परीक्षण शुरू किया था, जिनमें प्रधान एन्क्लेव पुस्ता से मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन, अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन से मयूर विहार फेज-III पेपर मार्केट, लोक कल्याण मार्ग से मालवीय नगर डिपो और कैलाश कॉलोनी मेट्रो स्टेशन से पीएनबी गीतांजल शामिल है। मोहल्ला बसों में किराया दिल्ली सरकार की एसी बसों के समान ही होगा, यानी 10, 15, 20 और 25 रुपये। महिलाएं पिंक पास के जरिए इन बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ उठा सकती हैं।

डीडीए ने नाले के सौंदर्यीकरण पर आआपा के दावे को किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) और उपराज्यपाल के बीच दिल्ली के सौंदर्यीकरण को लेकर एक बार फिर खुलकर जंग शुरू हो गई है। आआपा ने दावा किया है कि द्वारका में नाले वाली जगह का अरविंद केजरीवाल द्वारा सौंदर्यीकरण कराया गया है। क्योंकि ऐसा काम केजरीवाल सरकार ही कर सकती है। दूसरी तरफ इस पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। डीडीए ने केजरीवाल द्वारा द्वारका में नाले के सौंदर्यीकरण के संबंध में आआपा के दावे का खंडन किया। डीडीए ने कहा कि इस परियोजना को उपराज्यपाल ने क्रियान्वित किया था। आआपा द्वारा द्वारका में एक नाले के सौंदर्यीकरण का वीडियो एक्स पर पोस्ट किए जाने के बाद यह बात सामने आई है। वीडियो में आआपा ने दावा किया कि नाले के इस तरह के सौंदर्यीकरण को केवल केजरीवाल ही कर सकते हैं। डीडीए ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पोस्ट में कहा कि इस एक्स पोस्ट में केजरीवाल द्वारा नाले के सौंदर्यीकरण का आआपा द्वारा किया गया दावा बिल्कुल झूठा है। यह कार्य उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के नेतृत्व में डीडीए द्वारा किया गया है। इसका उद्घाटन एलजी द्वारा फरवरी 2024 में किया गया था। प्राधिकरण ने कहा कि इतना ही नहीं बल्कि डीडीए द्वारा पूरे शहर में कई विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिनका श्रेय आआपा या किसी और को मिलना उचित नहीं है।

हत्या की गुत्थी सुलझी, एक आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के विजय विहार थाना पुलिस ने हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान निठारी निवासी निखिल तोमर उर्फनीरज उर्फराका (18) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से हत्या में इस्तेमाल चाकू को भी बरामद कर लिया है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि दीपक और उसकी एक ही महिला से दोस्ती थी। इसी बात को लेकर दीपक से झगड़ा हुआ था। फिलहाल पुलिस आरोपित के अन्य साथियों की तलाश कर रही है। रोहिणी जिले के डीसीपी अमित गोयल के अनुसार नौ अक्टूबर की रात पुलिस को सूचना मिली कि निरंकारी भवन के पास एक युवक को कुछ बदमाशों ने चाकू मार दिया है। पुलिस ने घायल युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंपा। जांच में मृतक की पहचान दीपक (28) के रूप में हुई। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह के प्रयासों से अफ्रीकी हाथी शंकर की स्थिति में सुधार, जंजीरों से हुआ मुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। । केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के अफ्रीकी हाथी शंकर के स्वास्थ्य में सुधार के प्रयास परिणाम दिखा रहे हैं। शंकर जंजीरों से मुक्त होकर अपने बाड़े में सक्रिय रूप से घूमते नजर आया। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर दिल्ली चिड़ियाघर में अफ्रीकी हाथी शंकर को जंजीर मुक्त किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिछले 48 घंटे से उसकी सेहत, आहार, व्यवहार पर चिड़ियाघर, टीम वनतारा, जामनगर (गुजरात) विशेषकर उनकी टीम के नीरज, यदुराज, दक्षिण अफ्रीका के हाथी विशेषज्ञ डॉ एड्रियन व फिलीपींस से आए महावत माइकल पैनी नज़र रखे थे।उन्होंने बताया कि बुधवार को उक्त टीम के साथ बाड़े का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिया था। सकारात्मक असर दिखने लगा है। शंकर के व्यवहार में पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है। शंकर के बाड़े को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए पॉवर फेंसिंग, ट्रीटमेंट पेन वॉल एवं रबड़ मैट तैयार करने के लिए आवश्यक

मेजरमेंट कार्य पूरा कर लिया गया है। शंकर के व्यवहार एवं दिनचर्या के गहन निरीक्षण के बाद शंकर के लिए डायट प्लान व उसे व्यस्त रखने के लिए अनेक गतिविधियों की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय राज्यमंत्री सिंह के निर्देशानुसार उक्त टीम लगातार 24 घंटों से उसके व्यवहार पर नज़र रख रही थी और वेटेनरी डॉक्टरों की टीम और प्रशिक्षित महावतों की एक टीम द्वारा निरंतर निगरानी कर उसे शांत करने की कोशिश की जा रही थी। चिड़ियाघर के वर्तमान महावतों को शंकर के साथ सुगम व्यवहार बनाने के लिए प्रशिक्षित भी किया जाएगा। शंकर के व्यवहार एवं दिनचर्या के गहन निरीक्षण के बाद उसके लिए एक डाइट प्लान तैयार किया जाएगा। शंकर को पूरा दिन व्यस्त रखने के लिए गतिविधियों की एक विस्तृत कार्ययोजना भी बनायी जाएगी। केंद्रीय राज्यमंत्री सिंह ने फिलीपींस से आए महावत माइकल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की एवं शंकर की स्थिति से अवगत हुए।

दिल्ली की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने की दिशा में युद्धस्तर पर काम कर रही सरकार : आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने और शहर में लोगों को बेहतर सड़कें देने के क्रम में मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन(डीएमआरसी) और नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) के अधिकारियों के साथ इन एजेंसीज के अंतर्गत दिल्ली में आने वाली सड़कों के रिपेयरिंग को लेकर समीक्षा बैठक की। पूरी दिल्ली कैबिनेट और स्वयं मुख्यमंत्री आतिशी ने कुछ दिनों पहले पीडब्ल्यूडी की सड़कों का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि शहर में कई सड़कें पीडब्ल्यूडी द्वारा दिल्ली मेट्रो और एनसीआरटीसी की भी हैंडओवर की गई हैं। इनमें से कई सड़कों की हालत जर्जर है, जिसे मरम्मत की जरूरत है। मुख्यमंत्री आतिशी ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों और एजेंसीज के साथ कोऑर्डिनेट करते हुए इनके अंतर्गत आने वाली जर्जर सड़कों का मरम्मत करवाने का निर्देश दिया था। बैठक में डीएमआरसी और एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने अपने अंतर्गत आने वाली सड़कों के मरम्मत कार्यों की प्रगति के विषय में साझा करते हुए बताया कि पिछले

सप्ताह भर में ज़्यादातर सड़कों में पैचवर्क और पॉटहोल्स को भरने का काम पूरा हो चुका है। अगले 2 सप्ताह के भीतर पैचवर्क और पॉटहोल्स को भरने का सारा काम पूरा हो जाएगा।

बैठक में मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि सरकार के रूप में हमारी प्राथमिकता दिल्ली के लोगों को बेहतर और सड़कें देना है। इस विज़न को पूरा करने के लिए सभी एजेंसीज युद्धस्तर पर काम कर रही है और शहर की सड़कों को बेहतर बना रही है। आतिशी ने कहा कि सड़कों को ठीक करने की दिशा में सभी एजेंसी ने जिस तरह मिलकर काम किया है वो सराहनीय है। अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में हम दीपावली तक सभी दिल्लीवालों को गड्ढामुक्त सड़कें देंगे। इस क्रम में आज डीएमआरसी और एनसीआरटीसी के अधिकारियों के साथ उनके अंतर्गत आने वाली सड़कों के रिपेयरिंग के काम की समीक्षा की।

महरौली-बदरपुर रोड- ये सड़क दक्षिणी दिल्ली की बेहद महत्वपूर्ण सड़क है। इसके दोनों और साकेत, संगम विहार, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, खानपुर, पुष्प-विहार, दक्षिणपुरी, अम्बेडकर नगर, मदनगीर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र है। जहाँ से रोज़ाना लाखों लोग आवाजाही के लिए इस सड़क का इस्तेमाल करते है। यहां मेट्रो की गोल्डन लाइन का निर्माण कार्य जारी है। इस वजह से सड़क का 6.4 किमी का हिस्सा पीडब्ल्यूडी द्वारा मेट्रो को हैंडओवर किया गया है। मेट्रो के निर्माण कार्य और बरसात के दौरान जलजमाव होने से सड़क कई जगहों पर क्षतिग्रस्त हो गई थी। आज समीक्षा बैठक में डीएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि सड़क के बड़े हिस्से पर मरम्मत का काम पूरा कर दिया गया है और एक अन्य स्ट्रेच पर मरम्मत कार्य जारी है, जिसे 20 अक्टूबर तक पूरा कर दिया जाएगा।

वजीराबाद रोड- इस सड़क का गोकलपुरी से वजीराबाद पुल तक का हिस्सा पीडब्ल्यूडी द्वारा दिल्ली मेट्रो को हैंडओवर किया गया है। इस पूरी सड़क पर यमुना विहार और भजनपुरा में कई रोड स्ट्रेच बुरी तरह से क्षतिग्रस्त थे। विभाग के निर्देशों के बाद मेट्रो द्वारा इस रोड पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। और 15 अक्टूबर तक मरम्मत का सारा काम पूरा कर दिया जाएगा।

आउटर रिंग रोड पर हैदरपुर मेट्रो स्टेशन के नीचे की सड़क भी कई जगह क्षतिग्रस्त थी। डीएमएसआरसी द्वारा यहाँ पैचवर्क पूरा कर दिया गया है।

आप नेता सड़क पर रहते हैं तो महल किसके लिए बनवाया : वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर होते हुए कहा था कि दिल्ली में गाड़ी और बंगले भाजपा को मुबारक हो। दिल्ली की मुख्यमंत्री के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 'आप' नेता यदि सड़क पर रहते हैं, तो ये भव्य महल उन्होंने किसके लिए बनवाए हैं उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'आम आदमी पार्टी सड़क पर कितना काम कर रही है, यह हम सबको पता है। हम सब जानते हैं कि आम आदमी पार्टी का असली चरित्र झूठ बोलना है इसके बाद उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास की फोटो दिखाते हुए कहा, 'आप नेता कहते हैं कि वे सड़क पर रहते हैं, तो ये भव्य महल उन्होंने किसके लिए बनवाए हैं? क्यों आप और संजय सिंह इस बंगले में जाने के लिए ललचाते हैं? यह वही ऐश-ओ-आराम का घर है जो अरविंद केजरीवाल ने तैयार किया है। आप नेता बार-बार कहते हैं कि हमें बंगला नहीं चाहिए, लेकिन यह सरकारी बंगला किसके पैसे से बना है? आप लोग अन्ना हजारे के आंदोलन से निकले थे, याद कीजिए अपनी उन कसमों को कि आप सरकारी बंगला नहीं लेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'अब चुनाव नज़दीक हैं, और आतिशी कह रही हैं कि हम सड़क पर रहेंगे। तो क्या सड़क पर रहने वाले लोग ऐसे महलों में रहते हैं? यह आपके भ्रष्टाचार का नतीजा है, आतिशी। अरविंद केजरीवाल, आपने इस शहर को लूटने का काम किया है। आप जितना भी झूठ बोलें, दिल्ली की जनता जानती है कि यह शीश महल आपके भ्रष्टाचार का एक जिंदा सबूत है, जो आपकी राजनीति को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने आगे कहा कि योजनाओं को पूरा करने के लिए सरकारी राजस्व में सात हजार करोड़ की आवश्यकता है। लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता जाते-जाते अपनी जेबें भरने की सोच रहे हैं। चार साल में एक विधायक को 40 करोड़ मिलने चाहिए थे, लेकिन अब तक केवल 15 करोड़ ही दिए गए हैं। पिछले 25 करोड़ तो अभी तक मिले नहीं हैं। जनता को बेवकूफ बनाने के लिए और पार्षदों की जेबें भरने के लिए पांच-पांच करोड़ की घोषणाएं कर दी गई हैं, ताकि कागजों पर कुछ काम दिखाया जा सके।

हरियाणा सरकार का फैसला, विश्वविद्यालयों में भर्तियों पर रोक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से सभी विश्वविद्यालयों को पत्र लिखकर निर्देश जारी किए हैं कि भर्ती प्रक्रिया को तुरंत प्रभाव से रोका जाता है। उच्चतर शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव डॉ. डी सुरेश की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि विश्वविद्यालयों में चल रही भर्ती प्रक्रिया पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाई जाती है। दरअसल, कई विश्वविद्यालयों में गुपचुप तरीके से भर्ती की जा रही है। चुनावों में आचार संहिता के दौरान भर्तियों का सिलसिला जारी रहा। लिहाजा अब सरकार ने इसका संज्ञान लेते हुए सभी विश्वविद्यालयों में भर्तियों पर रोक लगा दी है। इसी दौरान राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी अब टाट-पट्टी पर नहीं बल्कि बेंच पर बैठकर सहजता के साथ अध्ययन करेंगे। निदेशक विद्यालय शिक्षा की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश जारी किए गए हैं कि अपने जिले के अंतर्गत राजकीय स्कूलों में ड्यूल डेस्क की सूचना भिजवाई जाए। आगामी 18 अक्टूबर को आनलाइन माध्यम से डिमांड भिजवाना अनिवार्य है।

नारनौल में अधिवक्ताओं ने वर्क सस्पेंड कर थाने में दिया धरना

नारनौल। महेंद्रगढ़ बार एसोसिएशन के एक अधिवक्ता गांव खायरा निवासी को फोन पर दी गई जान से मारने की धमकी के आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज अधिवक्ताओं ने वर्क सस्पेंड रखा तथा शहर थाने में धरने पर बैठ गए। अधिवक्ताओं ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करते हुए पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। अधिवक्ता अंकित यादव को हिस्ट्री शीटर द्वारा धमकी के मामले में बार एसोसिएशन ने वर्क सस्पेंड रखा। इससे पूर्व सोमवार को भी वर्क सस्पेंड रखा गया था। गत रविवार शाम को शिकायत देने के बावजूद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज अधिवक्ताओं ने थाने में पहुंचकर नारेबाजी की। बार एसोसिएशन के प्रधान राजीव कुमार ने बताया कि खायरा से अधिवक्ता अंकित यादव को पांच अक्टूबर रात को एक कॉल आया था, जिसमें आरोपी सतीश उर्फ फर्जी ने अधिवक्ता को जान से मारने की धमकी दी थी। इसकी शिकायत रविवार को ही शहर थाना पुलिस थाने को दी थी। बार एसोसिएशन ने सोमवार को वर्क सस्पेंड रख आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की।

नशा करने वाले को होता है शारीरिक, सामाजिक व आर्थिक नुकसान

हिसार। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार की ओर से चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत महाराजा अग्रसेन जिला नागरिक अस्पताल हिसार हरियाणा में स्वास्थ्य कर्मचारी एवं उपचार के लिए आए हुए लोगों को जागरूक किया गया। आयोजित इस कार्यक्रम में पंपलेट देकर आमजन को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक नशा मुक्त भारत अभियान के मास्टर वालंटियर एवं जिला सुकून काउंसलर राहुल शर्मा ने बताया कि जो व्यक्ति काफी समय से नशा करता आ रहा है, उसे शारीरिक सामाजिक और आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक नुकसान भी हो जाता है, जैसे कि आत्म सम्मान का कम हो जाना, हीन भावना का आ जाना, गुस्सा, चिड़चिड़ापन, उदासी आदि रहना। इस अवस्था में व्यक्ति कई बार नशे की ओवरडोज के कारण आत्महत्या भी कर लेता है। कई बार व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में समस्या के समाधान के लिए नशे का सहारा ले लेता है और दिन प्रतिदिन वह नशे के दलदल में फंसता जाता है, जिसका व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार के सदस्यों पर भी बहुत गलत प्रभाव पड़ता है। हमें कभी भी विपरीत परिस्थिति में नशे का सहारा नहीं लेना चाहिए। वहीं यदि दिमाग में बार-बार आत्महत्या करने का विचार आ रहा है तो मनोचिकित्सक की सलाह लेकर उपचार करवाना चाहिए।

वर्तमान दौर में डेटा विश्लेषण एक आवश्यक कौशल बना : नरसी राम बिश्नोई

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि वर्तमान दौर में डेटा विश्लेषण एक आवश्यक कौशल बन गया है और एक्सेल इसका एक बुनियादी उपकरण है। इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती हैं, जो कि उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के डाटा वर्स क्लब ने बीबीए के विद्यार्थियों के लिए आयोजित दो दिवसीय एक्सेल कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए डाटा वर्स क्लब के प्रयास सराहनीय हैं। कार्यशाला में विद्यार्थियों को एक्सेल के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया। कार्यशाला के दौरान एक्सेल के बेसिक से लेकर एडवांस तक के टॉपिक्स को कवर किया गया, जो वर्तमान दौर में डेटा एनालिसिस और बिजनेस एनालिटिक्स के लिए आवश्यक हैं। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने भी अपने सम्बोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता प्राप्त होती है, जो उनके भविष्य के करियर में सहायक होगी। एक्सेल जैसे टूल्स का ज्ञान बिजनेस एनालिटिक्स के क्षेत्र में कार्य करने के लिए अनिवार्य है।

शपथ ग्रहण से पहले फील्ड में उतरे सीएम व सभी विधायक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा भाजपा के सभी विधायक फील्ड में उतर गए। सीएम तथा विधायकों ने प्रदेश की अनाज मंडियों का दौरा करके खरीद प्रबंधों का जायजा लिया। उनके साथ विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव भी मौजूद रहे। सीएम तथा विधायकों ने दिनभर मंडियों का दौरा करके किसानों तथा आढ़तियों से बातचीत की।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जायेगा। किसानों को तय समय में फसल खरीद का भुगतान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जिला कुरुक्षेत्र में पीपली, लाडवा व बबैन अनाज मंडियों का दौरा कर रहे थे। यहां पहुंचने पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी अनुपमा, उपायुक्त राजेश जोगपाल व पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। इस

मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा भी उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी ने अनाज मंडी का दौरा करते हुए मॉइस्चर मीटर के माध्यम से धान की नमी भी चेक की। उन्होंने इस मौके पर किसानों, आढ़तियों और यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करके धान के खरीद कार्य के बारे में जानकारी भी हासिल की। उन्होंने कहा कि तय पैरामीटर के अनुसार धान खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। धान के साथ-साथ बाजरे की भी सरकारी खरीद की जा रही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर प्रदेशवासियों व कार्यकर्ताओं को बधाई भी दी और इसके लिए आमजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि शपथ समारोह से पहले पूर्व घोषित वादे के अनुरूप 25 हजार पदों का रिजल्ट जल्द निकाल दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने धान खरीद कार्य का जायजा लेने के दौरान किसानों व आढ़तियों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याएं भी जानीं। इस दौरान किसानों ने धान की उपज का उठान न होने के बारे, आरओ न कटने के बारे व अन्य समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही सम्बंधित अधिकारियों को इन समस्याओं का निपटान करने के निर्देश देते हुए कहा कि मंडियों में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए।

हरित पटाखों के अलावा अन्य पटाखों के उत्पादन, बिक्री व प्रयोग पर रोक

एजेंसी

जींद। जिलाधीश मोहम्मद इमरान रजा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 विस्फोटक अधिनियम 1884 तथा विस्फोटक नियम 2008 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला की सीमा में 22 अक्तूबर से 31 जनवरी 2025 तक ग्रीन पटाखों को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के पटाखों और आतिशबाजी में बैरियम लवण से युक्त विस्फोटक के उत्पादन, बिक्री, फोडना तथा इनके प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश मोहम्मद इमरान रजा द्वारा यह आदेश हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त हिदायतों की पालना के लिए जारी किए है। ग्रीन पटाखों के बारे में भी हिदायतें जारी की गई है। दिवाली के दौरान या अन्य किसी त्यौहार जैसे गुरु पर्व के दौरान ऐसे पटाखें केवल रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक ही चलाए जा सकेंगे। क्रिसमिस व नववर्ष की पूर्व संध्या के संदर्भ में यह पटाखें रात्रि 11:55 मिनट से अगली सुबह 12:30 मिनट तक चलाए जा सकेंगे। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश के तहत ई-कॉमर्स वेबसाइटों इत्यादि को जिला में पटाखों की बिक्री के लिए ऑनलाइन आर्डर स्वीकार नहीं करेंगी। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2021 में दी गई आदेशों तथा राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के आदेशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाएगी। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी को नियमित रूप से वायु गुणवत्ता की निगरानी कर संबंधित वेबसाइट पर डाटा अपलोड करने के आदेश जारी किए गए हैं। सभी विभागों, बोर्डों, निगमों के अधिकारियों को पूर्ण सहयोग करने के निर्देश भी जारी किए गए है। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश की पालना पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त, सभी उपमंडलाधीश, सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों, पुलिस उपाधीक्षकों, अग्शिमन अधिकारी तथा कार्यालय में तैनात स्टाफ सख्ती से इन आदेशों को लागू करवायेंगे। उपरोक्त सभी अधिकारी आदेशों की अनुपालना के लिए रेड करेंगे तथा रिपोर्ट भी भिजवाना सुनिश्चित करेंगे।

हारने के बाद हार को स्वीकार न करना कांग्रेस की रीतः मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने निर्दलीय विधायकों के भाजपा को समर्थन देने के बाद कहा है कि 51 की संख्या शुभ होती है और भाजपा अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 51 विधायकों के साथ प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सुधरना ही नहीं चाहती। सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बड़ौली ने कहा कि भाजपा की जीत 36 बिरादरी और सर्वसमाज की जीत है। हरियाणा की जनता ने इतिहास रचते हुए भाजपा को स्पष्ट बहुमत दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के 48 विधायक चुनाव जीते हैं और 3 निर्दलीय विधायकों ने समर्थन दिया है। बड़ौली ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि हारने के बाद अपनी हार को स्वीकार न करना कांग्रेस की पुरानी

रीत है। कांग्रेस में गुटबाजी है और जनता भी जानती है कि कांग्रेस के लोग आपस में सिर फोड़ते रहते हैं। कांग्रेस के लोग समीक्षा करते रहेंगे, सुधार कांग्रेस के लोगों में होना नहीं है, क्योंकि ये लोग अपनी आदत को सुधारना ही नहीं चाहते। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल में हरियाणा बसता है। भाजपा की यह प्रचंड जीत जनता के प्यार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए बड़ौली ने कहा कि हमारे लाखों कार्यकर्ताओं ने दिन-रात चुनाव में कड़ी मेहनत की है और उसी कड़ी मेहनत का परिणाम है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और हम तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं।बड़ौली ने कहा कि तीन निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा को अपना समर्थन दिया है। हिसार से सावित्रि जिंदल, बहादुरगढ़ से राजेश जून और गन्नौर से देवेंद्र कादियान ने भाजपा को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि 51 का अंक शुभ है और हम 51 विधायकों के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं।

अगले माह होगी सीईटी की परीक्षा, सरकार ने दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने विभिन्न विभागों में भर्तियों के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) कराने के हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को मंजूरी प्रदान कर दी है। अब प्रदेश में 31 दिसंबर से पहले-पहले सीईटी का आयोजन किया जाएगा।

हरियाणा में हाल ही में हुए चुनाव के दौरान युवाओं की नौकरियां तथा बेरोजगारी बड़ा मुद्दा बना रहा है। कई दिनों से भाजपा व कांग्रेस पर्ची-खर्ची के मुद्दे पर आमने-सामने रहे हैं। कांग्रेस के कई प्रत्याशियों की नौकरियों के मुद्दे पर वीडियो भी वायरल होती रही हैं। चुनाव के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय निर्वाचन आयोग को शिकायत करके भर्तियों पर रोक लगाने की मांग की थी। आयोग ने फैसला दिया था कि भर्तियों की प्रक्रिया जारी रह सकती है लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद ही भर्तियों के परिणाम जारी किए जाएंगे।

हरियाणा में विधानसभा चुनावों के दौरान कर्मचारी चयन आयोग ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सीईटी के आयोजन की मंजूरी मांगी थी। इसके बाद मानव संसाधन विभाग के प्रधान सचिव विजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें फैसला हुआ है कि आगामी 31 दिसंबर तक सीईटी आयोजित करवाया जाएगा। हरियाणा में अभी तक ग्रुप सी और ग्रुप डी का एक-एक बार सीईटी हुआ है। इसके आधार पर टीजीटी को छोड़कर ग्रुप सी की लगभग 40 हजार और ग्रुप डी की लगभग 14 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी होनी है। इनमें से ग्रुप सी के लगभग 13 हजार और ग्रुप डी के लगभग 4 हजार पदों के लिए रिजल्ट पहले ही जारी हो चुका है। हरियाणा के युवाओं की मांग है कि सीईटी पॉलिसी में संशोधन किया जाए लेकिन अभी तक सरकार ने इसमें कोई संशोधन नहीं किया है। युवाओं की मांग है कि तकनीकी पदों के लिए अलग से सीईटी होना चाहिए। जब मुख्य सचिव कार्यालय की तरफ से आयोग को सीईटी आयोजित कराने का पत्र चला जाएगा, उसके बाद संभव है कि आयोग संशोधन करने के लिए सरकार को सुझाव भेजे और सरकार उन पर गौर कर पॉलिसी में संशोधन कर ले।

झज्जर में लागू होगा ग्रेप,निर्माण स्थल पर लगाने होंगे लाइव कैमरे

एजेंसी

झज्जर। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान(ग्रेप) के दौरान सर्दी के इस मौसम में धूल से फैलने वाले प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) अब सख्त हो गया है। बोर्ड ने सार्वजनिक नोटिस जारी कर निर्माण एवं तोड़फोड़ स्थलों पर धूल को उड़ने से रोकने के उपाय लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही डस्ट मैनेजमेंट पोर्टल पर 500 वर्ग मीटर व इससे अधिक क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन एवं डिमोलिशन (निर्माण एवं तोड़फोड़) साइट को एचटीटीपी=//डीयूएसटीएपीपीएचएस पीसीबी डाट काम के माध्यम से अपना पंजीकरण कराने को कहा। इतना ही नहीं अपनी निर्माण एवं तोड़फोड़ गतिविधि के दौरान लाइव कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए हैं ताकि बोर्ड यहां की गतिविधि की लाइव फीड देख सकें। अगर किसी निर्माण एवं तोड़फोड़ स्थल का पंजीकरण नहीं मिला और हर तरह की गतिविधि का स्व प्रमाणित

आडिट और लाइव फीड नहीं मिली तो एचएसपीसीबी बोर्ड की ओर से संबंधित स्थल पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उधर अब क्षेत्र का प्रदूषण का स्तर भी येलो जोन में जा पहुंचा है। वायु गुणवत्ता सूचकांक 113 माइक्रोग्राम दर्ज किया गया। एचएसपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी शक्ति सिंह ने बताया कि 500 वर्ग मीटर या इससे अधिक के क्षेत्र पर निर्माण व तोड़फोड़ गतिविधियों का पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इससे इन साइटों की बेहतर निगरानी में मदद मिलती। खासकर तब जब हवा की गुणवत्ता बिगड़ती है। शक्ति सिंह ने बताया कि पोर्टल पर उपलब्ध डेटा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य सिविक एजेंसियों को साइट की जांच करने और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि वहां पर धूल कम करने के उपायों को समय पर लागू किया गया या नहीं।

इन साइट पर नियमित निगरानी रखी जाएगी और पानी के नियमित छिड़काव और निर्माण सामग्री को ढक कर रखने जैसे उपायों का पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वायु गुणवत्ता सूचकांक जैसे ही 200 को पार करेगा, वैसे ही ग्रेप के प्रथम चरण की पाबंदियां लागू हो जाएंगी। ऐसे में आयोग की ओर से प्रदूषण रोकने के लिए काफी कदम उठाए जाएंगे। इन्हीं में से एक निर्माण एवं तोड़फोड़ स्थलों पर धूल नियंत्रण भी है।

प्रशासनिक सचिव व डीसी ने किया अनाज मंडी दौरा

एजेंसी

झज्जर। जिला के प्रशासनिक सचिव टीएल सत्यप्रकाश (आईएएस) व डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने बेरी अनाज मंडी का निरीक्षण किया व मंडी में फसल बेचने पहुंचे किसानों से बातचीत की। उन्होंने मार्केटिंग बोर्ड व खरीद एजेंसियों के अधिकारियों से धान व बाजरा खरीद की स्थिति के बारे में जाना और अधिकारियों को किसानों के लिए सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक सचिव ने मंडी में किसानों के लिए उपलब्ध करवाई गई सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में पेयजल, लाइट, साफ-सफाई, सुविधा केंद्र और फर्स्ट एड जैसी सुविधाएं पूरी तरह दुरुस्त रखी जाएं। साथ ही, किसानों को जानकारी देने के लिए हेल्प डेस्क पर एक्सपर्ट कर्मचारियों को ड्यूटी पर तैनात करने को कहा, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी समस्याओं का समाधान हेल्प डेस्क पर ही हो जाए। उन्होंने कहा कि मंडियों में बनाए गए सुविधा केंद्रों का भी किसान अधिक से अधिक लाभ उठाएं। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा अनाज मंडी निरीक्षण दिवस के तहत जिले की सभी अनाज मंडियों में संबंधित अधिकारियों ने दौरा करते हुए अनाज मंडी आढ़तियों व किसानों से चर्चा की। इस दौरान खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए। फसल अवशेष प्रबंधन के महत्व पर बल देते हुए कहा कि किसानों को धान के अवशेष जलाने के बजाय इसका सही प्रबंधन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसा करने वाले किसानों को एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है जबकि जो किसान धान की पराली को जिले की पंजीकृत गौशालाओं में भेजते हैं, उन्हें 1500 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

नारनौल विधायक ने क्षेत्र को विकास में अग्रिम पंक्ति में पहुंचाने का काम किया: बालक नाथ

एजेंसी

नारनौल। राजस्थान के तिजारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक बालक नाथ ने नारनौल से नवनिर्वाचित विधायक एवं पूर्व मंत्री ओम प्रकाश यादव के आवास पर पहुंचकर उनको जीत की शुभकामनाएं दी। ओम प्रकाश यादव ने अपने आवास पर पहुंचने पर विधायक बालक नाथ को गुलदस्ता देकर उनका स्वागत कर आशीर्वाद लिया। तिजारा विधायक बालक नाथ ने कहा कि ओम प्रकाश यादव बहुत ही लोकप्रिय एवं मिलनसार व्यक्ति है। उन्होंने तीसरी बार नारनौल से लगातार जीत हासिल कर अपनी लोकप्रियता को साबित किया है। उन्होंने अपने कार्यकाल में हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करने के साथ नारनौल को विकास के मामले में अग्रिम पंक्ति में पहुंचाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि लोगों ने किसी जाति समुदाय के नाम पर वोट न देकर विकास के नाम पर वोट देकर हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने का काम किया है। इसी कड़ी में अरोड़ा सभा के सदस्यों ने भाजपा के पूर्व मंत्री ओम प्रकाश यादव की शानदार हेट्रिक जीत के

उपलक्ष में शिष्टाचार भेंट की। समाज के लोगों ने उनको इस जीत पर शुभकामनाएं भी दी।

जिला सोशल मीडिया विभाग प्रमुख व जिला ग्रीवेंस कमेटी सदस्य राकेश यादव एडवोकेट ने भी नारनौल विधानसभा से जीत की हैट्रिक लगाकर इतिहास रचने पर विधायक ओम प्रकाश यादव के निवास पर पहुंचकर उनको बधाई दी है। इस मौके पर सभा के संरक्षक धर्मचंद छाबड़ा, प्रधान नरेश गोगिया, सचिव अश्विनी कटारिया, ओमप्रकाश वाधवा, मदनलाल गोगिया, राजू बत्रा, रमेश पुल्यानी, ओमप्रकाश डूडेजा, मनोहर गोगिया, अशोक डोरा आदि मौजूद रहे।

बेहतर सफाई व्यवस्था रखना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी: डा. बांगड़

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि क्षेत्र में बेहतर सफाई व्यवस्था रखना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। क्षेत्र को स्वच्छ बनाने की दिशा में और भी अधिक तेजी से कार्य किया जाएगा। यह बात उन्होंने अपने कार्यालय में अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कही। उन्होंने कहा कि सभी संयुक्त आयुक्त सहित सफाई कार्य से जुड़े सभी अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करेंगे तथा नियमित सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवाने सहित कचरा उठान सुनिश्चित करवाएंगे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र में निर्धारित किए गए स्थानों के अलावा, अन्य किसी स्थान पर कूड़ा ना डाला जाए। इसके लिए निगरानी को बढ़ाया जाएगा। कचरा फैलाने वालों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई में और अधिक तेजी लाई जाएगी। उन्होंने बंधवाड़ी में कचरा निस्तारण प्रक्रिया में भी और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित अवधि तक पूरे कचरे का निस्तारण किया जा सके। निगमायुक्त ने कहा कि कचरे में आग लगाने की घटनाओं पर निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता है। निगरानी टीमें अपने-अपने क्षेत्र में यह सुनिश्चित करेंगी कि अगर कहीं पर कचरे में आग लगाई जाती है, तो संबंधित थाने में इस बारे में एफआईआर जरूर दर्ज करवाएं, ताकि पुलिस आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर सके।

उन्होंने कहा कि कचरे में आग लगाने से कई प्रकार की गैसें व धुआं निकलता है, जिससे पर्यावरण तो प्रदूषित होता ही है, आंख व सांस संबंधी बीमारियां भी होने का खतरा बना रहता है। निगम क्षेत्र में स्थित बल्क वेस्ट जनरेटर्स के बारे में निगमायुक्त ने कहा कि सभी बीडब्ल्यूजी ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 की पालना में अपने कचरे का निस्तारण स्वयं के स्तर पर करें। अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में बीडब्ल्यूजी का निरीक्षण करेंगे तथा नियमों की पालना नहीं पाए जाने पर संबंधित पर जुर्माना लगाया जाएगा।

स्वास्थ्यकर्मियों ने डीएसपी को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

जींद। प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मचारियों ने डीएसपी को ज्ञापन देकर गांव भुसलाना के उपस्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत महिला एमपीएचडब्लू के आत्महत्या के मामले की उच्चस्तरीय जांच के लिए एसआईटी गठित करके पीड़ित परिवार को न्याय देने की मांग की है। एसोसिएशन की प्रदेश संयोजक लाजवंती व स्वास्थ्य सुपरवाईजर संघ के प्रदेशाध्यक्ष राममेहर वर्मा के नेतृत्व में शिष्टमंडल डीएसपी गीतिका जाखड़ से मिला। उन्होंने महिला एमपीएचडब्लू के आत्महत्या से पूर्व वीडियो के माध्यम से दिये गए बयान भी सुनाए और एसआईटी से निष्पक्ष जांच की मांग की गई।

ज्ञापन मे सीएचओ प्रदीप की अचानक दुर्घटना मे हुई मृत्य को भी जांच के दायरे में लेने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि यदि 20 अक्टूबर तक महिला एमपीएचडब्लू के आत्महत्या तथा प्रदीप सीएचओ की दुर्घटना मे हुई मौत के मामले मे निष्पक्ष जांच कर सकारात्मक कार्रवाई करते हुए पीड़ित परिवारों को न्याय नही दिया गया तो स्वास्थ्य कर्मचारी प्रदेशव्यापी आंदोलन करेंगे। रामेहर वर्मा ने बताया कि राज्य में जिस तरह से अधिकारियो द्वारा स्वास्थ्य कार्यक्रमो की रिपोर्ट को नियमानुसार कंपयूटर आप्रेटर से ऑनलाइन करवाने की बजाय

गैरकानूनी ढंग से स्वास्थ्य कर्मचारियों विशेषकर धरातल स्तर पर कार्य करने वाले एमपीएचडब्लू काडर से जुड़े कर्मियों को ऑनलाइन करने के लिए बाध्य किया जा रहा है, उसकी शिकायत जल्दी ही संघ के प्रतिनिधि महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा तथा मिशन निदेशक से मिलकर करेंगे। क्योंकि एमपीएचडब्लू काडर से जुड़े कर्मियो को लैपटॉप, टैब व इंटरनेट आदि तक की कोई सुविधा न देकर कर्मचारियों को अपने निजी मोबाइल से कार्यो को ऑनलाइन करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जिससे कर्मचारियों के मानसिक संतुलन पर विपरित प्रभाव पड़ रहा है।

कर्मचारी नेताओं ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग एक तरफ तो आम जनता के मानसिक संतुलन को स्वस्थ रखने के लिए मेंटल हेल्थ नाम से एक कार्यक्रम चला कर लोगों का मानसिक स्वास्थ्य ठीक रखना चाहता है वहीं पर स्वास्थ्य कर्मचारियो का मैंटल हैल्थ खराब करने का कार्य भी कर रहा है। जिसके कारण आज स्वास्थ्यकर्मी मानसिक पीडा मे जी रहे है। बैठक में सुभराम पानू, रणधीर चहल, शक्ति सिंह सहित अनेक कर्मचारी नेता मौजूद रहे।

धान खरीद को लेकर विधायक एक्शन मोड में, किया अनाज मंडी का दौरा

एजेंसी

जींद। जींद से भाजपा विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने अनाज मंडी का दौरा किया और अधिकारियों, आढ़तियों व मिलरों के साथ बैठक की। बैठक में विधायक ने सख्त निर्देश दिए कि धान खरीद को लेकर किसानों को किसी तरह की परेशानी नही आने दी जानी चाहिए। मंडी में किसानों के लिए शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था अच्छे तरीके से होनी चाहिए। अगर इस मामले में किसी तरह की कोई कोताहि बरती जाती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि सीएम द्वारा सभी नवनियुक्त विधायकों से कहा गया था कि अपने-अपने हलके में मंडी में जाकर धान खरीद का जायजा लें। इसी के तहत वो अनाज मंडी पहुंचे और यह सुनिश्चित किया कि जो भी धान मंडी में आया है वो, एमएसपी पर ही खरीदा जाए। धान की समस्या को लेकर अधिकारियों, मिलर्स से बातचीत की। उन्होंने स्पष्ट किया कि सब एक दूसरे का सहयोग करें और किसानों को अपनी धान फसल बेचने में किसी तरह की कोई परेशानी

न आए। सही तरीके से और एमएसपी पर धान की खरीद की जाए ताकि किसानों को धान के सही रेट मिल रहे हैं। विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि जनता ने हरियाणा प्रदेश में भाजपा की सरकार बना कर हैट्रिक लगा दी है। सरकार जनता के इस विश्वास पर खरा उतरने का काम पहले की तरह कर रही है। सबको साथ लेकर पंक्ति के अंतिम छौर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का काम किया जाएगा। सरकार द्वारा जनता से जो भी वादे किए गए हैं, उन्हें हर हाल में पूरा किया जाएगा। जींद के विकास का पहिया पहले की तरह ही इस बार भी चौगुणी गति से घूमेगा। इस मौके पर उनके साथ डीसी मोहम्मद इमरान रजा, एसडीएम विरेंद्र सहरावत, मंडी सक्रेटरी, संजय धवन, अनिल सैनी, कृष्ण अहलावत, बबलू गोयल, कुलदीप सिहाग, सुनील वशिष्ठ सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

17 महीने में बिकी दो लाख मारुति सुजुकी फ्रोंक्स

एजेंसी
नई दिल्ली। .. यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि उसके फ्रोंक्स स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) ने लॉन्च होने के 17 महीनों में 2 लाख यूनिट की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है।कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस एसयूवी को अप्रैल 2023 में लॉच किया गया था। उसने कहा कि कॉम्पैक्ट एसयूवी ने टियर 1 और टियर 2 शहरों में ग्राहकों के बीच महत्वपूर्ण आकर्षण हासिल किया है, जिसमें एनसीआर, दिल्ली, मुंबई, कोच्चि और बेंगलुरु शीर्ष पांच बाजारों के रूप में उभरे हैं। फ्रोंक्स टर्बो वैरिएंट की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। फ्रॉन्क्स ने 10 महीनों में 1 लाख यूनिट बेचीं, जबकि 7.3 महीनों में 1 लाख और ग्राहक जुड़े। इस तरह से 17 महीने में दो लाख फ्रोंस सड़कों पर उतर चुकी है।

पीएम गति शक्ति : वृंदावन बाईपास, श्रीनगर हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन की परियोजना का मूल्यांकन

नयी दिल्ली। पीएम गतिशक्ति व्यवस्था के तहत नेटवर्क नियोजन समूह (एनपीजी) की 81वीं बैठक में उत्तर प्रदेश में वृंदावन बाईपास और जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर हवाई अड्डे पर एक नए आधुनिक टर्मिनल भवन और उससे जुड़ी सुविधाओं की परियोजना सहित सड़क तथा विमानन बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़ी की पांच प्रमुख परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जारी विज्ञप्ति के अनुसार इन परियोजनाओं में उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाला 16.75 किलोमीटर लंबे वृंदावन बाईपास का निर्माण कार्य , मध्य प्रदेश में संदलपुर-बड़ी संदलपुर-बड़ी के बीच 142.26 किलोमीटर लंबी नयी और पुरानी सड़क के निर्माण की चार-लेन राजमार्ग का विकास , महाराष्ट्र के पुणे में जुन्नार से तालेघर तक 55.94 किलोमीटर लंबे मार्ग के सड़क उन्नयन से जुड़ी परियोजना और महाराष्ट्र में ही भी माशंकर-राजगुरुनगर रोड परियोजना के तहत पुणे में 60.45 किलोमीटर लंबे हिस्से में सड़क के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की परियोजना है शामिल है।

यूथ आइडियाथॉन 2024 के फाइनल में नवप्रवर्तन केंद्र में रहा

नयी दिल्ली। स्कूली विद्यार्थियों के लिए भारत की सबसे बड़ी उद्यमशीलता प्रतिस्पर्धा 'यूथ आइडियाथॉन 2024' का चौथा संस्करण आज आईआईटी दिल्ली में शीर्ष 100 किशोर नवप्रवर्तकों के शानदार प्रदर्शन के साथ संपन्न हुआ जिसमें देशभर के 5,000 से अधिक स्कूलों से 1.8 लाख से अधिक युवा नवप्रवर्तक शामिल हुए।थिंकस्टार्टअप और मैनेजमेंट आंत्रप्रियोरशिप प्रोफेशनल स्किल्स काउंसिल (एमईपीएससी) द्वारा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और आईआईटी दिल्ली के सहयोग से आयोजित यूथ आइडियाथॉन भारत की सबसे बड़ी नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता प्रतिस्पर्धा है जिसे कक्षा 4 से 12 के स्कूली विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। एक लाख रुपये प्रति विचार इनक्यूबेशन अनुदान के लिए चयनित शीर्ष 6 टीमों में विद्याशिल्प अकादमी, नीरी एक जल संरक्षण व्यवसाय, संस्कृति स्कूल, पढ़ाई, एक किफायती एआई आधारित बहुभाषीय किफायती लर्निंग प्लेटफॉर्म, लीलावती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नई दिल्ली, एमएसएमई के लिए एक किफायती स्वच्छ वायु चिमनी सॉल्यूशन, ओडीएम पब्लिक स्कूल, भुवनेश्वर, प्रोजेक्ट स्काइमिस्ट, पेल्टियर प्रभाव की अवधारणा पर वातावरण से जल सृजन करता है, आर्मी पब्लिक स्कूल, कोलकाता, एआई आधारित होम वर्क जांचने और आकलन करने का सॉल्यूशन और ??आदित्य विद्याश्रम रिहाइशी स्कूल, पुड्डुचेरी, कृषि के लिए ऑल इन वन सोलर पावर से चलने वाली कार शामिल है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.80 प्रतिशत की गिरावट लेकर 75.24 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.81 प्रतिशत लुढ़ककर 78.76 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

यूरोपीय संघ का वन-कटाई विनियमन और कार्बन कर अनुचित : पीयूष गोयल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) का वन-कटाई विनियमन (ईयूडीआर) और कार्बन कर अनुचित है। उन्होंने कहा कि इसका भारतीय उद्योगों पर प्रभाव पड़ेगा। पीयूष गोयल ने कुछ इस्पात उत्पादों पर ईयू के सुरक्षा उपाय को भी तर्कहीन बताया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने नई दिल्ली में यूरोपीय व्यापार महासंघ (एफईबीआई) के भारत में आधिकारिक शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए यह बात क?ही। वाणिज्?य मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि महासंघ भारत में यूरोपीय कंपनियों के पदचिह्नों का विस्तार करने में एक सुविधाकर्ता के रूप में कैसे कार्य कर सकता है, जिससे

साझा समृद्धि और विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके। वाणिज्य मंत्री ने भारत में यूरोपीय व्यापार महासंघ के शुभारंभ के अवसर पर उद्योग और ईयू के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ इस्पात उत्पादों पर ईयू के सुरक्षा उपाय भी तर्कहीन हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश में व्यापार, निवेश और विनिर्माण क्षेत्रों में अवसरों की भरमार है। उन्होंने कहा कि कुछ इस्पात उत्पादों पर ईयू के सुरक्षा उपाय भी तर्कहीन हैं। ब्राजील, भारत, इंडोनेशिया और अमेरिका सहित प्रमुख कृषि निर्यातक देशों ने ईयू वन-कटाई विनियमन (ईयूडीआर) पर आपत्ति जताई है। ईयूडीआर को 16 मई, 2023 को अपनाया गया था। इसका उद्देश्य यूरोपीय संघ के बाजार में वन-कटाई और वन क्षरण में योगदान देने वाले कुछ वस्तुओं के आयात को रोकना है। इन उत्पादों में कॉफी, चमड़ा, तेल केक, लकड़ी के फर्नीचर, कागज और पेपरबोर्ड शामिल हैं। इस उत्पाद सूची को और बढ़ाने की योजना है।

व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड ने पेश किया एनएफओ

WHITEOAK
CAPITAL GROUP
THE ART AND SCIENCE OF INVESTING

नई दिल्ली।
मुंबई। व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड ने अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) - 'व्हाइटओक कैपिटल ईएसजी बेस्ट-इन-क्लास स्ट्रैटेजी फंड' को निवेशकों के लिए पेश करने की घोषणा की। यह एनएफओ 11 अक्टूबर को खुलेगा और 25 अक्टूबर को बंद होगा।

व्हाइटओक की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह फंड पर्यावरण, सामाजिक और संचालन (ईएसजी) के क्षेत्र में अच्छे आचरण की प्रतिबद्धता के साथ कारोबार करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाली एक ओपन-एंडेड निवेश योजना है। विज्ञप्ति में कहा गया है, व्हाइटओक कैपिटल ईएसजी अपनी श्रेणी में सबसे उत्कृष्ट रणनीति वाला निवेश कोष होगा । यह फंड बेहतर कंपनी संचालन के सिद्धांतों पर चलने वाली कंपनियों में निवेश करना और अपने ग्राहकों के लिए अच्छा और दीर्घकाल में टिकाऊ प्रतिफल प्राप्त करना चाहता है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह अबतक 18 फीसदी बढ़कर 11.25 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी
नई दिल्ली चालू वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 10 अक्टूबर तक 18.35 फीसदी बढ़कर 11.25 लाख करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान का प्रत्यक्ष कर संग्रह 9.51 लाख करोड़ रुपये रहा था। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि 10 अक्टूबर तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 18.35 फीसदी बढ़कर 11,25,961 करोड़ रुपये रहा है। आंकड़ों के अनुसार इसमें 5.98 लाख करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर संग्रह और 4.94 लाख करोड़ रुपये का कॉरपोरेट कर संग्रह शामिल है। इस दौरान प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) 30,630 करोड़ रुपये रहा, जबकि अन्य करों (समानीकरण शुल्क और उपहार कर सहित) से 2,150 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। विभाग के मुताबिक सकल आधार पर प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.30 फीसदी बढ़कर 13.57

लाख करोड़ रुपये हो गया। आंकड़ों के मुताबिक एक अप्रैल से 10 अक्टूबर के बीच 2.31 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो 46 फीसदी की वृद्धि है। संग्रह में 7.13 लाख करोड़ रुपये का पीआईटी (व्यक्तिगत आयकर) और 6.11 लाख करोड़ रुपये का कॉरपोरेट कर शामिल है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में प्रत्यक्ष करों से 22.07 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है।

देश का औद्योगिक उत्पादन अगस्त महीने में 0.1 फीसदी घटा

एजेंसी
नई दिल्ली देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) सालाना आधार पर अगस्त में 0.1 फीसदी घट गया है। पिछले 22 महीनों में पहली बार औद्योगिक उत्पादन में इतनी बडी गिरावट दर्ज की गई है। जुलाई में औद्योगिक उत्पादन 4.7 फीसदी की रफ्तार से बढ़ा था। अगस्त 2023 में औद्योगिक उत्पादन 10.9 फीसदी रही थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन अगस्त में 0.1 फीसदी घट गया, जबकि अगस्त, 2023 में यह 10.9 फीसदी बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई, 2024 में औद्योगिक उत्पादन 4.7 फीसदी बढ़ा था। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त महीने में आईआईपी में गिरावट की वजह खनन,

विनिर्माण और बिजली क्षेत्र का प्रदर्शन खराब रहने से औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आई है। इस दौरान खनन क्षेत्र में 4.3 फीसदी और बिजली क्षेत्र में 3.7 फीसदी की गिरावट रही है, जबकि विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर सिर्फ एक फीसदी रही है। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 40 फीसदी वेटेज रखने वाले कोर सेक्टर का उत्पादन अगस्त में 1.8 फीसदी घट गया। आंकड़ों ने जारी बयान में कहा कि अगस्त में संभवतः भारी बारिश की वजह से खनन क्षेत्र का उत्पादन प्रभावित हुआ है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले पांच महीने (अप्रैल-अगस्त) में औद्योगिक उत्पादन 4.2 फीसदी बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 6.2 फीसदी थी।

उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी
नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबार दिन घरेलू शेयर बाजार लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार रिकवरी करके कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचा लेकिन बाद में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लाल निशान में लुढ़क गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.28 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, मेटल और आईटी इंडेक्स में लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर बैंकिंग, रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर तेजी बनी रही, जिसके कारण

बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद छोटे और मझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब करीब 30 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 4,62,29,260.09 करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानि गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 4,62,00,104.19 करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 29,155.90 करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,011 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,143 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,751 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, 117 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,501 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,287 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,214 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 132.92 अंक की कमजोरी के साथ 81,478.49 अंक के स्तर पर खुला। पहले घंटे के कारोबार के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से ये सूचकांक 59.97 अंक की मजबूती के साथ 81,671.38 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दिन के पहले सत्र के अंत में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक 307.26 अंक टूट कर 81,304.15 अंक के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 230.05 अंक की गिरावट के साथ 81,381.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.709 अरब डॉलर घटकर 701.176 अरब डॉलर पर

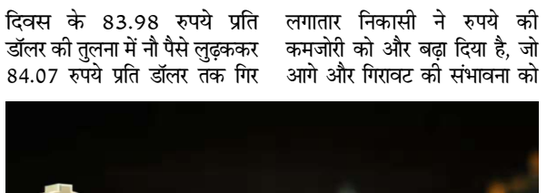

नई दिल्ली।
मुंबई/नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 3.709 अरब डॉलर घटकर 701.176 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 12.588 अरब डॉलर बढ़कर 704.885 अरब डॉलर के रिकॉर्ड सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के जारी आंकड़ों के मुताबिक 4 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.709 अरब डॉलर घटकर 701.176 अरब डॉलर रह गया है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घ्टक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.51 अरब डॉलर घटकर 612.64 अरब डॉलर रह गई।आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य भी चार करोड़ डॉलर घटकर 65.75 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.42 अरब डॉलर रह गया है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.35 अरब डॉलर रह गई है।

चेन्नई में होगा भारत की पवन ऊर्जा दक्षता का प्रदर्शन

नयी दिल्ली। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में 23 अक्टूबर से पवन ऊर्जा पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला और पवन ऊर्जा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें 25 देशों के सौकड़ों ऊर्जा विशेषज्ञ और कारोबारी शामिल होंगे।सुजलॉन समूह के मुख्य कार्यकारी जेपी चलसानी ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते रुतबे का परिणाम है कि पवन ऊर्जा तथा स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत के शक्ति प्रदर्शन को देखने के लिए 25 देशों से 300 से ज्यादा विशेषज्ञ और ऊर्जा कारोबारी 23 से 25 अक्टूबर को 'विंडर्जी इंडिया 2024' सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चेन्नई पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में विंडर्जी इंडिया का छठा संस्करण है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने सचिन तेंदुलकर को बनाया वैश्विक ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी
मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को बैंक का वैश्विक ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने की आज घोषणा की।

बैंक ने बयान जारी कर बताया कि सचिन तेंदुलकर और बैंक ऑफ बड़ौदा के बीच यह साझेदारी बैंक की उत्कृष्टता और विश्वास जैसे बुनियादी मूल्यों पर आधारित है। यह साझेदारी एक ऐसे समय पर हुई है जब बैंक कारोबार विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के एक नए चरण में प्रवेश करने वाला है और सचिन की ब्रांड वैल्यू से इसे नई गति मिलेगी। बीओबी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी देबदत्त चांद ने कहा, भारत के खेल दिग्गजों में से एक सचिन तेंदुलकर को अपना वैश्विक ब्रांड एंबेसडर घोषित करना बैंक के लिए बहुत गौरव का क्षण है। सचिन एक वैश्विक आइकन हैं, जिन्होंने हमेशा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व किया है और अपने खेल

से हमें प्रेरित किया है। जिस तरह उन्होंने अपने बेहतरीन करियर के माध्यम से पूरे देश को प्रेरित किया है उसी तरह बैंक ऑफ बड़ौदा देश भर में करोड़ों लोगों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार रहा है और उनके वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक बन रहा है। श्री सचिन तेंदुलकर ने कहा, मुझे बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ जुड़ते हुए खुशी है। यह एक ऐसी संस्था है, जो निरन्तर समय के साथ उन्नति के पथ पर अग्रसर है और आज के समय में अपना स्थान कायम किए हुए है। एक सदी पहले एक छोटी सी शुरूआत से आगे बढ़ते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा आज उत्कृष्टता, सत्यनिष्ठा, नवोन्मेषिता के सिद्धांतों पर चलते हुए एक अग्रणी बैंकिंग संस्थान बन गया है। ये मूल्य मेरे दिल के करीब हैं और मेरा मानना है कि ये किसी भी कार्य की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं।÷ बैंक ने इस अवसर पर 'बॉब मास्टरस्ट्रोक बचत खाता' की शुरुआत की भी घोषणा की, जो विशेष रूप से प्रीमियम सेवाओं के इच्छुक ग्राहकों के लिए डिज़ाइन किया गया एक विशिष्ट बचत बैंक खाता है। 'बॉब मास्टरस्ट्रोक बचत खाता' इस श्रेणी की सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं, विश्वसनीयता और दीर्घकालिक वित्तीय आयोजना शामिल हैं। बैंक अपने हाई नेटवर्थ वाले ग्राहकों के लिए ऑफर्स को बढ़ाते हुए 'बॉब मास्टरस्ट्रोक खाता फ्लेक्सी फिक्स्ड डिपॉजिट सुविधा' के माध्यम से खाते की शेष राशि पर उच्च ब्याज दर, रिटेल ऋण पर रियायती ब्याज दर, बॉब वर्ल्ड ऑपुलेंस वीज़ा इनफिनिट डेबिट कार्ड (मेटल संस्करण) और एक लाइफटाइम-निशुल्क एटर्ना क्रेडिट कार्ड (पात्रता की शर्त पर) जैसी कई सुविधाएं ऑफर कर रहा है। बॉब मास्टरस्ट्रोक खाताधारकों को प्राथमिकता के आधार पर बैंकिंग / वैल्थ मैनेजमेंट संबंधी सुझाव, उच्च नकद निकासी सीमा और अन्य विशेष सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके लिए ग्राहकों को खाते में 10 लाख रुपये का तिमाही औसत शेष बनाए रखना होगा।

रुपया नौ पैसे लुढ़ककर पहली बार 84 डॉलर के पार

एजेंसी
मुंबई । तेल की कीमतों में हाल में हुई वृद्धि तथा शेयर बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की जारी बिकवाली की चिंताओं से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया नौ पैसे लुढ़ककर पहली बार 84 रुपये प्रति डॉलर के पार 84.07 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.98 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स दो पैसे की बढ़त लेकर 83.96 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। वहीं, सत्र के दौरान तेल आयातकों एवं बैंकरों की लिवाली के दबाव में 84.11 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 83.98 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में नौ पैसे लुढ़ककर 84.07 रुपये प्रति डॉलर तक गिर

गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषण (कमोडिटी एवं मुद्रा) के उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा, भारतीय बाजारों से एफआईआई की लगातार निकासी ने रुपये की कमजोरी को और बढ़ा दिया है, जो आगे और गिरावट की संभावना को दर्शाता है। रुपये में 84.25-84.35 रुपये प्रति डॉलर तक की गिरावट संभावित है, खासकर अगर यह 84.00 से नीचे रहता है।

रिलायंस डिजिटल का इलेक्ट्रॉनिक्स महोत्सव भारत को देता है मौका, दिल खोल के जश्न मनाने को!

एजेंसी
नई दिल्ली।भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, रिलायंस डिजिटल की 'इलेक्ट्रॉनिक्स महोत्सव' सेल इस दशहरा के अवसर पर भारत के फेस्टिव मूड को बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है, ऐसी डील्स के साथ, जो उत्सव में चार चांद लगा देगी. ग्राहक लीडिंग बैंक कार्ड्स से खरीदारी करने पर 10000 तक इंस्टेंट डिस्काउंट का फायदा उठा सकते हैं. इसके अलावा, रिलायंस डिजिटल ?22500 तक के लाभ के साथ फायनान्स संबंधी कई विकल्प भी दे रहा है, जिससे लेटेस्ट इलेक्ट्रॉनिक्स में अपग्रेड करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है. घर पर थिएटर जैसा अनुभव चाहने वालों के लिए, 55 इंच का 4K स्मार्ट टीवी, कैशबैक के बाद ?27499 से शुरू होता है. LG का OLED Ev1 AI C4 4K स्मार्ट टीवी 3 साल की वॉरंटी के साथ 114990 की कीमत पर उपलब्ध है. इतना ही नहीं! 3 साल की वॉरंटी और 20त्न तक कैशबैक के साथ खरीदें सैमसंग नियो QLED 4K स्मार्ट टीवी और पाइए कीमत 42490 वाला सैमसंग 4K UHD टीवी बिल्कुल फ्री. फिटनेस के शौकीन लोगों के लिए स्मार्ट वॉच पर आकर्षक डील्स इंतजार कर रही हैं. ऐप्पल वॉच सीरीज़ 10, 44400 की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है, जिसमें 2500 का कैशबैक भी है. इसके अलावा, ऐप्पल वॉच सीरीज़ 9 को 39900 की शुरुआती कीमत पर खरीदा जा सकता है, जिसमें ?1000 का कैशबैक भी शामिल है. स्मार्टफोन खरीदार iPhone 14 में अपग्रेड कर सकते हैं और 5000 तक इंस्टेंट डिस्काउंट और 4000 का कैशबैक पा सकते हैं. वे केवल 9999 से शुरू होने वाले मोटोरोला फोन की विशाल रेंज पर भी नज़र डाल सकते हैं, सिर्फ और सिर्फ रिलायंस डिजिटल में. इसके अलावा, त्नश्चश्चद्द्यद्ग Pi&el सीरीज़ भी उपलब्ध है, जिसकी शुरूआती कीमत मात्र 26999 है. बेहतर कंप्यूटिंग पावर की तलाश करने वाले खरीदार, लैपटॉप की विशाल रेंज पर 17500 तक का लाभ प्राप्त कर सकते हैं. प्री-इंस्टॉल्ड एमएस ऑफिस वाले लैपटॉप की कोर i3 रेंज मात्र 25990 में उपलब्ध है. AI लैपटॉप 63499 से शुरू होते हैं और ऐप्पल की M3 रेंज ?3199 प्रति माह की ईएमआई पर उपलब्ध है. 3050 ग्राफिक्स कार्ड्स वाले गेमिंग लैपटॉप पर 53999 से शुरू होने वाली आकर्षक डील्स भी यहां उपलब्ध हैं. इसके अलावा, यूपीआई द्वारा लेनदेन करने पर 10फीसदी अनलिमिटेड डिस्काउंट भी है, जो 2 या इससे ज्यादा लैपटॉप एक्सेसरीज़ खरीदने पर लागू होता है (यह ऑफर चुनिंदा त्यौहार वाले दिनों पर मान्य है). अपनी रसोई को अपग्रेड करने की चाहत रखने वाली गृहणियों को छोटे उपकरणों पर ज्यादा खरीदें, ज्यादा बचाएं ऑफर से बहुत फायदा होगा. एक खरीदें और 5फीसदी छूट पाएं, 2 खरीदें और 10फीसदी छूट पाएं, 3 और इससे ज्यादा खरीदें और 15त्न छूट पाएं. सर्वोत्तम कीमत और क्यूरेटेड रेंज के साथ, इसमें एक ही इनवॉइस में एक से ज्यादा प्रोडक्ट खरीदने पर भारी बचत शामिल है.खुद का ऑडियो डिवाइस चाहने वालों के लिए ऐसी डील्स हैं जो कानों में संगीत का एहसास कराएंगी! एडवांस्ड वॉइस आइसोलेशन वाला ऐप्पल **AirPods** 4, 11900 की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है. इसमें ?538/माह से शुरू होने वाली नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ ?1000 का कैशबैक भी शामिल है. जेबीएल लाइव बीम 3 ईयरबड्स अब 10फीसदी कैशबैक के साथ 13999 की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध हैं. घर पर संगीत सुनने वालों को 25त्न तक की छूट और कैशबैक के साथ साउंड-बार की एक विशाल रेंज में से चुनने का फायदा भी मिल सकता है. पार्टी के शौकीन पार्टी स्पीकर्स पर 10000 तक की छूट के साथ पार्टियों में जान डाल सकते हैं।

तेल से करते हैं परहेज तो इन 4 ट्रिक्स से बनाएं बिना ऑयल वाली करारी और फूली पूड़ियां, सेहत भी रहेगी दुरुस्त

रिश्तों की गर्माहट को बरकरार रखने के एक-दूसरे के बीच प्यार का होना जरूरी है लेकिन अगर आप अपने घरों का काम तन्मयता से करते हैं तो पत्नी आपको ज्यादा प्यार करेंगी. यह बात हम नहीं बल्कि एक रिसर्च में कही गई है.

टीनएज में अगर कोई लड़का अपने पिता के काम में हाथ बंटाता है तो पिता अन्य बच्चों की तुलना में उसे ज्यादा प्यार करता है. यह बात जगजाहिर है. लेकिन जवानी में यदि आपको अपनी पत्नी का प्यार ज्यादा पाना है तो इसके लिए क्या करेंगे. जी हां, वैज्ञानिकों ने इसका सीक्रेट निकाल लिया है. एक स्टडी में वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि यदि आपका रिश्ता दरक गया है तो आप घर में झाड़ू-पोछा जैसे छोटे-छोटे काम करें. इससे आपकी पत्नी आपको पहले से कहीं ज्यादा प्यार करने लगेंगी.ऐसे में यदि आप अपने रोमांस को भरपूर इंज्वॉय करना चाहते हैं तो घर में पत्नी का हाथ बंटाइए. इस फॉर्मूले के अपनाकर आप अपनी पत्नी का दिल जीत सकते हैं.

घर का काम साइन ऑफ लव

एबीसी न्यूज के मुताबिक यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में डॉ. जॉन गोटामैन के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया जिसमें यह बात निकलकर सामने आई कि अगर पुरुष पत्नी या पार्टनर के घर के कामों में हाथ बंटाएं तो इस मदद से प्रभावित होकर वे मूड में आ जाती है और पति या पार्टनर पर ज्यादा प्यार लुटाती है. गोटामैन ने स्टडी में पाया कि पति का घरेलू काम पत्नी के लिए साइन ऑफ लव है. इससे पत्नी पति का ज्यादा केयर करने लगती है. यहां तक कि वे अपने पति या पुरुष पार्टनर से सेक्शुअली अट्रैक्ट होने लगती है. गोटामैन का कहना है कि इससे महिलाएं खुद को ज्यादा स्ट्रैसफ्री महसूस करने लगती है और उसे अन्य कामों के साथ रिश्तों को बैलेंस करने के लिए ज्यादा समय मिल जाता है.

फिजिकली भी होती हैं अट्रैक्ट

जेरुसलम पोस्ट ने एक रिसर्च के हवाले से बताया है कि अगर घर के कामों में पुरुष की भागीदारी बढ़े तो महिलाएं फिजिकल रिलेशन बनाने में भी ज्यादा तत्पर रहती हैं. इसका कारण दरअसल यह है कि अगर घर में सिर्फ महिलाएं काम करती है और उसे ऑफिस भी जाना पड़ता है या अन्य काम करना पड़ता है तो ऐसी स्थिति में उसके मन में खींझ रहती है और वे तनाव में रहती है जिसके कारण शरीर में तनाव वाला हार्मोन कॉर्टिसोल रिलीज होता है जो पूरे मूड को बिगाड़ देता है. इसलिए अगर घर में पति मिलकर या पत्नी के आने से पहले घर की सफाई, बर्तन, झाड़ू-पोछा, डस्टिंग जैसे काम करें तो महिला को इससे ज्यादा प्यार आता है. स्टडी में कहा गया है कि जब घर में केवल महिला ही खाना बनाए, बर्तन साफ करे, घर की साफ-सफाई करें, कपड़े धोए तो दिन के अंत आते-आते वह बेहद थक जाती हैं. ऐसी परिस्थिति में फिजिकल रिलेशन का मूड नहीं करता.इसलिए पुरुष को घर में ये सारे काम जरूर करना चाहिए. अध्ययन में महिलाओं से संबंध बनाने की इच्छाओं से जुड़े कुछ निजी सवाल पूछे गए तो पता चला कि महिला एकांत में संबंध बनाने की ज्यादा इच्छुक होती हैं. जब वह पुरुष से आकर्षित होती है तो इसमें अंतरंगता खोजती है.अगर पुरुष साथ में उसके घर के कामों में हाथ बंटाता है तो इससे अंतरंगता बढ़ती है और वह फिजिकल रिलेशन बनाने के लिए उत्सुक होती है.

जम्मू-कश्मीर : मोदीशाही की हार

पहले हरियाणा की भाजपा की जीत। बेशक, भाजपा का लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाना, उसकी एक बड़ी कामयाबी है। यह कामयाबी इससे और भी बड़ी हो जाती है कि भाजपा ने इस बार, पिछले चुनाव के मुकाबले अपनी सीटों और मत फीसद, दोनों में बढ़ोतरी कर, जीत हासिल की है। वास्तव में 2019 के चुनाव में भाजपा को काफी धक्का लगा था और उसे अपने बल पर बहुमत हासिल नहीं हुआ था।

मंगलवार, 8 अक्टूबर को आये चुनाव के नतीजों में प्रकटत- मुकाबला एकदम बराबरी पर छूटा है। हरियाणा में नब्बे में से 48 सीटों के साथ भाजपा तीसरी बार सरकार बना रही है, तो जम्मू-कश्मीर में नब्बे सीटों में से ही 49 सीटों के साथ, इंडिया गठबंधन की सरकार बनना तय है, जिसका नेतृत्व नेशनल कान्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला के करने की संभावना है। बहरहाल, इसे मीडिया पर मोदी राज तथा सत्ताधारी पार्टी की पूरी तरह से जकड़ और सत्ताधारी संघ-भाजपा की मनमाफिन नैरेटिव गढ़ने की महारत का ही साक्ष्य माना जाएगा कि आम तौर पर चुनाव के इस चक्र का नतीजा यही बताया जा रहा है कि, भाजपा की जीत हुई है। और यह प्रस्तुति चुनाव के इस चक्र में जीत के दावे तक ही नहीं रुकती है। इससे आगे बढ़कर, भक्त मीडिया ने न सिर्फ इसके दावे करने शुरू कर दिए हैं कि इससे महाराष्ट्र तथा झारखंड के अगले कुछ महीनों में ही होने जा रहे चुनावों में भी भाजपा की जीत का रास्ता बन गया है, बल्कि इसके दावे भी किए जा रहे हैं कि चंद महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में जो मोदी और भाजपा के खिलाफ वातावरण बना था, बदलकर मोदी और भाजपा के पक्ष में हो चला है! महाराष्ट्र में भाजपा के सर्वोच्च नेता तथा उप-मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडनवीस ने खासतौर पर हरियाणा के चुनाव नतीजों के आधार पर यह दावा किया है। लेकिन, चुनाव के इस चक्र के वास्तविक नतीजे तो ऐसे किसी निष्कर्ष की किसी भी तरह इजाजत नहीं देते हैं। उल्टे जैसाकि हम आगे देखेंगे, जम्मू-कश्मीर में मोदीशाही की हार ही इस चुनाव की असली कहानी है, न कि हरियाणा की भाजपा की जीत।बहरहाल, पहले हरियाणा की भाजपा की जीत। बेशक, भाजपा का लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाना, उसकी एक बड़ी कामयाबी है। यह कामयाबी इससे और भी बड़ी हो जाती है कि भाजपा ने इस बार, पिछले चुनाव के मुकाबले अपनी सीटों और मत फीसद, दोनों में बढ़ोतरी कर, जीत हासिल की है। वास्तव में 2019 के चुनाव में भाजपा को काफी धक्का लगा था और उसे अपने बल पर बहुमत हासिल नहीं हुआ था, जिसके चलते उसे दुष्यंत चौटाला की जेजेपी के साथ इस बार के चुनाव से ऐन पहले तक गठजोड़ सरकार चलानी पड़ी थी। बहरहाल, इस बार भाजपा को फिर से पूर्ण बहुमत मिल गया है और उसका मत प्रतिशत भी, पिछले चुनाव के 36.49 फीसद से बढ़कर 39.89 फीसद हो गया है। लेकिन, इस चुनाव में भाजपा कामयाबी की कहानी इतनी ही है, न इससे जरा भी कम और न रत्तीभर ज्यादा। जहां तक इस चुनाव में कुल मिलाकर चुनावी/ राजनीतिक वातावरण में मोदी और उनकी भाजपा के पक्ष में किसी भी तरह के बदलाव के संकेतों का सवाल है, ये संकेत भक्तों की कल्पनाओं की ही उपज हैं। इसके विपरीत, सच्चाई यह है कि हरियाणा के नतीजे का अगर कोई संकेत है, तो वह यही है कि आम चुनाव के समय का वातावरण जस का तस बना हुआ है।इस सच्चाई का इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि अगर लोकसभा चुनाव में हरियाणा की दस सीटें, कांग्रेस और भाजपा के बीच बराबर बंटी थीं–दोनों के हिस्से में पांच-पांच सीटें आई थीं–तो इस चुनाव में भी भाजपा और कांग्रेस का मत फीसद लगभग बराबर है। इस चुनाव में जहां भाजपा को 39.9 फीसद के करीब वोट मिला है, कांग्रेस तथा उसकी सहयोगी सीपीएम को मिलाकर 39.3 फीसद वोट मिला है। रही बात 2019 के चुनाव के मुकाबले भाजपा की सीटों तथा मत फीसद दोनों में बढ़ोतरी की, तो सच्चाई यह है कि कांग्रेस की सीटों में ही चार की बढ़ोतरी नहीं हुई है, उसके मत फीसद में भी पूरे 11 फीसद की नाटकीय बढ़ोतरी हुई है। 2019 के चुनाव में कांग्रेस का वोट कुल 28.08 फीसद था, जो इस बार 39.09 फीसद पर पहुंच गया है। यानी जनमत के समर्थन के लिहाज से, इस चुनाव में भाजपा के हिस्से में अगर कामयाबी आई है, तो कांग्रेस के हिस्से में उससे भी बड़ी कामयाबी आई है। लेकिन, कांग्रेस के हिस्से की यह कामयाबी, आम चुनाव के समय की उसकी कामयाबी जितनी ही थी, न ज्यादा न कम।अब हम आते हैं, जम्मू-कश्मीर में भाजपा की भारी हार पर। यह हार भारी सिर्फ इसलिए नहीं है कि भाजपा सिर्फ 29 सीटों पर अटक गयी है, जबकि उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, इंडिया गठबंधन ने नेशनल कान्फ्रेंस की 42, कांग्रेस की 6 और सीपीएम की 1 सीट के साथ, 49 का आंकड़ा छू लिया है, जो निर्वाचित विधायकों के बीच पूर्ण बहुमत से ज्यादा ही है। यह हार भारी सबसे बढ़कर इसलिए है कि इस चुनाव नतीजे के इस अर्थ में विचारधारात्मक हैं कि इनके जरिए जम्मू-कश्मीर की जनता ने आम तौर पर मोदीशाही की नीतियों को और खासतौर पर 5 अगस्त 2019 से लगाकर उसके कथित बड़े फैसलों को ठुकराया है, जिनमें धारा-370 को खत्म करना, उसका राज्य का दर्जा खत्म करना और इस तरह पहले के इस राज्य को दो केंद्र-शासित प्रदेशों में बांटना शामिल है।प्रधानमंत्री ने 8 अक्टूबर की ही शाम के, भाजपा कार्यालय में अपने विजय संबोधन में हाथ की चतुराई दिखाते हुए, यह दिखाने की कोशिश की थी कि जम्मू-कश्मीर में भी जनता का फैसला उनकी पार्टी की कामयाबी को दिखाता है, जहां भाजपा ने 2014 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले न सिर्फ अपनी सीटों में 4 की बढ़ोतरी कर ली है, इसी दौरान अपना मत फीसद भी 22.98 फीसद से बढ़ाकर 25.64 फीसद कर लिया है। इससे भी बड़ी बात यह कि 42 सीटें हासिल करने के बावजूद, नेशनल कान्फ्रेंस का वोट भाजपा के वोट से 2 फीसद कम ही रहा है और इस तरह भाजपा जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है। लेकिन, यह दावा इस सच्चाई को छुपाने की चतुराई पर आधारित है कि नेशनल कान्फ्रेंस ने अकेले नहीं, इंडिया गठबंधन के हिस्से के तौर पर यह चुनाव लड़ा था और तुलना के लिए इंडिया गठबंधन का पूरा वोट हिसाब में लिया जाना चाहिए, जो 37 फीसद से ऊपर बैठता है यानी भाजपा के वोट से 11 फीसद से भी ज्यादा। यह साफ तौर पर भाजपा की हार को दिखाता है।लेकिन, वास्तव में इस चुनाव में मोदीशाही और भाजपा की हार इससे भी ज्यादा भारी है। इसकी सीधी सी वजह यह है कि हरियाणा के विपरीत, जहां भाजपा, कांग्रेस से ठीक बराबर मत फीसद के बल पर, कम से कम अपने मुद्दों के आधार पर किसी निर्णायक जीत का दावा करती है तो उसे झूठा ही माना जाएगा, जम्मू-कश्मीर में इस केंद्र शासित क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार द्वारा लिए गए फैसलों के आधार पर, जनता ने भाजपा के खिलाफ निर्णायक रूप से वोट किया है। जाहिर है कि जनता का यह निर्णायक फैसला सिर्फ इंडिया गठबंधन के पक्ष में पड़े वोट में ही प्रतिबिंबित नहीं होता है। यह फैसला, पीडीपी के 8.89 फीसद वोट में भी अभिव्यक्त होता है। और सच तो यह है कि यह फैसला, अन्य छोटी-छोटी पार्टियों व निर्दलीयों को पड़े 24.83 फीसद वोट में भी प्रतिबिंबित होता है। संक्षेप में कहें तो जम्मू-कश्मीर के चुनाव में राजनीतिक-वैचारिक रूप से एक ओर भाजपा और दूसरी ओर बाकी सब का विभाजन था और इस विभाजन में भाजपा को कुल एक चौथाई वोट मिला है, जबकि पूरा तीन-चौथाई वोट उसके खिलाफ पड़ा है। यह जम्मू-कश्मीर की जनता द्वारा मोदीशाही के फैसलों, नीतियों और पैंतरों के निर्णायक रूप से ठुकराए जाने का ही सबूत है।बेशक, इसका अर्थ यह हर्गिज नहीं है कि जम्मू-कश्मीर में जनतांत्रिक ताकतों के लिए, संघ-भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति की चुनौती कोई कम हो गयी है। उल्टे सीटों की बढ़ी हुई संख्या और भाजपा के हिस्से में करीब हरेक चौथा वोट जाना, इस चुनौती के बढ़ने का ही इशारा करता है। इसी का एक और भी खतरनाक पहलू है, भाजपा की हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक पहचान और उसके हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक आधार का और ज्यादा पुख्ता होना। यह संयोग ही नहीं है कि भाजपा को सारी तिकड़मों के बावजूद, उसे सारी सीटें जम्मू क्षेत्र के हिंदू-बहुल इलाकों से ही मिली हैं और कश्मीर की घाटी में उसे 2 फीसद से जरा से ज्यादा वोट ही मिले हैं। दूसरी ओर, भले ही जम्मू क्षेत्र में लगभग 45 फीसद वोट हासिल कर, भाजपा ने अपना बोलबाला कायम रखा हो, फिर भी इस क्षेत्र में करीब हरेक तीसरा (32.8प्रतिशत) वोट हासिल कर, इंडिया गठबंधन ने यह दिखा दिया है कि वही व्यापक रूप से जम्मू-कश्मीर की तमाम जनता का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि भाजपा उसके सिर्फ हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है। बहरहाल, यह चुनाव इस हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक हिस्से के और बढ़ने को भी दिखाता है।इसमें आगे जनतांत्रिक ताकतों के लिए चुनौतियां और बढ़ने के ही बीज छुपे हुए हैं। अपने इस बढ़े हुए आधार को, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और बढ़ाने के जरिए पुख्ता करने की कोशिश में संघ-भाजपा जोड़ी, अन्य चीजों के अलावा अपनी केंद्र सरकार के जरिए, निर्वाचित राज्य सरकार से टकराव बढ़ाने की कोशिश कर सकती है। यह राज्य के दर्जे की बहाली की सबसे प्रमुख मांग को पूरा करने में टालमटोल तक ही सीमित रहे यह भी जरूरी नहीं है। चुनाव से ऐन पहले अनेक क्षेत्रों में, जिनमें पुलिस प्रशासन भी शामिल है, निर्वाचित सरकार के अधिकार उससे छीनकर केंद्र द्वारा नियुक्त लैफ्टीनेंट गवर्नर को थमा दिए जाने से लेकर, उसे अपनी मर्जी से पांच विधायकों की नामजदगी के अधिकार दिए जाने तक, अनेक मामले सामने आएंगे, जो केंद्र और राज्य प्रशासन के बीच टकराव को तीखा कर सकते हैं।

संपादकीय

हरियाणा चुनाव के बाद कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली अप्रत्याशित हार के कई तरह से विश्लेषण किए जा रहे हैं। कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी, आलाकमान के निर्देशों की परवाह न करके क्षत्रपों का मनमाना रवैया, भाजपा की रणनीति को समझने में चूक, दलित और जाट वोट बैंक का साथ न मिलना और इन सबके साथ एक अहम कारण इंडिया गठबंधन के दलों को साथ न लेकर चलने को भी कांग्रेस की हार का कारण बताया जा रहा है। कांग्रेस पर अहंकारी होने के आरोप कई विश्लेषक लगा रहे हैं। वैसे अगर परिणाम एक्जिट पोल के मुताबिक ही आते तो शायद इस तरह विश्लेषण में पलटी मारने की कला नहीं देखी जाती। क्योंकि स्वतंत्र पत्रकारिता करने वाले यू ट्यूब चैनलों के पत्रकार ही नहीं, सरकार समर्थक माने जाने वाले न्यूज चैनलों के एक्जिट पोल में भी कांग्रेस की जीत के अनुमान लग रहे थे। कांग्रेस तो अब भी यही मानती है कि ईवीएम में कोई गड़बड़ी की गई है, इसलिए उसे कई सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। इस बात की शिकायत निर्वाचन आयोग से भी कांग्रेस ने की है, और नतीजों को अस्वीकार्य करार दिया है। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया है और गड़बड़ी की बात नहीं मानी है, लेकिन फिर भी शिकायत दर्ज हुई है, तो उस पर क्या कार्रवाई आयोग करता है, यह देखना होगा।हालांकि कांग्रेस के प्रदर्शन का विश्लेषण किया जाए तो आंकड़े दर्शाते हैं कि पार्टी की स्थिति में उत्तरोत्तर सुधार ही हुआ है। 2014 में कांग्रेस को केवल 15 सीटें मिली थीं और वोट शेयर 20.58 प्रतिशत था, वहीं 2019 में 16 सीटें बढ़ीं और कांग्रेस 31 के आंकड़े पर पहुंची, तब वोट शेयर 28.08 प्रतिशत रहा और इस बार के चुनाव में कांग्रेस की छह सीटें बढ़ीं तो उसे 37 सीटों पर जीत मिली और इस बार वोट शेयर 39.09 रहा। अर्थात कांग्रेस के वोट शेयर में 11.01 प्रतिशत का उछाल आया। इन आंकड़ों को देखकर कहा जा सकता है कि कांग्रेस की रणनीति तो शायद सही रही लेकिन उसे जमीन पर उतारने का जो काम स्थानीय कांग्रेस नेताओं को करना चाहिए था, उसमें वो नाकाम रहे। बहरहाल, नाकामी मिली है तो ठीकरा किसी न किसी के सिर फूटना है। ऐसे में कांग्रेस विरोधी लोगों को फिर राहुल गांधी ही नजर आ रहे हैं कि उनकी नेतृत्व क्षमता पर संदेह खड़ा करने का माहौल बनाया जाए। इसमें खुद प्रधानमंत्री मोदी भी पीछे नहीं हैं। हरियाणा की जीत को उन्होंने सीधे भारत के खिलाफ किसी संभावित अंतरराष्ट्रीय साजिश के विफल होने से जोड़ दिया। उन्होंने पूरी जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि कांग्रेस ऐसी साजिशों के साथ है, लेकिन हरियाणा की जनता ने उसे जवाब दे दिया है। हालांकि ऐसा कहते हुए श्री मोदी यह भूल गए कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने कांग्रेस और नेकां गठबंधन पर मुहर लगाई है।नरेन्द्र मोदी ने तो कांग्रेस पर विभाजनकारी खेल करने का आरोप भी लगाया, साथ ही उसे परजीवी बताते हुए उसके सहयोगियों को आगाह किया कि कांग्रेस उनका लाभ ले लेगी और उन्हें खत्म कर देगी। इन बयानों को सुनकर यह समझ आता है कि राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के वक्त जिस तरह उन्हें घेरने की कोशिश भाजपा ने की, हरियाणा के नतीजों के बाद वो कोशिशें थोड़ा और जोर पकड़ रही हैं, दूसरी बात यह कि हरियाणा के बहाने भाजपा इंडिया गठबंधन को कमजोर करने में फिर से जुट गई है। कांग्रेस और सहयोगी दलों के बीच फूट डालने का जो काम लोकसभा में नहीं हो पाया, उसे अब पूरा करने की कोशिश में भाजपा है। ऐसे में आम आदमी पार्टी, सपा, शिवसेना उद्धव गुट, एनसीपी शरद पवार गुट, झामुमो, राजद इन तमाम दलों को अब शायद और सावधान होना होगा।आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच हरियाणा में तो गठबंधन नहीं बना था और अब शायद दिल्ली में भी न बने, लेकिन दोनों दलों के नेता एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते हुए केवल अपनी बयानबाजियों को रोक दें, तो शायद भाजपा के मंसूब कामयाब न हों। उधर उद्धव गुट ने भी सामना के संपादकीय में कांग्रेस की हार का विश्लेषण तो किया, और उसकी गुटबाजी पर सवाल उठाए, लेकिन राहुल गांधी की आलोचना नहीं की, यह गौर करने वाली बात है। वहीं अखिलेश यादव ने उप्र के उपचुनाव के लिए अपनी तरफ से छह उम्मीदवारों का ऐलान तो किया था, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सपा कांग्रेस के साथ मिलकर ही चुनाव लड़ेगी। झारखंड में भी इंडिया गठबंधन पहले की तरह बना हुआ है, बुधवार को ही हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने दिल्ली आकर श्री खड़गे और श्री गांधी से मुलाकात की है।

हरियाणा की जीत के बाद फिर लौटा नरेंद्र मोदी का पुराना अंदाज

उभरती हुई राजनीतिक कहानी एक व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाती है- क्षेत्रीय जीत का राष्ट्रीय स्तर पर गहरा असर हो सकता है। जैसे-जैसे भाजपा अपनी सफलता का आनंद ले रही है, कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लिए निहितार्थ स्पष्ट होते जा रहे हैं, जो समकालीन राजनीति की लगातार बदलती गतिशीलता को उजागर कर रहे हैं। प्रत्येक चुनाव चक्र जटिलता की परतें जोड़ता है।गलवार की रात मोदीजी ने अपने पुराने अंदाज में ही भाषण दिया। हरियाणा में भाजपा की सफलता के बाद प्रधानमंत्री के विजय भाषण से ऐसा लगा जैसे उन्होंने राष्ट्रीय चुनाव में जीत हासिल कर ली हो। उन्होंने वह सब कुछ कहा जो उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद कहने की योजना बनाई थी, लेकिन अपनी पार्टी के लिए कम जनादेश के कारण ऐसा नहीं कर सके थे। मंगलवार की रात का संबोधन राज्य विधानसभा चुनाव के दायरे से कहीं आगे निकल गया।

हरियाणा में भाजपा की अप्रत्याशित सफलता ने उनमें नई एड्रेना लाईन की खुराक भर दी। इस संबोधन में मोदी ने अविश्वास से भरा और एक ऐसे नेता की छवि पेश की जो अपने आख्यान को फिर से हासिल करने के लिए उत्सुक था। बॉडी लैंग्वेज ने नये जोश की कहानी बयां की, जो 2024 के चुनाव के बाद के मोदी के बिल्कुल विपरीत था, जो हिचकिचाते और सतर्क दिखाई दिए थे। उस समय, उनके भाषण गठबंधन की गतिशीलता और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के संदर्भों से भरे हुए थे, जो एक ऐसे नेता को दर्शाते थे जो अपने सहयोगियों द्वारा असुरक्षित और विवश महसूस करता था। लेकिन मंगलवार की रात की बात अलग थी। उन्होंने भाजपा की उपलब्धियों और विजन के बारे में जोश से बात की और प्रभावी रूप से माहौल को अपने पक्ष में मोड़ दिया एक ऐसे समय में जब लग रहा था कि राहुल गांधी की कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष गति पकड़ रहा है।

शुरुआती चुनावी गणनाओं से कांग्रेस के लिए संभावित भूस्खलन का संकेत मिल रहा था, जिससे उसके समर्थकों में आशावाद जग रहा था। फिर भी, जैसे-जैसे परिणाम सामने आये, भाजपा ने पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए अपने मुख्यालय में उदास माहौल को उल्लास में बदल दिया। इस बदलाव ने न केवल पार्टी के उत्साह को बढ़ाया बल्कि अपने समर्थकों के बीच मोदी की स्थिति को भी मजबूत किया। यह आगामी महाराष्ट्र चुनावों के लिए एक रणनीतिक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में कार्य कर सकता है, जहां दांव ऊंचे हैं।मौजूदा सर्वेक्षणों से पता चलता है कि कांग्रेस-एनसीपी (शरद पवार)-शिव सेना (उद्धव) गठबंधन भाजपा के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। मुंबई में जीत राहुल गांधी के लिए बहुत जरूरी गति प्रदान करेगी, जिनकी पार्टी घटते मनोबल से जूझ रही है। मोदी के लिए, हरियाणा के परिणाम न केवल उनके आत्मविश्वास को फिर से जीवंत करते हैं, बल्कि उन्हें आगे आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार होने के साथ-साथ कहानी को अनुकूल रूप से तैयार करने का अवसर भी देते हैं।मोदीजी के भाषण में विकास और शासन के विषयों पर जोर दिया गया। उन्होंने कांग्रेस और उसके तरीकों पर सीधा हमला किया और बताया कि कैसे पार्टी समकालीन राजनीतिक इतिहास में लंबे समय तक कभी भी दूसरा कार्यकाल नहीं जीत पाई है। उन्होंने कांग्रेस के घावों पर नमक छिड़कते हुए उन्हें याद दिलाया कि भाजपा को लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए हरियाणा में सत्ता में वापस लाया जा रहा है और इस सफलता का श्रेय उन्होंने जनता के लिए सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों को दिया।भाजपा इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि कांग्रेस में कमजोरी का कोई भी संकेत उसकी अपनी गति में फिर से उछाल ला सकता है। यह स्पष्ट है कि पार्टी आने वाले चुनावों में स्थिरता और प्रगति के चैंपियन के रूप में खुद को स्थापित करेगी, एक ऐसा कथानक जो महाराष्ट्र में विशेष रूप से अच्छी तरह से प्रतिध्वनित होता है, जहां विकास संबंधी मुद्दे सर्वोपरि हैं।रियाणा में, भाजपा ने स्थानीय चिंताओं और मोदीजी की राष्ट्रीय अपील दोनों का लाभ उठाया। बुनियादी ढांचे, महिलाओं की सुरक्षा और रोजगार सृजन पर उनका ध्यान मतदाताओं के दिलों में घर कर गया, जिससे दबाव वाले मुद्दों को संबोधित करने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को बल मिला। यह जमीनी स्तर का जुड़ाव महत्वपूर्ण है क्योंकि भाजपा कार्रवाई और परिणामों की पार्टी के रूप में अपना ब्रांड बनाना जारी रखती है। निस्संदेह, बढ़ती प्रतिस्पर्धा के खिलाफ अपनी चुनावी गति को बनाये रखने में भाजपा के सामने एक बड़ी चुनौती है।दूसरी ओर कांग्रेस-एनसीपी (शरद पवार) -शिवसेना (ठाकरे) गठबंधन के सामने एक बड़ा काम है- उन्हें एक आकर्षक प्रति-कथा को अपनाना और प्रस्तुत करना होगा। राहुल गांधी का नेतृत्व जांच के दायरे में होगा, और पार्टी को वर्तमान प्रशासन की नीतियों से निराश मतदाताओं को जोड़ना होगा। क्षेत्रीय गतिशीलता भी महत्वपूर्ण है। हरियाणा में परिणाम आसन्न राज्यों में भाजपा के आधार को और मजबूत करेगा, जिससे गठबंधन को बढ़ावा मिलेगा जो एक विखंडित विपक्ष के खिलाफ अपनी स्थिति को मजबूत करेगा। इसलिए महाराष्ट्र चुनाव भाजपा के लचीलेपन और कांग्रेस की अनुकूलन क्षमता दोनों के लिए एक अग्नि परीक्षा होगी।मोदी का विजय भाषण एक अधिक मुखर अभियान शैली की ओर वापसी के संकेत देता है। प्रधानमंत्री अपनी बयानबाजी को और तेज कर सकते हैं क्योंकि उनका लक्ष्य सत्ता को मजबूत करना और भाजपा के भीतर और विपक्ष दोनों से चुनौतियों का सामना करना है। यह 2024 के लोकसभा चुनावों में असफलता के बाद से अपनाये गये सतर्क दृष्टिकोण से अलग है, जिसमें उन्होंने गठबंधन बनाने और आम सहमति पर ध्यान केंद्रित किया है। हरियाणा में मोदी की जीत ने भाजपा में नई ऊर्जा भर दी है और पार्टी अपने राष्ट्रीय अभियान के लिए इस सफलता को लॉन्चिंगपैड के रूप में भुनाने के लिए उत्सुक है। प्रधानमंत्री की अपनी पार्टी को एकजुट करने और एक स्पष्ट, सम्मोहक दृष्टिकोण व्यक्त करने की क्षमता आने वाले महीनों में महत्वपूर्ण होगी। राजनीतिक विश्लेषक निस्संदेह हरियाणा के परिणामों के निहितार्थों का विश्लेषण करेंगे। एक स्पष्ट संदेश उभर कर आता है- मोदी अपनी नेतृत्व शैली पर फिर से जोर दे रहे हैं। वह चाहते हैं कि इस जीत से मिली ऊर्जा को महाराष्ट्र और उससे आगे के लिए गति बनाने में लगाया जाये।उभरती हुई राजनीतिक कहानी एक व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाती है- क्षेत्रीय जीत का राष्ट्रीय स्तर पर गहरा असर हो सकता है। जैसे-जैसे भाजपा अपनी सफलता का आनंद ले रही है, कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लिए निहितार्थ स्पष्ट होते जा रहे हैं, जो समकालीन राजनीति की लगातार बदलती गतिशीलता को उजागर कर रहे हैं। प्रत्येक चुनाव चक्र जटिलता की परतें जोड़ता है, जिसमें शामिल सभी लोगों से अनुकूलनशीलता और रणनीतिक दूरदर्शिता की मांग की जाती है।

ईरी मॉथ: यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। ट्रकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं।

हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की पयूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यत: किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

जानकारी

कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें

कार्डियो के एक सेशन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कार्डियो वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाकर रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बेहतर बनाता है। आपको बता दें कि कार्डियो एक्सरसाइज में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना और बहुत सारे व्यायाम आते हैं। इसके अंतर्गत आने वाले व्यायामों को कम तीव्रता के साथ शुरू करना पड़ता है जिसकी गति धीरे-धीरे बढ़ती है। कार्डियो एक्सरसाइज से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही इससे नियंत्रित तनाव, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित होता है। अपने कार्डियो सत्र को पूरा करने के लिए आपको अच्छे ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होती है। आप पूरी तरह से कार्डियो सत्र के लिए अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए कार्ब्स पर निर्भर नहीं हो सकते। अन्य कार्डियो फ्रेंडली आहार विकल्प हैं जिनसे आप पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

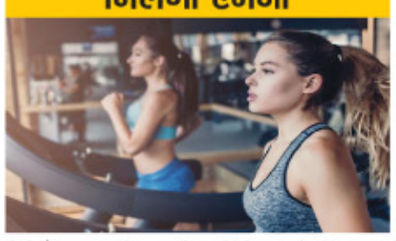

मिलेगी एनर्जी

प्रोटीन

प्रोटीन को जिम का सबसे घनिष्ट साथी माना जाता है। प्रोटीन शेक या प्रोटीन युक्त अन्य पदार्थ जिम जाने वालों के लिए वरदान माने जाते हैं। यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आप अपने वर्कआउट के बीच भी इसका सेवन कर सकते हैं। आप भोजन के लिए कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का संयोजन भी बना सकते हैं। यह एक संपूर्ण भोजन होगा जो आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

एनर्जी शेक और स्मूदी

कार्डियो करने वालों के लिए एनर्जी शेक और स्मूदी जबरदस्त स्रोत होते हैं। आप कार्डियो फ्रेंडली स्मूदी तैयार करने के लिए दही के साथ अपनी पसंद के फल को मिला सकते हैं। आप अपने कार्डियो सत्र से पहले या सत्र के बीच में शेक या स्मूदी पी सकते हैं। आपको फल के पोषक तत्व प्रदान करेगा। उन्हें तैयार करने के लिए मौसमी फलों का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है।

फाइबर युक्त आहार

फाइबर एक स्मार्ट विकल्प है, जब कार्डियो फ्रेंडली खाद्य पदार्थों की बात आती है। फाइबर वजन घटाने के अनुकूल होने के साथ-साथ यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। यदि आप अपने आहार में अधिक फाइबर शामिल करते हैं तो आप अनावश्यक कैलोरी का उपभोग करने की संभावना कम करते हैं।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स का मिश्रण आपको तुरंत ऊर्जा दे सकता है। मुट्ठी भर नट आपके लिए आवश्यक ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त हैं। नट्स और सीड्स आपको अधिक समय तक भरे रखते हैं और आपको बेकार की चीजों को खाने से रोकते हैं। नट्स और सीड्स में से कुछ जिन्हें आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं, उनमें हैं- बादाम, फ्लैक्स सीड्स, भांग के बीज, चिया सीड्स और अखरोट।

साबुत अनाज

साबुत अनाज अपने आप में ही कई पोषक तत्वों का स्त्रोत होता है। साबुत अनाज का सेवन आपको वजन कम करने में मदद करने के लिए आपको पर्याप्त फाइबर प्रदान करेगा। साबुत अनाज में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है जो कार्डियो फूड के अनुकूल बनाती है। आप विभिन्न तरीकों से अपने आहार में साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज आपको कार्डियो के लिए अधिक ताकत प्रदान करेगा और आपकी मांसपेशियों के लिए ईंधन का काम करेगा।

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेते ग्लोवर फ्रॉम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्राव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थक हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं मे आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे मे पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंबुकर्णी नली को प्रभावित कर, कान के अवरूद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

सुझाव

स्वस्थ फेफड़ों के लिए लें खास आहार

हमारा खान-पान कैसा हो जो फेफड़ों के लिए फायदेमंद रहे। अगर फेफड़ों में कोई परेशानी हो, तो अपने खाने में क्या शामिल करें प्रदूषण, धूम्रपान आदि के दुष्प्रभावों के कारण छाती व फेफड़ों से संबंधित परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हम आहार पर थोड़ा-सा गौर करके अपने फेफड़ों को ज्यादा सेहतमंद बना सकते हैं।

क्या खाएं

विटामिन सी युक्त भोजन और फल लें। इनमें खट्टे फल, नीबू, संतरा, मौसमी आदि प्रमुख है। संतुलित आहार लें, जो दाल और अन्न से परिपूर्ण होना चाहिए। यदि फेफड़ों से संबंधी कोई परेशानी है या फेफड़ों में किसी तरह के संक्रमण की शिकायत है तो प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, ताकि शरीर में हुई क्षति को जल्दी ठीक किया जा सके। प्रोटीन के लिए सोयाबीन, सभी तरह की दालें, पनीर, अंडा आदि खा सकते हैं। दिन में कम-से-कम डेढ़ से दो लीटर पानी अवश्य पिएं। इससे बलगम को बाहर निकलने में सहायता मिलती है। फलों से मिलने वाले विटामिन्स और मिनरल्स फेफड़ों को दुरुस्त रखने में सहायक होते हैं। मौसमी फल खाना अधिक हितकर होता है। खाने-पीने का समय निर्धारित करें और नियमित अंतराल पर खाएं।

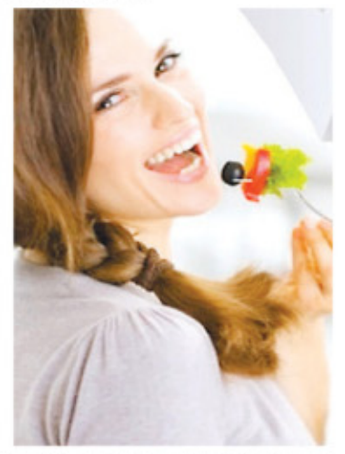

मौसम के अनुरूप यह रखें ध्यान

आजकल के उमस भरे मौसम में फेफड़ों को स्वस्थ रखने या उनसे संबंधित परेशानी से राहत के लिए पानी खूब पिएं। फेफड़ों से संबंधित किसी तरह की परेशानी है तो बहुत खट्टा या ठंडा न खाएं। इससे फेफड़ों में सूजन की आशंका रहती है। शरीर को एकदम सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी में ले जाने से बचें।

क्या नहीं खाएं

बासी भोजन न करें। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और पाचन तंत्र भी बिगड़ता है। यदि फेफड़ों का किसी तरह का रोग है, तो तेज मसाले और तला-भुना खाने से भी बचें, क्योंकि इससे एसिडिटी की शिकायत हो सकती है, जो फेफड़ों के लिए बहुत हानिकारक होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 2615

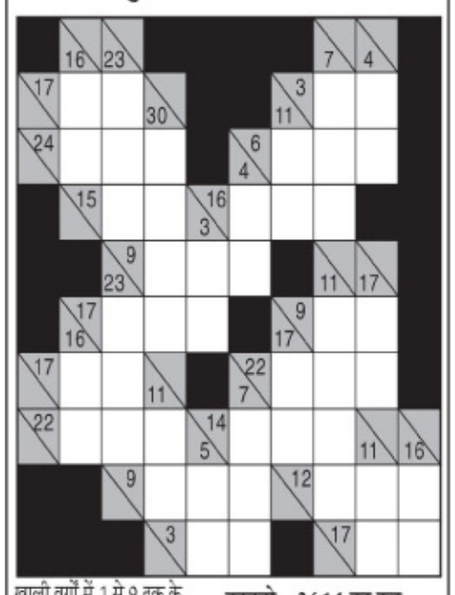

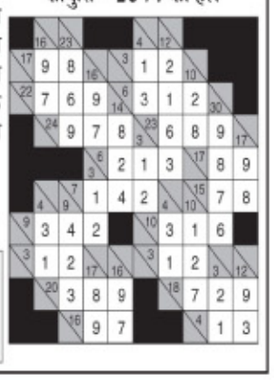

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2614 का हल

लॉफिंग ज़ोन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

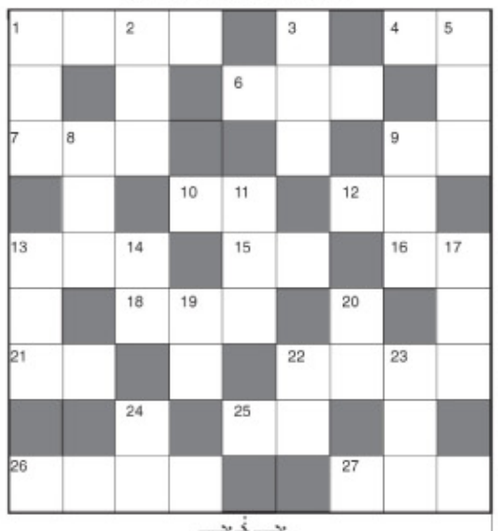

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-2615

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पूजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी अँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी ?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2614

सूडोकु -2615

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2616 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 2615

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -2614 का हल

प्रधानमंत्री मोदी 21 अक्टूबर को रीवा एयरपोर्ट का करेंगे वर्चुअली लोकार्पण

एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 21 अक्टूबर को रीवा में नवनिर्मित एयरपोर्ट का वर्चुअली लोकार्पण करेंगे। रीवा में लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित केंद्रीय मंत्री तथा प्रदेश सरकार के मंत्रीगण भी उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी देर शाम उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने लोकार्पण कार्यक्रम के तैयारियों की समीक्षा बैठक में दी। उन्होंने कहा कि रीवा एयरपोर्ट विन्ध्य के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। रीवा एयरपोर्ट विन्ध्य के विकास के लिए बड़ा कदम साबित होगा। अब रीवा में 72 सीटर हवाई जहाज उतरने की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। इससे पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही मेडिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षा, व्यापार तथा उद्योगों के विकास में तेजी आयेगी। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्य समारोह रीवा एयरपोर्ट परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने लोकार्पण कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि लोकार्पण समारोह के लिए सभी तैयारियाँ तय समय सीमा में पूरी करें।

कर्नाटक सरकार ने 2022 हुबली दंगा मामले वापस लिए, राजनीतिक विवाद ने पकड़ा तूल

बेंगलुरु। कर्नाटक में सिद्दारमैया सरकार ने 2022 हुबली थाना हिंसा मामले में दर्ज मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। पुलिस पर हमला करने के आरोप में 150 से अधिक लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। कर्नाटक सरकार के इस फैसले से विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने सरकार के इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार आतंकवादियों का समर्थन कर रही है। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कहा कि सरकार के पास कुछ मामलों को वापस लेने का अधिकार है। कैबिनेट की बैठक में हुबली दंगा मामले समेत 43 पुलिस मामलों को वापस लेने के फैसले के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार के पास कुछ मामलों को वापस लेने का अधिकार है और वह इसकी जानकारी लेंगे। भाजपा हमेशा झूठ को लेकर आंदोलन करती है। मैं इस मामले की पुष्टि करने के बाद इस बारे में बात करूंगा। आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राजनीतिक मकसद से दर्ज किए गए पुलिस मामलों को वापस लेने का फैसला किया गया है। कुछ मामलों पर चर्चा की गई और उन्हें वापस ले लिया गया। उन्होंने आगे कहा कि दंगे के मामलों में, आरोपियों के नाम अन्य के रूप में दर्ज होते हैं और जांच के बाद ये मामले वापस ले लिए जाते हैं। इसमें कोई राजनीति नहीं है।

कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ के लिए नवरात्र उत्सव का किया दुरुपयोग : बीवाई विजयेंद

बेंगलुरु । कर्नाटक भाजपा ने राज्य की कांग्रेस सरकार की आलोचना की। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ के लिए नवरात्र उत्सव का दुरुपयोग किया है। राज्य सूचना एवं प्रसारण विभाग ने एक पोस्टर जारी किया है, जिसका शीर्षक बुरी ताकतों के खिलाफ सत्य की जीत और सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही ताकतों से बचाने के लिए प्रार्थना रखा गया है। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नवरात्र देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के लिए समर्पित है, जो शक्ति और नारीत्व की प्रतीक हैं। इसका भ्रष्ट मुख्यमंत्री और मैसुरू शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के मुख्य आरोपी सिद्दारमैया ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए दुरुपयोग किया है, जो माफ करने लायक नहीं है। बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा, मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने ऐसे विज्ञापन जारी करके जो पाप और भ्रष्ट कृत्य किए हैं, उन्हें माफ नहीं किया जाएगा। भगवान राम सत्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्दारमैया लौकिक झूठ के प्रतीक हैं। भगवान राम ने सत्य की खोज के लिए माता सीता से दूरी बना ली थी। यदि आप उस रास्ते पर चलना चाहते हैं, तो आपको मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और सत्य की खोज के लिए जांच की इजाजत देनी चाहिए।

ब्रज क्षेत्र के विकास पर सीएम योगी का फोकस, वृंदावन बाईपास से व्यापार और उद्योग को मिलेगी रफ्तार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। योगी सरकार की विकासोन्मुखी प्रयासों को देखते हुए केंद्र सरकार भी यूपी में विकास में सहयोग करने से पीछे नहीं है। वृंदावन में 16.75 किलोमीटर लंबे बाईपास का निर्माण, पीएम गति शक्ति पहल के तहत प्रस्तावित है। इस परियोजना से जहां श्रद्धालुओं के लिए बांके बिहारी के दर्शन आसान होंगे। साथ ही व्यापार और उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। नई दिल्ली में आयोजित नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) की 81वीं बैठक में प्रस्तावित वृंदावन बाईपास के निर्माण और उससे वृंदावन पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियतों की समीक्षा की गई।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के विकास को लेकर विशेष रूप से सक्रिय हैं। उनके नेतृत्व में राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों का नवीनीकरण और विकास तेजी से हो रहा है। योगी सरकार की इस दिशा में की गई पहल से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं, बल्कि इन स्थलों के आसपास के क्षेत्रों में भी व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

भविष्य के युद्ध में कई बदलाव होंगे, भारतीय सेना खुद को भी तैयार करे : रक्षा मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के कमांडरों से साफ तौर पर कहा कि भविष्य में युद्ध के अलग-अलग स्वरूप होंगे और यह बात दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी सैन्य संघर्षों से भी स्पष्ट है। इसके लिए सशस्त्र बलों को रणनीति और योजना बनाते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए। हमें वैश्विक घटनाओं, वर्तमान और अतीत में हुई घटनाओं से सीख लेते रहना चाहिए, ताकि नुकसान को रोका जा सके। हमारे लिए जरूरी है कि हम सतर्क रहें, नियमित रूप से आधुनिकीकरण करें और विभिन्न आकस्मिक स्थितियों से निपटने के लिए लगातार तैयार रहें। सिक्किम के गंगटोक में एक अग्रिम स्थान पर सैन्य कमांडरों के साथ रक्षा मंत्री ने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्यों, सीमाओं और भीतरी इलाकों में स्थिति और वर्तमान सुरक्षा तंत्र के समक्ष चुनौतियों के सभी पहलुओं पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया।

सेना कमांडरों का यह सम्मेलन 10 अक्टूबर को हाइब्रिड प्रारूप में शुरू हुआ था। अग्रिम सैन्य स्थान पर वरिष्ठ कमांडरों के सम्मेलन का आयोजन जमीनी स्तर की वास्तविकताओं पर भारतीय सेना के ध्यान केंद्रित करने को रेखांकित करता है। सम्मेलन में सैन्य संगठनात्मक पुनर्गठन, रसद, प्रशासन और मानव संसाधन प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

भारतीय सैन्य कमांडरों के सम्मेलन में आज दूसरे दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी पहुंचना था लेकिन गंगटोक में खराब मौसम के कारण वह नहीं पहुंच सके, इसलिए रक्षा मंत्री ने सुकूना में सैन्य प्रतिष्ठान से वर्चुअल मोड में अपना संबोधन दिया। उन्होंने गंगटोक में पुनर्निर्मित 'प्रेरणा स्थल' के उद्घाटन समारोह को भी वर्चुअली संबोधित किया। कमांडरों के साथ क्षेत्र में सुरक्षा गतिशीलताः चुनौतियां और इससे निपटने के उपायों पर चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना में पूरे देश के विश्वास को दोहराया और कहा कि यह देश के सबसे भरोसेमंद और प्रेरणादायक संगठनों में से एक है। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा किसी भी समय नागरिक प्रशासन को सहायता प्रदान करने में सेना की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

गंगोत्री धाम के कपाट दो नवंबर को, यमुनोत्री के तीन नवंबर को बंद होंगे

एजेंसी

उत्तरकाशी। गंगोत्री धाम के कपाट अभिजीत मुहूर्त में अन्नकूट पर्व के अवसर पर 2 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद होंगे, जबकि यमुनोत्री धाम के कपाट भैया दूज के दिन 3 नवंबर को बंद किए जाएंगे। परंपरा अनुसार, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट बंद करने के मुहूर्त शारदीय नवरात्र के अवसर पर तय किए जाते हैं। गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के तीर्थ पुरोहितों ने दोनों धामों के कपाट बंद करने के शुभ मुहूर्त की घोषणा की। गंगोत्री धाम में भगवती गंगा के कपाट 2 नवंबर को दोपहर 12:14 बजे बंद होंगे। मां भगवती गंगा की डोली गंगोत्री से प्रस्थान कर रात्रि में भगवती मंदिर मारकंडेय में विश्राम करेगी और 3 नवंबर को मुखवा गांव में शीतकालीन प्रवास के लिए विराजमान हो जाएगी।गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने जानकारी दी कि परंपरा अनुसार गंगोत्री धाम के कपाट बंद करने का मुहूर्त शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन तय किया जाता है। इस वर्ष, मां गंगा की डोली 3 नवंबर को अपने मायके मुखवा में छह महीने के शीतकालीन प्रवास के लिए पहुंचेगी।

इस अवसर पर मंदिर समिति के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। यमुनोत्री धाम के कपाट भी परंपरानुसार दशहरे के दिन तय किए गए मुहूर्त के अनुसार 3 नवंबर को भैया दूज पर बंद होंगे। यमुनोत्री धाम के रावल आशीष उनियाल ने बताया कि 3 नवंबर को सोमेश्वर देवता की डोली के साथ मां यमुना की डोली खरसाली गांव के लिए रवाना होगी, जहां शीतकालीन प्रवास होगा।

घाटी में घुसपैठ के लिए लॉन्चिंग पैड पर करीब 150 आतंकवादी कर रहे इंतजार : आईजी बीएसएफ

एजेंसी

श्रीनगर। बीएसएफ के महानिरीक्षक (कश्मीर फ्रंटियर) अशोक यादव ने माना कि सर्दियों का मौसम करीब आते ही कश्मीर घाटी में घुसपैठ करने के लिए नियंत्रण रेखा के पार लॉन्चिंग पैड पर करीब 150 आतंकवादी इंतजार कर रहे हैं लेकिन सुरक्षाबल ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम कर देंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय भी कश्मीर घाटी में खतरे की कई सूचनाएं थीं लेकिन हमारी समन्वित योजना ने किसी भी हमले को नहीं होने दिया और चुनाव सफल रहे।

बीएसएफ के महानिरीक्षक (कश्मीर फ्रंटियर) अशोक यादव ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि हम लॉन्चिंग पैड पर आतंकवादियों की संख्या को भी ध्यान में रखते हैं, जो हमें किसी भी योजना को विफल करने के लिए हमारी रणनीति और वर्चस्व योजना को आकार देने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबल यह सुनिश्चित करेंगे कि घुसपैठ के किसी भी प्रयास को विफल किया जाए। यह पूछे जाने पर कि अभी कितने आतंकवादी लॉन्चिंग पैड पर इंतजार कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि आमतौर पर लॉन्चिंग पैड पर आतंकवादियों की संख्या 130 से 150 के बीच होती है, जो कभी-कभी यह थोड़ी अधिक हो सकती है। जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव कराने की चुनौतियों पर यादव ने कहा कि सुरक्षाबलों ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने कहा कि खतरे की कई सूचनाएं थीं लेकिन हमने किसी भी हमले को रोका और चुनाव सफल रहे। अशोक यादव ने कहा कि अब सर्दी आने वाली है, इसलिए तैयारियां चल रही हैं। सर्दी आने से पहले आतंकवादी अक्सर घुसपैठ की कोशिश करते हैं और हम उसी के अनुसार इलाके पर नियंत्रण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि

नियंत्रण रेखा पर संभावित घुसपैठ की कोशिशों के बारे में सूचनाएं हैं। नार्कोटेररिज्म के बारे में पूछे गए सवाल पर यादव ने कहा कि नियंत्रण रेखा के पार से मादक पदार्थ आते हैं और यह आतंकवाद के वित्तपोषण का एक अच्छा स्रोत है। उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा पर कुछ गांव हैं जैसे तंगधार और केरन सेक्टर जैसे कुछ संवेदनशील क्षेत्र हैं लेकिन हमने मोबाइल बंकर और महिला सैनिकों को भी तैनात किया है।

जाति के आधार पर भेदभाव करना सबसे बड़ा अपराध : भैयाजी जोशी

एजेंसी

जयपुर। देश में जातिगत जनगणना की चर्चाओं के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी उपाख्य भैयाजी का शुक्रवार को बड़ा बयान सामने आया है। भैयाजी जोशी ने समाज में व्याप्त जातिगत व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि जाति के आधार पर छोटा या बड़ा मानने से बड़ा अपराध क्या हो सकता है? किसी को छोटा-बड़ा, ऊंचा-नीचा मानने का अधिकार किसने दिया। गलत भावनाएं जब विस्तृत रूप में फैलती हैं तो उसका विशाल रूप बनता है। दुर्भाग्य से भारत में जाति विरोध की जो खाई है उसको दूर करने का प्रयास करना होगा। भैयाजी ने जयपुर में संघ के विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कही।

भैयाजी जोशी ने कहा कि जन्म के आधार पर जातियां तय होती हैं। हमको हमारा नाम मिलता है, हमारी भाषा मिलती है, भगवान मिलते हैं, धर्म के ग्रंथ मिलते हैं। हम कई तरह के महापुरुषों के वंशज कहलाते हैं, क्या वो किसी एक जाति के कारण हैं? क्या कोई कह सकता है कि हरिद्वार कौन सी जाति का है, क्या

हमारे 12 ज्योतिर्लिंग किसी जाति के हैं, क्या इस देश के कोने-कोने पर स्थापित 51 शक्तिपीठ किसी जाति के हैं। इस देश के चारों दिशाओं में रहने वाला जो अपने आप को हिंदू मानता है, वो इन सब बातों को अपना मानता है। फिर भेद कहां है? उन्होंने कहा कि जिस तरह से राज्य की सीमाएं हमारे बीच कोई विभाजन पैदा नहीं कर सकती हैं, उसी तरह जन्म पर आधारित चीजें हमें विभाजित नहीं कर सकती हैं। यदि कोई गलत धारणा है तो उसे बदला जाना चाहिए। यदि कोई भ्रम या बेकार अहंकार है तो उसे समाप्त करते हुए समझना होगा कि हम सब एक समाज के अंग हैं। संघ के पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री लोकल के लिए वोकल होने की बात कहते हैं। आज जाने-अनजाने में हम बहुराष्ट्रीय कंपनियों के ग्राहक बन गए हैं। दुनिया के अन्य देश भारत को बाजार समझते हैं।

नवी मुंबई एयरपोर्ट रनवे का परीक्षण सफल, वायुसेना के विमानों ने की लैंडिंग

एजेंसी

मुंबई। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रनवे पर भारतीय वायुसेना के 'सी 295' विमान ने सफलता पूर्वक लैंडिंग की। इस मौके पर नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ,सांसद सुनील तटकरे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस मौजूद थे। भारतीय वायुसेना का 'सी 295' विमान नवी मुंबई एयरपोर्ट पर सात-आठ चक्कर लगाने के बाद रनवे पर उतरा। इस मौके पर विमान को 'वाटर सैल्यूट' दिया गया और बाद में सुखोई 30 लड़ाकू विमान ने फ्लाईबाई सलामी दी। 'सी 295' विमान

के बाद सुखोई 30 विमान को भी रनवे पर उतारा गया। सिडको के चेयरमैन संजय शिरसाट ने बताया कि एयरपोर्ट पर दो रनवे हैं। चार टर्मिनलों पर एक साथ 350 विमानों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट तक मेट्रो और बुलेट ट्रेन कनेक्टिविटी दी जाएगी। इस हवाई अड्डे का निर्माण सिडको द्वारा किया गया है। यात्री टर्मिनल 4 बिल्डिंग में चेक-इन करने वाले किसी भी स्थान से अपनी उड़ान तक पहुंच सकेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, हम अब उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। यह देश के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक होगा। हमें उम्मीद है कि 300 करोड़ यात्री इस हवाई अड्डे का उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि नैना परियोजना मुंबई और महानगर क्षेत्र के लिए एक बड़ा वरदान है। नवी मुंबई हवाई अड्डा मार्च 2025 तक चालू हो जाएगा। मुंबई के पास ग्रीनफील्ड नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में निर्माणाधीन है। अधिकारियों ने पहले कहा था कि अगले साल मार्च तक इसके चालू होने की उम्मीद है। नवी मुंबई एयरपोर्ट का नाम लोकनेता डीबी पाटिल के नाम पर रखा जाएगा।

यागराज स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कई ट्रेनें प्रभावित

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग तथा रूट रिले इंटरलॉकिंग को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में परिवर्तन कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार निरस्त, शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनेट की जाने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है। निरस्त होने वाली ट्रेनें: 16 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09061 उधना- गाजीपुर सिटी स्पेशल,18 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09062 गाजीपुर सिटी- उधना स्पेशल,16 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख?या 09525 हापा-नाहरलगुन स्पेशल,19 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09526 नाहरलगुन- हापा स्पेशल यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण निरस्त रहेगी। परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें: 19 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख्या 20933 उधना-दानापुर एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग वाया पं. दीन दयाल उपाध्याय-मिर्जापुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाया जाएगा।20 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख्या 20934 दानापुर-उधना एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिर्जापुर-पं. दीन दयाल उपाध्याय के रास्ते चलाया जाएगा। 18 और 20 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख्या 20941 बांद्रा टर्मिनस-गाजीपुर सिटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर सेंट्रल-उन्नाव-एमबीडीडी प्रतापगढ़-जंघई के रास्ते चलाया जाएगा।

अजमेर में 16.5 करोड़ की लागत से बनेंगी सड़के : विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विशाल नगर एवं चन्द्रप्रभु नगर में 59 लाख की लागत से अजमेर जिले की सीसी सड़कों के निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में देवनानी ने कहा कि इस साल अतिवृष्टि के कारण शहर में बहुत सी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। इस सड़कों को सुधारने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। हाल ही में 24 सड़कों के सुधार के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग ने 10 करोड़ रूपए की स्वीकृति जारी की है। इसी तरह अन्य सड़कों के कार्य भी शीघ्र शुरू करवाए जाएंगे। स्मार्ट सिटी से 6.15 करोड़ लागत से एलीवेटेड रोड के नीचे सड़क सुधारी जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि शहर की सड़कों को सुधारने के लिए 16.5 करोड़ रूपए खर्च किए जा रहे हैं। हाल ही में सार्वजनिक निर्माण विभाग ने 10 करोड़ रूपए की स्वीकृति जारी की है। शीघ्र ही और भी सड़कों के काम शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही कचहरी रोड़ के लिए 6.15 करोड़ रूपए खर्च होंगे।

टूडो के बड़बोलेपन पर भारत का कड़ा जवाब, खालिस्तानियों पर हो कड़ी कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के दौरान उनके नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाए जाने के दावे का खंडन किया है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं के बीच कोई खास चर्चा नहीं हुई है बल्कि भारत की अपेक्षा है कि कनाडा को भारत विरोधी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि लाओस में प्रधानमंत्री मोदी से संक्षिप्त मुलाकात के बाद जस्टिन ट्रूडो ने दावा किया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कनाडाई नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। उन्होंने दावा किया कि संक्षिप्त मुलाकात के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि उनकी सरकार कनाडा के नागरिकों की सुरक्षा और कानून के शासन को कायम रखना अपना प्रमुख उद्देश्य मानती है और भारत के साथ कनाडा

व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों संबंधों को कायम रखने के साथ ही इस बात पर भी जोर देता है कि इन 'वास्तविक मुद्दों' पर गौर किया जाए। ट्रूडो का बयान आने के बाद विदेश मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मोदी और प्रधानमंत्री ट्रूडो के बीच कोई खास बातचीत नहीं हुई। भारत कनाडा के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है लेकिन उसके साथ संबंध तब तक सामान्य नहीं हो सकते जबतक की कनाडा सरकार भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार भारत अपेक्षा करता है कि कनाडा की धरती पर भारत विरोधी खालिस्तानी गतिविधियों को अनुमति नहीं दी जाएगी और कनाडाई क्षेत्र से भारत के खिलाफ हिंसा, उग्रवाद और आतंकवाद की वकालत करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संगठित अपराध, ड्रग सिंडिकेट और मानव तस्करी के साथ ऐसी ताकतों की बढ़ती सांठगांठ कनाडा के लिए भी चिंता का विषय होनी चाहिए।

सूरत के प्रवासी व्यापारी-उद्यमी अपने राज्यों में चलाएंगे 'कैच दी रेन' का जन आंदोलन : सीआर पाटिल

एजेंसी

सूरत। सूरत के प्रवासी कपड़ा व्यापारी और उद्यमी अपने-अपने मूल राज्यों में बरसाती पानी संचय के जन अभियान में भागीदारी करेंगे। सूरत में बसे बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान मूल के व्यापारी इन राज्यों में सैकड़ों रिवर्स बोरिंग बनवाने में सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। इसके तहत 13 अक्टूबर को सूरत के इंडोर स्टेडियम में गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान के मुख्यमंत्री-उप मुख्यमंत्री की मौजूदगी में विस्तृत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने सूरत के एक होटल में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। केन्द्रीय मंत्री पाटिल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मार्च, 2021 में 'कैच दी रेन' की योजना बनाई थी। इसके तहत बरसाती पानी को बेकार बहने

के बजाय उसे जमीन में नीचे उतारकर भूमिगत जल को रिचार्ज किया जाएगा। इसके तहत खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में ही जमीन के नीचे के जल को रिचार्ज करेगा, जिसका बाद में कई तरह से उपयोग हो सकेगा। पाटिल ने कहा कि गुजरात में इस अभियान का अच्छा रेस्पांस देखने को मिला है। गुजरात में जन भागीदारी के तहत वाटर हार्वेस्टिंग के लिए अभी तक 24 हजार 800 रिवर्स बोरिंग का कमिटमेंट आया था। सरकार ने इसके बाद राज्य में कार्यरत एनजीओ, संस्थाओं और सरकारी कार्यालयों को साथ लेकर करीब 80 हजार रिवर्स बोरिंग का कमिटमेंट प्राप्त करने में सफलता पाई है। राज्य में कुल 2 लाख से ऊपर रिवर्स बोरिंग का लक्ष्य रखा गया है। सूरत में बसे मूल बिहार के व्यापारियों-उद्यमियों ने भी वहां के 5 राज्यों के सभी गांवों में बोर करने का निश्चय किया है। पाटिल ने बताया कि प्रधानमंत्री के जल संचय जल भागीदारी को जन आंदोलन में परिवर्तित करने के तहत सूरत को अपना कर्मभूमि बनाने वाले मूल राजस्थान के व्यापारियों-उद्यमियों ने राजस्थान के सभी गांवों में 4-4 रिवर्स बोर के जरिये बरसाती पानी को जमीन में उतारने का निश्चय किया है।

अरब सागर में पिछले माह गिरे आईसीजी हेलीकॉप्टर ध्रुव के पायलट का शव समुद्र से बरामद

एजेंसी

नई दिल्ली। अरब सागर में पिछले माह गिरकर डूबे भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव के लापता पायलट इन कमांड का पार्थिव शरीर पोरबंदर से लगभग 55 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में समुद्र से बरामद कर लिया गया है। दुर्घटना के दूसरे दिन ही हेलीकॉप्टर का मलबा मिलने के साथ चालक दल के दो सदस्यों के पार्थिव अवशेष समुद्र से बरामद किए गए थे। अब चालक दल के तीसरे सदस्य के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार आईसीजी की परंपराओं और सम्मान के अनुसार किया जाएगा। गुजरात में चक्रवाती मौसम के दौरान बिगड़े हालात में मोटर टैंकर हरि लीला से गंभीर रूप से घायल चालक दल के सदस्य को निकालने के लिए आईसीजी के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) मार्क-III ध्रुव को लगाया गया था। पिछले माह 2 सितंबर की रात लगभग 11.00 बजे मेडिकल निकासी मिशन पर निकले एएलएच हेलीकॉप्टर में दो पायलट और दो गोताखोर सवार थे। जब हेलीकॉप्टर निकासी के लिए

पोत के पास पहुंच रहा था, उसी समय 11.15 बजे आपातकालीन लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर चालक दल समेत समुद्र में गिरकर डूब गया। इसके बाद चलाये गए सर्च ऑपरेशन के दौरान 03 सितम्बर को हेलीकॉप्टर का मलबा मिल गया और एक गोताखोर को जिंदा बरामद कर लिया गया। इसके बाद आईसीजी ने हेलीकॉप्टर के दोनों लापता पायलटों और एक गोताखोर की तलाश में 04 जहाजों और दो विमानों को लगाया। सर्च ऑपरेशन के दौरान दूसरे दिन ही हेलीकॉप्टर (फ्रेम संख्या सीजी 863) का मलबा बरामद होने के बाद चालक दल के दो सदस्यों कमांडेंट (जेजी) विपिन बाबू और प्रधान नाविक करण सिंह के शव मिल गए। इसके बाद आईसीजी ने अपने एएलएच ध्रुव बेड़े की सुरक्षा जांच के आदेश दिए और घटना की गहन जांच होने तक मल्टी मिशन हेलीकॉप्टरों की उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि तटरक्षक बल के पोरबंदर स्थित 835 स्क्वाड्रन का हेलीकॉप्टर समुद्र में नाक के बल (नोज ड्राइव) गिरा था। आईसीजी ने चालक दल के लापता तीसरे सदस्य की तलाश में व्यापक खोज और बचाव अभियान जारी रखा।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, सभी 144 यात्री सुरक्षित

एजेंसी

तिरुचिरापल्ली । तिरुचिरापल्ली से शारजाह जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या IX 613 हाइड्रोलिक खराबी का सामना करने के बाद सुरक्षित रूप से अब तिरुचिरापल्ली एयरपोर्ट पर लैंड कर गई। इस विमान में क्रू मेंबर सहित 144 यात्री सवार थे। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को इसकी जानकारी दे दी गई है। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या IX 613 हाइड्रोलिक खराबी का सामना करने के बाद तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से लैंडिंग करा दी गई है। जानकारी के मुताबिक ये विमान दो घंटे से भी अधिक समय तक हवा में रहा, जो रात 8:14 बजे त्रिची एयरपोर्ट पर सुरक्षित रूप से उतरा। इस विमान में सवार सभी 144 यात्री सुरक्षित हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के इस विमान को हवा में हाइड्रोलिक फेलियर का सामना करने के बाद बेली लैंडिंग की अनुमति दी गई थी। हालांकि, फ्लाइट ने सफलतापूर्वक सामान्य लैंडिंग की। विमान का पायलट लगातार एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के संपर्क में था, जिसने बेली लैंडिंग की सलाह दी थी। घटना की आंतरिक जांच शुरू कर दी गई है।

लेंस अनुसार आईशैडो चुनने के टिप्स

काले नैन यूं तो हमेशा से ही आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगाते आए हैं, लेकिन इन दिनों फैशन और ग्लैमर की इस दुनिया में अधिकतर युवतियां अपनी आं खों को डिफरेंट लुक देने के लिए कलर लेंसेस का प्रयोग करती नजर आ रही हैं। ऐसे में आई-मेकअप करते वक्त यदि आईशैड का चुनाव आपकी आंखों के रंग को ध्यान में रखकर किया जाए तो आई-मेकअप और भी ज्यादा आकर्षक दिख सकता है। पर्मानेंट मेकअप एक्सपर्ट और एल्पस कॉस्मेटिक क्लीनिक की एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर गुंजन गौड़ से जानते हैं लेंस मुताबिक आईशैडो चुनने के 5 टिप्स।

ब्लू आईज यानी नीली आंखें- यदि आपकी आंखें हल्की गहरी या किसी भी तरह के शेड से नीली हैं, तो आपके लिए बेस्ट शेड्स सिल्वर, टरॉइश या फ्यूशिया हैं। ये तीनों ही शेड्स ब्लू के किसी भी शेड को निखारते हैं।

हेजल आईज- ये आंखें अधिकतर हरी-सी दिखती हैं। इनके साथ ब्राउन, खाकी, डार्क ग्रीन और प्लम शेड बखूबी चलते हैं। वैसे गोल्ड, लाइमग्रीन, ब्राइट पर्पल शेड्स इन आंखों के लिए परफेक्ट माने जाते हैं।

ब्राउन आईज- ऐसी आंखें गुलाबी, पर्पल, प्लम ब्राउन, ऑरेंज, पीच व गहरे नीले रंग में खूबसूरत दिखती हैं।

ग्रीन आईज- हरे रंग की आंखों वाली महिलाएं ब्राउन के सभी शेड्स में खिलती हैं जिनमें हल्के बेज से लेकर डीप चॉकलेट ब्राउन तक शामिल हैं। पर्पल, पिंक व रेड भी हरी आंखों को कॉम्प्लिमेंट करते हैं।

ब्लैक आईज- वैसे तो आप कजरारी आंखों पर किसी भी रंग का आईशैड ट्राई कर सकती हैं। लेकिन मैटेलिक शेड्स में ऐसी आंखें और भी ज्यादा खूबसूरत नजर आती हैं।

सर्दियों में पानी पीने से न चूकें अपनायें कुछ तरीके

सर्दियों में प्यास कम लगती है, लेकिन यदि आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो हर दिन पानी की जरूरत को पूरा करना चाहिये। सर्दी हो या गर्मी, हर मौसम में अधिक मात्रा में पानी पीना चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक महिलाओं में प्रायः यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन की समस्या होती है। इस वजह से उनके शरीर को पानी की अधिक जरूरत होती है। हम जो भी खाना खाते हैं, उसे पचाने के लिए पर्याप्त पानी की जरूरत होती है। इसके अलावा शरीर के मेटाबॉलिज्म, पाचन शक्ति और एब्जरप्शन के लिए पानी बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कुछ तरीके अपना सकती हैं ताकि सर्दियों में पानी पीने से न चूकें-

बाहर जाने पर अक्सर पानी की आवश्यकता होने पर आपको पानी नहीं मिल पाता और आप अक्सर रुककर इसे खरीदने में सक्षम भी नहीं होती। इस वजह से पानी की मात्रा कम लेती हैं। इसलिए जब भी आप घर से बाहर जायें, तो हर बार पानी की बोतल अपने साथ जरूर लेकर जायें। बोतल साथ होने से पानी पीने की अधिक संभावना रहती है।

सर्दियों में कई तरह की हरी सब्जियां मिलती हैं , जिनसे शरीर को पानी मिलता है। आप चाहें तो खाने से पहले सूप लें और जूस भी ले सकती हैं। इससे भी पानी की कमी पूरी हा जो ती है।

सोते समय पानी को अपने पास रखें ताकि रात को नींद खुलने पर इसे आसानी से पी सकें। रात को पानी लाने के चक्कर में कई बार प्यास लगने पर भी पानी पीने नहीं जाती और सुबह पानी पीने की अच्छी आदत भी नहीं अपना पाती। इस वजह से सात या आठ घंटे बिना पानी के रहने के कारण शरीर को भी डिहाइड्रेट कर देती हैं।

स्वाद जोड़ने के लिए अपने पानी में कोई जड़ी बूटी या फल के टुकड़े मिला सकती हैं, ताकि इसे पीने के लिए तत्पर रहें। वैसे नींबू, संतरा और मिंट सबसे आम फ्लेवर है लेकिन आप अपने पसंदीदा या कुछ नया लेने का भी प्रयास कर सकती हैं। कृत्रिम फ्लेवर की बजाय प्राकृतिक फ्लेवर को अपनायें।

अगर आपको अन्य पेय जैसे जूस, चाय, सॉफ्ट ड्रिंक या काफी पीने की आदत हैं, तो इसे पानी के साथ बदलने का प्रयास करें। ध्यान रहें कि सॉफ्ट ड्रिंक और पैक फलों के जूस में चीनी बहुत ज्यादा होती है। जबकि पोषण तत्व बिल्कुल भी नहीं होते सिर्फ कैलोरी की आपको जरूरत नहीं है।

अल्फाज नहीं अंदाज बताते हैं मोहब्बत का पता..

वो मेरे हैं, मुझे मिल जाएंगे, आ जाएंगे
इश्क में ऐसे ख्यालात ने दिल तोड़
बेगम अख्तर ने जब यह गाया था, उससे पहले भी और आज भी महिलाओं के सामने यही सवाल है- वह मुझे प्यार करता है.. वह मुझे प्यार नहीं करता? भाषा अक्सर बनावटी होती है, लेकिन हरकतें सच बोलती हैं और ये अल्फाज से ज्यादा कुछ बोल जाती हैं या कहिए राज खोल जाती हैं। कम से कम प्यार के मामले में मदरे के संदर्भ में यही बात ठीक मालूम होती है।

अब प्रश्न यह है कि उनकी खामोशी की व्याख्या आप किस तरह करेंगी? आपको यह मालूम कैसे होगा कि वह आपसे, बिना मुंह खोले, आई लव यू कह रहे हैं? सवाल कठिन हैं, पर डोंट वरी। अगर आपने प्यार करने की हिम्मत की है तो अल्फाजों से इतर अंदाजों को समझने की भी कोशिश आपको ही करनी है। हम आपकी इस मायने में कुछ मदद करेंगे। आप यहां लिखी बातों को ध्यान से पढ़ें और बहुत सी बातों को बिना कहें ही समझना सीखें।

वह आपको बिना पलक झपकाये देख रहा है और आप भांप जाती हैं। आंखें मर्द की आत्मा की खिड़की से भी कुछ ज्यादा होती हैं। आंखें उस कहानी को कह डालती हैं जो उसके दिल से बाहर निकलने के लिए बेचैन हो रही होती हैं। लेकिन जज्बात का इजहार करने में मर्द एहतियात बरतते हैं। वह भी औरतों की तरह बहुत कुछ अपने सीने में दफन रखते हैं या यूं कहें कि उनकी भी हिम्मत उलझन में रहती है। फिर भी एक तरीका है बॉडी लैंग्वेज से समझने का। अगर वह पूरे झुकाव के लिए अपनी आंखों को लॉक कर ले यानी बेशर्मी से आपको घूरे, तो वह अपने रक्षा कवच को गिराकर आपको अपनी आंखों (या दिल) में बसाना चाहता है। यह जुबान समझने में आपको मुश्किल हो, लेकिन अगर वाकई आप समझ चुकी हैं, तो आप आंख मूंदकर यकीन कर सकती हैं। कम से कम आंखों का अंदाज आज भी झूठ बोलने की कला बिल्कुल नहीं सीख पाया।

जिसको आप डेट कर रही हैं, अगर वह अकेला है तो उसकी मोहब्बत का पता उसका किचन भी देती है। अगर वह वाकई आपसे मुहब्बत कर रहा है और आपको अपनी जिंदगी का बेस्ट हॉफ बनाने को तैयार है तो वह अपने किचन में उन चीजों को स्टाक करता है जो आपको पसंद हैं। मसलन, आपको लेमन-लाइम जूस पसंद है, तो फिर भले वह उसे छूना भी पसंद न करे, बावजूद इसके वह इसे अपने रेफ्रिजरेटर में स्टाक करके रखता है। इसका मतलब है आप उसके दिलो-दिमाग पर और जहां उम्मीद न की जाती हो, उन जगहों पर भी छायी रहती हैं- जैसे बाजार में जब वह खरीदारी कर रहा होता है।

शेखचिल्ली का खिताब पाना लड़कों के लिए अक्सर आसान होता है। फिर भी कई बार ऐसी हरकतों से भी सच का मुकम्मल पता मिलता है। अगर वह आपको बताता है कि अब से तीन बरस बाद वह कहां रह रहा होगा, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको अपनी उड़ान की कहानी सुना रहा है। वह आपको आपकी कहानी सुना रहा है। जी, हां! वह आपको बता रहा होता है कि वह तीस साल बाद आपके साथ कहां होगा और क्या इसमें किसी किस्म की आप तब्दीली करना चाहती हैं?

वास्तव में इस तरह की कहानियों को लेकर मनोविद कहते हैं कि इसकी व्याख्या दो तरह से की जा सकती है। एक, वह आपको छोड़ देगा क्योंकि वह आपसे लम्बा साथ नहीं चाहता। दो, यह उसका तरीका है बताने का कि वह भविष्य में भी आपका साथ चाहता है। इनमें से दूसरी बात ज्यादा सही लगती है क्योंकि जिसे बीच में राह बदलनी हो वह अपनी दूर की योजनाओं को जाहिर नहीं करता।

लोगों के बीच में वह बिल्कुल आपके बराबर में खड़ा होता है। जब आप बाहर साथ हों, उस वक्त वह कहां खड़ा होता है, यह बहुत महत्वपूर्ण संकेत है। इससे जाहिर हो जाता है कि आप उसके जीवन में किस जगह हैं। दरअसल वह आपको ही नहीं, पूरी दुनिया को बता रहा होता है कि आपके सबसे नजदीक वह है और किसी भी दूसरे के लिए आप उपलब्ध नहीं हैं। एक तरह से आपके साथ सटकर उसका खड़ा होना दूसरे को यह बताना है कि आप उसकी हैं।

उसके लिए जो फोन कॉल आती है, अगर वह उसे आपको उठाने देता है तो यह भी इस बात का संकेत है कि आप उसके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण हैं। उसके पास आपसे छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। दरअसल पुरु षों को अक्सर यह नहीं मालूम होता कि फोन लाइन के दूसरी तरफ क्या बड़ा खतरा खड़ा हो। उस पार पूर्वप्रेमिका भी हो सकती है जो ताजा रिश्तों में दरार डालने की ताक में हो या अपने बेटे पर हर पल निगरानी रखने वाली मां भी हो सकती है। अगर घंटी बजते ही इस टाइम बम को उठाने की वह आपको इजाजत देता है, तो इसका अर्थ यह है कि वह आपसे किसी बात को छिपाये रखना नहीं चाहता।

कुछ और बातें भी हैं जिनसे आप अंदाजा लगा सकती हैं कि वह आपसे प्यार करता है-

- डिनर डेट पर रेस्तरां में वह आपसे पहले मौजूद होता है।
- उसे आपकी दोस्तों का नाम याद रहता है, सभी का न कि सिर्फ सुंदर सहेलियों का।
- टीवी पर जब भारत-पाक के बीच उसका पसंदीदा एक-दिवसीय क्रिकेट मैच भी प्रसारित हो रहा हो तब भी वह आपके काम के लिए समय निकाल लेता है।
- वह आपके परिवार के बारे में आपसे मालूम करता है।
- वह आपको वह राज भी बता देता है जो उसके सबसे अच्छे और करीबी दोस्त ने इस शर्त पर बताया था कि वह किसी को नहीं बतायेगा।
- रश ऑवर के दौरान भी आपको एयरपोर्ट से पिक करने में उसे कोई परहेज नहीं है।

कैप में दिखें कमाल

अब तक फैशन की दौड़ में सिर्फ कपड़ों को ही शामिल किया जाता था, लेकिन अब कैप्स ने भी फैशन की दुनिया में अपनी जगह बना ली है। शायद यही वजह है कि टोपी को नापसंद करने वाले लोग भी इन्हें खुश होकर पहनने लगे हैं। और जब बात सर्दी की हो, तो कैप की अहमियत कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। इस ठिठुरने वाली सर्दी में बिना टोपी के बाहर निकलने के बारे में सोचना भी मुश्किल है। तो क्यों न ऐसी कैप को चुना जाए जो आपको ठंड से तो निजात दिलाए, साथ ही आपको अपने लु क के साथ समझौता भी न करना पड़े। आइए हम बताते हैं, इन दिनों मार्केट में आए कैप्स के डिजाइन के बारे में-

→ टर्बन कैप

टर्बन कैप दिखने में जितनी अलग होती है, उतना ही आरामदायक व स्टाइलिश भी। अगर आपके भीतर बुनाई का हुनर है तो आप टर्बन कैप को घर पर भी बना सकती हैं, साथ ही अपनी क्रिएटिविटी से इसमें कुछ डिजाइन भी बना सकती हैं। कैप के टर्बन पैटर्न में आगे की तरफ एक नॉट होती है। जो दिखने में काफी अच्छी लगती है। इसके यूनिक पैटर्न के कारण टर्बन कैप्स अक्सर रैंपवॉक में भी दिखाई देती है।

→ बीनी कैप

यह कैप सिर से एकदम चिपकी हुई होती है। आजकल मार्केट में बहुत सारे कलर्स व डिजाइन में बीनी कैप मिलती है, लेकिन आप चाहें तो खुद भी घर पर यह कैप बना सकती है। इनमें आप बुनाई के अतिरिक्त बटन्स व बीड्स के जरिए भी कैप को सजा सकती हैं।

→ टैपर कैप

टैपर हैट में कुछ हद तक फर का इस्तेमाल भी किया जाता है। यह कैप मं की कैप नहीं होती, लेकिन फिर भी इससे कान बहुत अच्छे से ढक जाते हैं। इसलिए ठंड के मौसम के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। इसमें एक डोरी भी होती है जिससे आप कैप को अच्छे से बांध देते हैं। यह कैप जींस व लांग बूट के साथ काफी अच्छी लगती है।

→ डिफरेंट स्टाइल

कैप्स के डिजाइंस की आजकल कोई लिमिट नहीं है। छोटी लड़कियों के लिए जहां मार्केट में प्रिसेंज कैप मिल रही है, वहीं कॉलेज गोइंग गर्ल्स के लिए मफलर कैप, बकेट कैप आदि ट्राई की जा सकती है। इसके अतिरिक्त टुक कैप व निटेड कैप भी लड़कियों द्वारा काफी पसंद की जा रही है। आप भी अपनी पंसदीदा कलर्स व डिजाइन में कैप का चयन कर सकती हैं।

→ फर कैप

फर कैप आजकल मार्केट में काफी चलन में हैं। हालांकि यह स्टाइल काफी पुराना है, लेकिन गर्ल्स के बीच इसका क्रेज कभी भी कम होता दिखाई नहीं देता। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि फर कैप न सिर्फ ढेरों कलर्स व स्टाइल में मौजूद है, बल्कि बहुत से इंटरनेशनल स्टार्स भी इन्हें काफी पसंद करते हैं।

संचित के दो गोल से दिल्ली ने यूनाइटेड को हराया

एजेंसी

नयी दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग के उतार चढ़ाव वाले मुकाबले में दिल्ली एफसी ने नेशनल यूनाइटेड एससी को 2-0 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। अंबेडकर स्टेडियम पर खेला गया मैच अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाया। मैच में दो गोल करने वाले संचित सिंह को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। नामी टीमों में शुमार दिल्ली एफसी ने भले ही मैच जीता लेकिन अपने नाम और पहचान के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई। पहले गोल के लिए दिल्ली एफसी को 58वें मिनट तक इंतजार करना पड़ा। पेनल्टी पर संचित ने गोल किया। इसके बाद उसने दूसरा गोल लंबी सीटी से कुछ पहले किया। गायरी, आकाश और आरिश खान ने आसान मौके गंवाए वरना जीत का अंतर बड़ा हो सकता था। आज के परिणाम से दिल्ली एफसी ने आठ अंक जुटाए हैं। नेशनल के तीन अंक हैं।

अभिषेक रेड्डी का अर्धशतक, आंध्र ने मैच पर बनाई मजबूत पकड़

नागपुर। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद अभिषेक रेड्डी (नाबाद 62) और शेख रशीद (49) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर आंध्र ने रणजी ट्रॉफी के ग्रुप बी मुकाबले में एक विकेट पर 114 रन बनाकर मैच पर अपना मजबूत पकड़ बना ली हैं। आज यहां विदर्भ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जाकि उसके लिये घातक सिद्ध हुआ। आंध्र के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन का मुजाहिरा करते हुए विदर्भ की पूरी टीम को 118 के स्कोर पर समेट दिया। कप्तान अक्षय वड़कर (नाबाद 46) के अलावा उसका कोई भी बल्लेबाज पिच पर टिक नहीं सका। विदर्भ की शुरुआत ही बेहद खराब रही और उसने छह के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। अमन मोखाड़े (शून्य) और यश राठौड़ (शून्य) पर आउट हुये। अथर्व तायडे (17), करुण नायर (12) और उमेश यादव (20) रन बनाकर आउट हुये। आंध्र की बेहतरीन गेंदबाजी के आगे विदर्भ के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। विदर्भ की पूरी टीम 38.5 ओवर में 118 पर ढेर हो गई। आंध्र की ओर से के वी शशिकांत ने तीन विकेट लिये। सी वी स्टीवन, एस राजू और ए एल मोहन ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी आंध्र की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में हनुमा विहारी (एक) का विकेट गवां दिया। इसके बाद अभिषेक रेड्डी और शेख रशीद ने पारी को संभाला।

आईएसएल 2024-25 में युवा खिलाड़ियों ने बिखेरी चमक

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सीजन 11 का रोमांच जारी है और नई पीढ़ी के फुटबॉलर अपनी छाप छोड़ कर सुर्खियां बटोर रहे हैं। आईएसएल में शुरुआती चार मैचवीक का खेल पूरा हो चुके हैं। इस दौरान युवा प्रतिभाओं ने मैदान पर अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों, कोचों और पंडितों को हैरान कर दिया है। इस दौरान जिन खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया हैं, आइये उन पर एक नजर डालते हैं- बेंगलुरू एफसी अकादमी के प्रोडक्ट विनीत वेंकटेश ने इस सीजन में अपने आईएसएल करियर का आगाज किया और ब्लूज की सफलता में अहम योगदान दिया है। विनीत ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए चार मैचों में एक गोल और एक में असिस्ट किया है। उन्होंने 75त्न की सटीकता से प्रति मैच 17 पास किए हैं, 13 द्वंद जीते है और दो ड्रिबल पूरे किए हैं। वह आईएसएल इतिहास में अपने शुरुआती दो मैचों में से प्रत्येक में गोल योगदान देने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। ईस्ट बंगाल एफसी के 22 वर्षीय डेविड लालहलानसांगा हमार अब तक तीन मैचों में सिर्फ 43 मिनट में खेलने का अवसर मिला है, लेकिन वह अपने अवसरों को भुनाकर एफसी गोवा के खिलाफ गोल करने में सफल रहे।

कैग ने इंडियन आयल को दी मात, यूपी एकादश भी पहुंचा फाइनल में

लखनऊ। खेल विभाग के तत्वाधान में चल रहे अखिल भारतीय के0डी0 सिंह 'बाबू' पुरूष आमंत्रण प्राईजमनी हाकी प्रतियोगिता में दो सेमीफाइनल मैच खेले गये। पहले मैच में कैग दिल्ली ने इंडियन आयल को हरा दिया। वहीं दूसरे मैच में यूपी एकादश ने कस्टम विभाग को मात दी। पद्मश्री मो. शाहिद सिन्थेटिक हाकी स्टेडियम, विजयन्तखण्ड, गोमतीनगर लखनऊ मेंपहला सेमीफाइनल मैच इण्डियन आयल बनाम कैग दिल्ली के मध्य खेला गया, जिसमें कैग दिल्ली ने इण्डियन आयल को 3-2 के अन्तर से पराजित कर प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश कर दिया। मैच के 29वें मिनट में इण्डियन आयल की टीम की ओर से उज्जवल सिंह ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है कर अपनी टीम का खाता 1-0 से खोल दिया।

आयुष और संजीत की जुझारू पारी, छत्तीसगढ़ के छह विकेट पर 277 रन

एजेंसी

रायपुर। आयुष पांडेय (89) और संजीत देसाई (56) की जुझारू पारियों की बदौलत छत्तीसगढ़ ने रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी मुकाबले में पहले दिन का खेल समाप्त होने पर छह विकेट पर 277 रन बना लिये है।

यहां टॉस जीतकर छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी छत्तीसगढ़ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सातवें ओवर में आठ के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज भूपेन लालवानी (दो) का विकेट गवां दिया। इसके बाद आशुतोष सिंह (छह) को हिमांशु चौहान ने विकेटकीपर अनुज के हाथों कैच आउट करा दिया। इसके बाद आयुष पांडेय और संजीत देसाई ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के तीसरे विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी हुई। संजीत देसाई (56) रन पर रिटायरहर्ट हुए। अमनदीप खरे (छह), शशांक सिंह (आठ) और एकनाथ केरकर (17) रन बनाकर

आउट हुये। आयुष पांडेय ने 149 गेंदो में (89) रनों की पारी खेली। उन्हें आयुष बदोनी ने पगबाधा आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय अजय मंडल (नाबाद 39) और शुभम अग्रवाल (नाबाद 27) क्रीज पर मौजूद थे। छत्तीसगढ़ ने 86 ओवरों में छह विकेट पर 277 रन बना लिये है। दिल्ली की ओर आयुष बदोनी ने दो विकेट लिये। सिमरजीत सिंह,हिमांशु चौहान,ऋतिक शौकीन और हर्ष त्यागी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड के साथ होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की

एजेंसी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रोहित शर्मा की अगुवाई में न्यूजीलैंड के साथ 16 अक्टूबर से शुरु होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। बीसीसीआई ने भारतीय टीम की घोषणा के साथ जसप्रीत बुमराह को टीम का उपकप्तान बनाया और चार अन्य खिलाड़ियों को नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मयंक यादव और प्रसिद्ध कृष्णा को भारतीय टीम के साथ ट्रैवल रिजर्व के तौर पर रखा गया हैं। टीम में विराट कोहली, केएल राहुल और सरफराज खान के साथ-साथ आकाश दीप को भी मौका मिला है।

टेस्ट श्रृंखला पहला मुकाबला 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में शुरु होगा, दूसरा मैच 24 अक्टूबर को पुणे में खेला जायेगा। सीरीज का तीसरा मैच एक नवंबर को मुम्बई में खेला जाएगा। यह श्रृंखला भारतीय टीम के लिए बेहद अहम होने है। क्योंकि भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में

पहले स्थान पर है और वह अपने इस स्थान को बरकरार रखना चाहेगी। न्यूजीलैंड के साथ होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीमः- रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को नौ विकेट से हराया

एजेंसी

दुबई। एश्ली गार्डनर, ऐनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहम की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद अलिसा हीली रिटायर्ड हर्ट (37) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी-20 विश्वकप के 14वें मुकाबले में पाकिस्तान को नौ विकेट से हरा दिया हैं।

पाकिस्तान के 82 के स्कोर के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 11 ओवर में एक विकेट पर 83 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया। बल्लेबाजी करने उतरी बेथ मूनी और अलिसा हीली की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 36 रन जोड़े। सादिया इकबाल ने बूथ मूनी (15) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद जीत के करीब टीम को पहुंचा कर अलिसा हीली (37) रन लेने के प्रयास में चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट हो गयी। एलिस पेरी 22 और एश्ली गार्डनर सात रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया ने 11 ओवर में 83 रन

बनाकर नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया। पाकिस्तान की ओर सादिया इकबाल को एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले तीन विकेट पांच-पांच और छह रन के अंतराल पर 23 के स्कोर पर गवां दिये। मुनीबा अली (सात), सदफ शम्स (तीन) और सिदरा अमीन (12) रन बनाकर आउट हुई। मेगन शूट, सोफी मोलिन्यू और ऐनाबेल सदरलैंड ने इन तीनों विकेटों को आपस में बांट लिया। निदा डार (10) और ओमाइमा सोहैल (तीन) को जॉर्जिया वेयरहम ने अपना शिकार बनाया।

आलिया रियाज ने टीम के लिए सर्वाधिक (26) रन बनाये। इसके बाद तो एश्ली गार्डनर पाकिस्तान के बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूटी। उन्होंने इरम जावेद (12) तुबा हसन (3), सैयदा अरूब शाह (एक), नाशरा संधू (शून्य) को अपना शिकार बनाया। पाकिस्तान की पूरी टीम 19.5 ओवर में 82 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ली गार्डनर ने चार विकेट लिये। ऐनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहम ने दो-दो विकेट लिये। मेगन शूट और सोफी मोलिन्यू को एक-एक विकेट मिला।

अफ्रीका टेबल टेनिस चैंपियनशिपः अंडर-11 पैडलर सेबतिन्दिरा करेंगे युगांडा टीम का नेतृत्व

कंपाला। 10 वर्षीय स्टार खिलाड़ी जोसेफ सेबतिन्दिरा 12-19 अक्टूबर को इथियोपिया के अदीस अबाबा में होने वाली 2024 अफ्रीका टेबल टेनिस चैंपियनशिप में युगांडा की टीम का नेतृत्व करेंगे। सेबतिन्दिरा वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के अंडर-11 खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान पर हैं। टीम के इथियोपिया रवाना होने से पहले सेबतिन्दिरा ने शिन्हुआ से कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं कि एक बार फिर मुझे एक अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में युगांडा का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम देश के लिए कई पदक जीतने के लिए एक टीम के रूप में कड़ी मेहनत करें। सेबतिन्दिरा के अलावा, टीम में अफ्रीका की यू-11 महिला चैंपियन पेशेंस एनयांगो भी शामिल हैं, जबकि जोनाथन सेनयोंगा टीम की कप्तानी करेंगे।

युगांडा टेबल टेनिस एसोसिएशन (यूटीटीए) के अध्यक्ष रॉबर्ट जजग्वे ने सिन्हुआ को बताया कि सात सदस्यीय टीम को इथियोपिया भेजने के लिए धन जुटाना आसान नहीं रहा है। जजग्वे ने कहा, हमें इस टीम को भेजने में बहुत संघर्ष करना पड़ा, लेकिन हम खुश हैं कि वे आखिरकार यात्रा कर रहे हैं और अफ्रीकी कैलेंडर के सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंटों में से एक में युगांडा का प्रतिनिधित्व करेंगे। जजग्वे ने यह भी बताया कि अफ्रीका चैंपियनशिप में खेलने से सेबतिन्दिरा और एनयांगो को अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलेगी क्योंकि वे 1 से 8 नवंबर तक पैराग्वे में होने वाले वर्ल्ड होप्स (यू-11) प्रशिक्षण शिविर और चैंपियनशिप में अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रहे हैं अफ्रीका चैंपियनशिप में भाग लेने वाली अन्य टीमों में नाइजीरिया, डीआर कांगो, कैमरून, अल्जीरिया, टोगो, दक्षिण अफ्रीका, बेनिन, मेडागास्कर, ट्यूनीशिया, सूडान और मेजबान इथियोपिया शामिल हैं।

चोटिल बवुमा बंगलादेश के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर

एजेंसी

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बवुमा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बंगलादेश में 21 अक्टूबर को होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गये है। अब तेम्बा की जगह पहले टेस्ट मैच में एडन मारक्रम दक्षिण अफ्रीका की अगुआई करेंगे। दक्षिण अफ्रीकी खेल परिसंघ (सीएसए) ने एक बयान में कहा, बवुमा टीम के साथ मंगलवार को ढाका जाएंगे और वह 29 अक्टूबर को चटगांव में शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए चिकित्सा दल की देखरेख में अपनी रिकवरी जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि ब्रेविस को बवुमा की जगह टीम में बुलाया गया है। उन्होंने अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। उन्होंने अब तक केवल दो टी-20 मैच खेले हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 प्रथम श्रेणी मैच

खेले हैं। उल्लेखनीय है कि छह अक्टूबर को बवुमा को कोहनी की चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय से बाहर होना पड़ा था। वह चार अक्टूबर को दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान रिटायर्ड हर्ट हो गए थे और क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान में नहीं उतरे थे। उनकी जगह रासी वैन डेर डुसेन ने इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की अगुआई की थी।

वुहान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं झेंग किनवेन

एजेंसी

वुहान। चीन की झेंग किनवेन ने इटली की तीसरी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को 6-2, 3-6, 6-3 से हराकर रात वुहान ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मैच दो घंटे 14 मिनट तक चला, जिसमें झेंग ने 10 ऐस लगाकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेट में शुरू से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। शुरुआती गेम में झेंग पहले 0-30 से पिछड़ रही थीं, लेकिन पाओलिनी की सर्विस तोड़ने के लिए उन्होंने शानदार लचीलापन दिखाया। अगले कुछ गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी, लेकिन झेंग ने इसके बाद लगातार तीन गेम जीतकर सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में पाओलिनी ने वापसी की और झेंग की सर्विस दो बार तोड़कर 6-3 से जीत दर्ज की। निर्णायक तीसरे

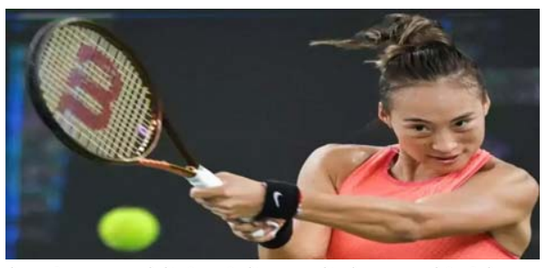

सेट की शुरुआत दोनों खिलाड़ियों द्वारा 3-3 तक अपनी सर्विस बनाए रखने से हुई। इसके बाद झेंग ने बेहतर प्रदर्शन किया और पाओलिनी की सर्विस तोड़कर अपनी सर्विस को बनाए रखते हुए मैच को 6-3 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद झेंग ने कहा, पाओलिनी ने आज बहुत अच्छा खेला। उनका आक्रामक खेल बहुत ही शानदार था और यह निश्चित रूप से टूर्नामेंट का मेरा अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण मैच था।

भारत के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करने पर ही हमारे पास जीतने के मौके होंगे : लेथम

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के नए टेस्ट कप्तान टॉम लेथम का मानना है कि उनके खिलाड़ियों को 'बिना डरे' भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीजी में आक्रामक बल्लेबाजी करने पर ही जीतने के मौके होंगे। श्रीलंका दौरे पर मिली 0-2 के हार के बाद टिम साउदी के कप्तानी से इस्तीफे के बाद टीम की कमान लेथम को मिली है।

लेथम ने भारत दौरे को लेकर कहा, यह एक चुनौतीपूर्ण दौरा होगा और मुझे उम्मीद है कि हम अधिक स्वतंत्रता और बिना डर के खेलेंगे। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमारे जीतने के मौके भी हैं। हमने देखा है कि पिछले कुछ सालों में कई विदेशी टीमों ने अच्छा किया है और उन पर दबाव बनाया है। लेकिन इसके लिए आपको विशेषकर बल्ले से आक्रामक होना होगा। हम निर्णय लेंगे कि हमें वहां कैसा

खेलना है और खिलाड़ियों को भी एक योजनाबद्ध अप्रोच बनाना होगा। उम्मीद है कि हम उस अप्रोच को वहां लागू कर सकेंगे। उन्होंने कहा, हमने श्रीलंका में कुछ अच्छी चीजे की थी, हालांकि परिणाम हमारे पक्ष में नहीं गया। केवल एक पारी को छोड़ दिया जाए तो बल्ले के साथ हमारा अप्रोच बहुत सही था। हम उसे जारी रखना चाहते हैं और प्रयास करेंगे कि हम एक ब्रांड ऑफ क्रिकेट खेलें, जिस पर हमें गर्व हो। उम्मीद है कि हम ऐसा कर सकेंगे। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से वह अनुभव काम आएगा। हालांकि इस बार परिस्थितियां अलग है और हमारे पास पूरी और स्थायी जिम्मेदारी है। मैं तो खिलाड़ियों से कहूंगा कि वह अपने आपको स्वयं प्रोत्साहित करें, आप अपने नेता स्वयं बने। उम्मीद है कि हम ऐसा कर सकेंगे ताकि हम वह ब्रांड ऑफ क्रिकेट खेल सके, जो खेलना चाहते हैं। साउदी के खेलने को लेकर लेथम ने कहा, साउदी ने यहां पर सात विकेट भी लिए हैं। उनके जैसा अनुभवी खिलाड़ी कौन टीम में नहीं लेना चाहेगा। उनकी भूमिका वैसी ही होगी, जैसे पहले थी। उनके पास हर परिस्तिथियों में खेलने का अनुभव और ज्ञान का भंडार है, तभी वह इतने साल से सफल हैं। हम उनके इस अनुभव का प्रयोग करना चाहेंगे।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट मैच में पारी और 47 रन से हराया

मुल्तान । हैरी ब्रूक (317) और जो रूट (262) की शानदार बल्लेबाजी के बाद जैक लीच (चार विकेट) बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट मैच के पांचवें दिन पारी और 47 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पाकिस्तान ने आज टेस्ट मैच के पांचवें दिन कल के छह विकेट पर 152 रन से आगे खेलना शुरु किया। 49वें ओवर में जैक लीच ने सलमान आगा को (63) को पगबाधा आउट कर पाकिस्तान के मैच को ड्रा की और ढ़केलने के प्रयास को जोरदार झटका दिया। आगा सलमान और आमेर जमाल ने अपने-अपने अर्धशतक भी पूरी किये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शाहीन शाह अफरीदी (10) को भी लीच ने अपना शिकार बना लिया। इसी ओवर में उन्होंने अगले

दिया। अबरार अहमद बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। आमेर जमाल (55) रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की पूरी टीम 54.5 ओवर में 220 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड की ओर से जैक लीच ने चार विकेट लिये। गस ऐटकिंसन और ब्राइडन कार्स ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। किस वोक्स को एक विकेट मिला। इससे पहले इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक (317) और जो रूट (262) की शानदार बल्लेबाजों की मदद से सात विकेट पर 823 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में कप्तान शान मसूद (151), अब्दुल्लाह शफीक (102) और आगा सलमान (नाबाद 104) की पारियों के दम पर 556 का स्कोर खड़ा किया था। इंग्लैंड की ओर तिहरा शतक लगाने वाले हैरी ब्रूक को उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इंग्लैंड के लिए जैक लीच ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए पाकिस्तान की दोनों पारियों में सात बल्लेबाजों को आउट किया। जो रूट दोहरा शतक जड़ कर इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज तो पहले ही बन गए थे। उन्होंने पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ दिया है। रूट ने इस मैच में 262 रनों की पारी खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 20 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। रूट के टेस्ट करियर का यह छठा दोहरा शतक था और वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा दोहरे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मैच में जो रूट और हैरी ब्रूक ने और भी कई रिकार्ड बनाये। क्रिकेट इतिहास में यह दूसरी बार है जब इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों ने एक ही पारी में दोहरे शतक लगाने का कारनामा किया है। इंग्लैंड की ओर से टेस्ट की एक ही पारी में दो दोहरा शतक बनाने का कारनामा 1985 में भारत के खिलाफ चेन्नई में ग्रीम फाउलर और माइक गैटिंग ने किया था।

जयदेव उनादकट ने ससेक्स के साथ अपना अनुबंध दो साल के लिए बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2025 और 2026 काउंटी चैंपियनशिप सीज़न के लिए ससेक्स के साथ दो साल का अनुबंध विस्तार किया है। उनादकट ने पहली बार 2023 में ससेक्स के साथ करार किया था और अपने पहले सीज़न में उन्होंने तीन मैचों में 11 विकेट चटकाए थे। वह 2024 में टीम में लौटे और पांच मैचों में 14.40 की औसत से 22 विकेट चटकाए। गेंद के साथ उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने सीधे तौर पर ससेक्स को डिवीजन टू का खिताब जीतने में मदद की। टीम द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में उनादकट के हवाले से कहा गया, जब मैं पिछले साल होव आया था, तो मुझे यकीन नहीं था कि काउंटी चैंपियनशिप में क्या होगा और मैं इसके लिए कैसे खुद को ढाल पाऊंगा। लेकिन अब कुछ खेलों के बाद, मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि होव मेरे घर से दूर मेरा दूसरा घर है और गुड ओल्ड ससेक्स बाय द सी मेरा दिल जीत लेता है।

ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फरब्रेस ने एक खिलाड़ी और एक व्यक्ति के रूप में टीम को प्रदान की जाने वाली गुणवत्ता के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, होव में हर कोई बहुत खुश और उत्साहित है कि जयदेव [उनादकट] ने दो साल के विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं और अगले दो सत्रों के लिए क्लब में वापस आएंगे। उन्होंने कहा, जयदेव की पिच पर गुणवत्ता हर किसी के लिए स्पष्ट है, लेकिन एक व्यक्ति के रूप में उनके गुण उन्हें सबसे लोकप्रिय और सबसे अच्छे लोगों में से एक बनाते हैं, जिनकी कोई भी टीम कामना कर सकती है। उनादकट वर्तमान में रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र का नेतृत्व कर रहे हैं, जो से शुरू हुई। विशेष रूप से, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में, उनादकट ने सनराइजर्स हैदराबाद के साथ उनका एक निराशाजनक सीजन रहा, जिसमें उन्होंने 11 मैचों में 10.24 की इकॉनमी से 8 विकेट लिए।

क्लीन स्वीप करने उतरेगा भारत, सलामी बल्लेबाजों पर रहेगी निगाह, देखें संभावित 11

एजेंसी

हैदराबाद। पहले दो मैच में आसान जीत दर्ज करके श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरगी जिसमें उसके सलामी बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निगाह टिकी रहेगी। भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम देकर इस टी20 श्रृंखला में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर पूरी तरह से अमल करके जीत का जज्बा दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ ही कुछ दिन पहले कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने जिस तरह से परिणाम हासिल करने के लिए आक्रामक क्रिकेट खेली उससे टीम के नए दृष्टिकोण का पता चलता है। भारत ने दो टेस्ट मैच की श्रृंखला 2-0 से जीती थी और अब वह टी20 श्रृंखला में भी 3-0 से जीत दर्ज करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

मल्लिका शेरावत

बोलीं- मेरे पैदा होने पर परिवार में मातम छा गया था, मुझे पक्के से पता है...

मल्लिका शेरावत एक बार फिर 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' से बड़े पर्दे पर कमबैक कर रही हैं। ऐसे में उन्होंने फिल्म की रिलीज से पहले मीडिया से बात की। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान अपने बचपन को याद किया और बताया कि हरियाणा में उनके साथ किस तरह का भेदभाव होता था। उन्होंने कहा, मुझे किसी का सहारा नहीं मिला। न तो मेरी मां ने मुझे समझा और न मेरे पिता ने मेरा साथ दिया। मेरे परिवार में से किसी ने मेरा साथ नहीं दिया।

लड़कियों को बोझ समझते थे मल्लिका के माता-पिता

मल्लिका ने हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में बताया कि उनके मां-बाप ने हमेशा उनके और उनके भाई के बीच भेदभाव किया है। उन्होंने ये भी कहा कि उनके मां-बाप ने उन्हें हमेशा 'बोझ' समझा है। मल्लिका बोलीं, तब तो मैं बच्ची थी, मुझे समझ नहीं थी, लेकिन अब चीजें समझ आती हैं। मेरे मां-बाप कहते थे, 'वो लड़का है उसको विदेश भेजो, उसको पढ़ाओ, उसमें पैसा लगाओ। परिवार की सारी संपत्ति तो लड़के की ही होगी, फिर पोते के पास जाएगी। लड़कियों का क्या है? वे शादी करके इस घर से चली जाएंगी और तब तक हमारे ऊपर बोझ बनकर रहेंगी।'

'मेरी मां डिप्रेशन में चली गई होगी'

शेरावत ने आगे बताया कि उनके पैदा होने पर उनके घरवाले निराश हो गए थे। उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता ने मुझे सबकुछ दियाज्अच्छी शिक्षा दी, लेकिन उन्होंने मुझे ओपन माइंडेड नहीं बनाया। उन्होंने मुझे आजादी नहीं दी। उन्होंने मेरा पालन-पोषण नहीं किया। उन्होंने कभी मुझे समझने की कोशिश तक नहीं कीज्जब मैं पैदा हुई तो मेरे परिवार में मातम छा गया था। मुझे पक्के से पता है कि मेरी मां डिप्रेशन में चली गई होगी, बेचारी।

जाह्नवी कपूर

ने शेयर किया 'देवरा' का BTS वीडियो, बताया- 'चुट्टामल्ले' गाने की शूटिंग के दौरान इस चीज से...

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म देवरा पार्ट 1 को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में जाह्नवी साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ नजर आई हैं। देवरा के साथ ही जाह्नवी ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी बेहतर कमाई की है। लेकिन क्या आपको पता है कि देवर पार्ट 1 के गाने चुट्टामल्ले की शूटिंग के दौरान जाह्नवी ने अपनी जान जोखिम में डाली थी। जी हां, और अब खुद एक्ट्रेस ने इस बारे में बताया है। जाह्नवी ने एक वीडियो शेयर कर थाईलैंड में शूट शेड्यूल से कुछ थ्रोबैक पल शेयर किए हैं।

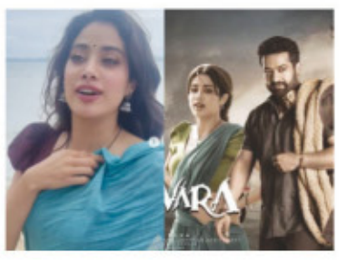

जाह्नवी ने शेयर किया चुट्टामल्ले शूटिंग के दौरान का खतरनाक अनुभव

जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने थाईलैंड में शूट शेड्यूल से कई थ्रोबैक पल शेयर किए हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने जेलीफिश से भरे पानी में चुट्टामल्ले गाने के ट्रैक की शूटिंग की थी। जाह्नवी ने वीडियो में चुट्टामल्ले गाने से एक सीन शेयर करते हुए कहा, यह लाइफ के लिए सबसे अधिक जोखिम भरा पल हो सकता है। मैं जेलीफिश से भरे पानी में जा रही हूं। मेरी सुरक्षा के लिए एक पतली रेशमी साड़ी के अलावा कुछ नहीं है। मुझे उम्मीद है कि मैं बच जाऊंगी, मुझे उम्मीद है कि यह इसके लायक है। मुझे उम्मीद है कि यह एक यादगार शॉट होगा।

दिखाया वार्निंग का बोर्ड

वहीं, जाह्नवी ने दूसरी स्लाइड में एक बोर्ड भी नजर आ रहा है, जिसमें लिखा हुआ है कि जेलीफिश से सावधान रहें। क्योंकि जिस पानी में वो जा रही थीं वो जेलीफिश से भरा हुआ है, जो अपने डंक से इंसान को घायल कर सकती हैं। एक क्लिप में, अभिनेत्री को चट्टान पर चढ़ने और फिर खतरनाक पानी में आने के बारे में बात करते हुए देखा गया। वहीं, आप आगे वीडियो में देख सकते हैं कि अपने गाने के लिए बेस्ट शॉर्ट देने के लिए जाह्नवी अपना सारा डर भूल जाती हैं और वो पानी के अंदर खूब एंजॉय करती नजर आ रही हैं।

क्या शहजादा धामी का खेल बिगाड़ने आ रही हैं प्रतीक्षा होनमुखे? एक्ट्रेस ने...

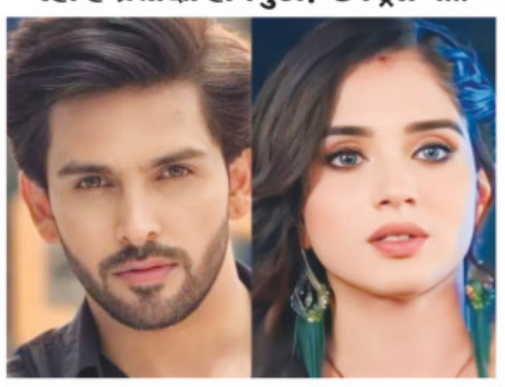

बिग बॉस 18 की शुरुआत हो चुकी है। शो का ग्रैंड प्रीमियर धमाकेदार तरीके से हुआ है। इस बार सलमान खान के शो की शोभा बढ़ाने के टीवी से लेकर बॉलीवुड, राजनेता, वकील सहित कई कंटेस्टेंट शामिल हुए हैं। शो शुरू होने के साथ ही घर में महायुद्ध शुरू हो चुका है। एक-दूसरे के साथ कंटेस्टेंट के झगड़े अब काफी विवादित होते जा रहे हैं। ऐसे में अब शो के पहले वाइल्ड कंटेस्टेंट की एंट्री की खबर सामने आ रही है। शो में जल्द ही एक ऐसा वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट आने वाला की चर्चा सोशल मीडिया पर आ रही है, जो शहजादा धामी का खेल पूरी तरह से बिगाड़ सकता है। आइए जानते हैं कौन है वो ?

क्या शो में होने वाली है वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री ?

बिग बॉस 18 के कंटेस्टेंट शहजादा धामी को ये रिश्ता क्या कहलाता है टीवी सीरियल से एक खास पहचान मिली है। शहजादा का शो के मेकर्स के साथ पंगा भी काफी चर्चा में रहा। न सिर्फ शहजादा बल्कि उनके साथ उनकी को-स्टार प्रतीक्षा होनमुखे को भी रातों रात शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। दोनों के अचानक शो से बाहर होने की खबर उनकी पूरी टीम और फैंस के लिए काफी शॉकिंग था। ऐसे में अब प्रतीक्षा के सलमान के शो में बतौर वाइल्ड कार्ड आने की खबर आ रही है। ऐसे में अब एक्ट्रेस ने खुद इस खबर का सच बताया है।

बिग बॉस में एंट्री पर बोलीं प्रतीक्षा

इंडिया फोरम की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतीक्षा होनमुखे ने कहा, मैं अभी शो नहीं कर रही हूं। मैं फिलहाल अभी कैसे मुझे तुम मिल गए की शूटिंग कर रही हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या निर्माताओं ने उनसे संपर्क किया है, तो उन्होंने कहा, नहीं, अभी तक मुझसे संपर्क नहीं किया गया है, लेकिन अगर वे ऐसा करेंगे, तो हम उस समय देखेंगे। इस बात से क्लियर हो गया है कि प्रतीक्षा फिलहाल शो का हिस्सा नहीं होगी, लेकिन फैंस को उनकी एंट्री का बेसब्री से इंतजार रहेगा।

आमिर खान को बेहद पसंद है गोविंदा की ये फिल्म, तीन बार देख चुके हैं एक्टर

गोविंदा अपने वक्त के बेहतरीन एक्टर्स में से एक माने जाते हैं। स्क्रीन पर गोविंदा ने अलग-अलग किरदार निभाए हैं, लेकिन उन्हें कॉमेडी करते देखना दर्शकों को खूब पसंद है। गोविंदा ने ज्यादातर कॉमेडी फिल्में डेविड धवन के साथ की हैं। लेकिन साल 2006 में गोविंदा की एक फिल्म रिलीज हुई थी सैंडविच। इस फिल्म को अनीस ने डायरेक्ट किया था। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में अनीस ने बताया है कि आमिर खान को उनकी यह फिल्म बेहद पसंद है।

आमिर खान ने तीन बार देखी सैंडविच

पिंकविला के साथ खास बातचीत में अनीस ने अपनी फिल्म सैंडविच से जुड़ा एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि एक बार उनकी आमिर खान से मुलाकात हुई थी। अनीस ने बताया, आमिर खान मुझे मिले बीच में। मैं बहुत बड़ा फैन हूं। बहुत अच्छे इंसान हैं। तो उन्होंने बोला कि अनीस भाई मैनें आपकी फिल्म देखी

सैंडविच। क्या फिल्म है। मैनें तीन बार देखी। आमिर की बात सुनकर अनीस ने उनसे पूछा सैंडविच आपने तीन बार देखी ?

फिल्म में नजर आई थीं महिमा और रवीना

अनीस ने बताया कि आमिर को फिल्म में गोविंदा की कॉमिक टाइमिंग बहुत पसंद आई थी। साथ ही, उन्होंने फिल्म में गोविंदा के डबल रोल की भी तारीफ की थी। इस कॉमेडी फिल्म में महिमा चौधरी और रवीना टंडन भी नजर आई थीं।

सिनेमाघरों में रिलीज होगी भूल भुलैया 3

वहीं, अनीस बज्मी की बात करें तो उनकी फिल्म भूल भुलैया 3 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन नजर आएंगी। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में कार्तिक आर्यन रूह बाबा का किरदार निभाते नजर आएंगे। बता दें, विद्या बाल भूल भुलैया पार्ट 1 का हिस्सा थीं। फिल्म में विद्या बालन ने मंजूलिका का किरदार निभाया था। हालांकि, पार्ट 2 में विद्या नजर नहीं आई थीं। अब भूल भुलैया 3 में विद्या बालन वापसी करने जा रही हैं।